सच, सिर्फ सच

वॉयस ऑफ लखनऊ

गुरुवार, 21 नम्बर, 2024 लखनऊ, महानगर, वर्ष 19, अंक 315, पेज 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

हटाये गये 5.8 करोड़ फर्जी राशन कार्ड

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार के डिजिटलीकरण के प्रयास से देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में काफी बदलाव आया है। } 14

भारत-चीन संबंधों में जल्द आयेगा सुधार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ विएंतियाने में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। उन्होंने कहा भारत-चीन संबंधों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। } 16

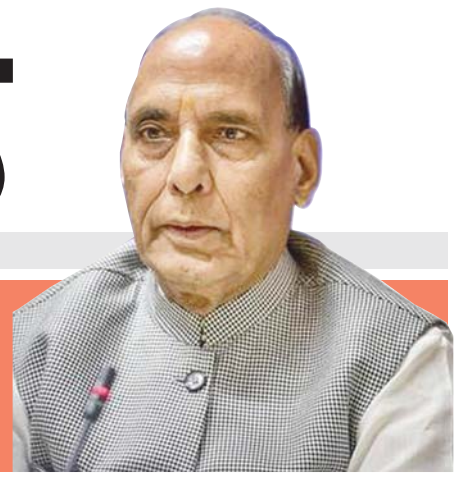

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

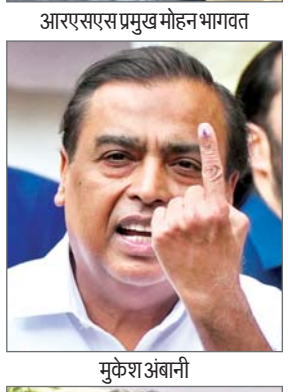

मुकेश अंबानी

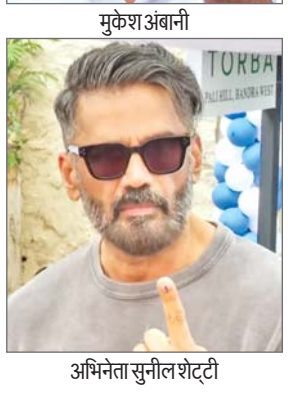

अभिनेता सुनील शेट्टी

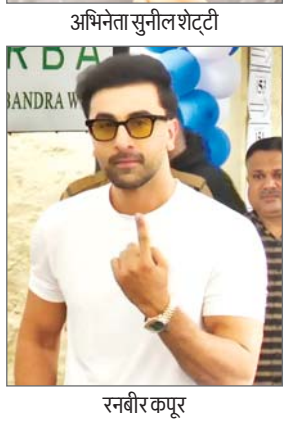

रनबीर कपूर

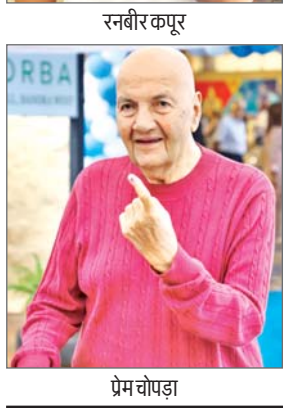

प्रेम चोपड़ा

यूपी 50, झारखण्ड 67.59 व महाराष्ट्र में 58.43 फीसद मतदान

मिर्जापुर के मीरापुर में सबसे अधिक वोटिंग | महाराष्ट्र में 288 सीटों पर पड़े वोट | झारखण्ड में 38 सीटों के लिए वोटिंग

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने बताया कि मीरापुर, कुन्दरकी, गाजियाबाद, खैर (अ.जा.), करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी एवं मझवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के उप चुनाव के लिए 20 नवम्बर को मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हो गया है। मतदान प्रातः 7 बजे से शुरू होकर सायं 5 बजे समाप्त हुआ।

जिलों से प्राप्त सूचना के आधार पर विधान सभा उपचुनाव क्षेत्रों में अनुमानित 49.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। गाजियाबाद में सबसे कम केवल 33.30 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले हैं। सबसे ज्यादा वोटिंग मुजफ्फरनगर की मीरापुर में हुआ है। विधान सभावार में मीरापुर में 57.1 प्रतिशत, कुन्दरकी में 57.7 प्रतिशत, गाजियाबाद में 33.3 प्रतिशत, खैर (अ.जा.) में 46.3 प्रतिशत, करहल में 54.1 प्रतिशत, सीसामऊ में 49.1 प्रतिशत, फूलपुर में 43.4 प्रतिशत, कटेहरी में 56.9 प्रतिशत तथा मझवां में 50.4 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए 50 प्रतिशत से अधिक मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका ...शेष पृष्ठ 14 पर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए दोपहर एक बजे तक 58.43 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर सुबह सात बजे से मतदान जारी है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर ...शेष पृष्ठ 14 पर

एजेंसी

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के तहत 38 निर्वाचन क्षेत्रों में बुधवार को शाम पांच बजे तक 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 12 जिलों के 14,218 मतदान केन्द्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होकर पांच बजे संपन्न हुआ जबकि 31 मतदान केंद्रों पर मतदान शाम चार बजे संपन्न हुआ। हालांकि इन सभी स्थानों पर मतदान संपन्न होने के तय समय से पूर्व कतार में लगे लोगों को उनके मताधिकार के प्रयोग का समय प्रदान किया गया। झारखंड चुनाव में सत्तारूढ़ झामुमो नीत इंडिया गठबंधन अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बल पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) इसे हासिल करने की कोशिश कर रहा है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया, शाम पांच बजे तक 38 विधानसभा सीट पर 67.59 मतदान हुआ। मतदान शांतिपूर्ण रहा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि दूसरे चरण में कुल 1.23 करोड़ मतदाता अपने मताधिकारों का प्रयोग करने के ...शेष पृष्ठ 14 पर

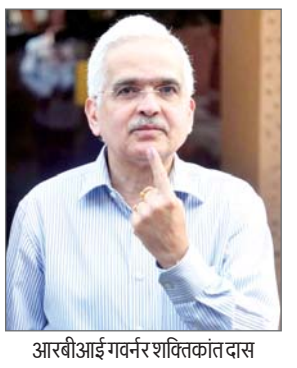

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास

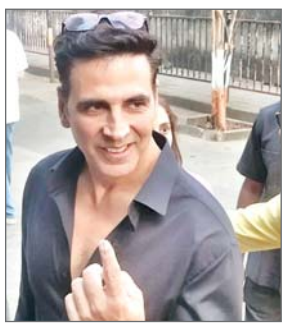

अक्षय कुमार

रितेश देशमुख

श्रद्धा कपूर

परेश रावल

ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन आगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलने की संभावना जताई गई है।

हालांकि एक्सिस माई इंडिया के सर्वेक्षण में झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीट पर बुधवार को मतदान हुआ, वहीं झारखंड में दूसरे और अंतिम चरण में 38 सीट के लिए वोट डाले गए। झारखंड में पहले चरण में 43 सीटों पर 13 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ था। दोनों राज्यों में मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गठबंधन महायुति तथा कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के बीच मुकाबला है। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) तथा इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला है। राजग में भाजपा, आजसू, जनता दल (यूनाइटेड) तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल है जबकि इंडिया गठबंधन के घटक में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल है। मैट्रिज के सर्वेक्षण के अनुसार, महायुति को 150-170 तथा एमवीए को 110-130 सीट मिल सकती हैं। लोकशाही मराठी-रुद्र के सर्वेक्षण में कहा गया है कि महाराष्ट्र में महायुति 128-142 सीट हासिल करके एक बार सत्ता में बरकरार रह सकती है। एमवीए ...शेष पृष्ठ 14 पर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव / एग्जिट पोल-2024 / सीटें: 288 / बहुमत: 145

एजेंसी	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
मैट्रिज	150-170	110-130	8-10
पी-एमएआरक्यू	137-157	126-146	2-8
चाणक्य स्ट्रैटेजीस	152-160	130-138	6-8
पीपुल्स पल्स	175-195	85-112	7-12
पोल डायरी	122-186	69-112	7-12
लोकशाही रुद्र	128-142	125-140	18-23
इलेक्टोरल एज	118	150	20
टाइम्स नाऊ जेवीसी	150-167	107-125	13-14
एसएएस	127-135	147-155	10-13

यूपी : पांच पुलिसकर्मी सस्पेंड

मतदाताओं को वोट डालने से रोकने का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में उसके दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और मतदाताओं को वोट डालने से रोकने के आरोप में बुधवार को कम से कम पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित करने और कई अन्य को चुनाव ड्यूटी से हटाने का आदेश दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता पहचान पत्रों और आधार कार्ड की जांच करने वाले उन सभी पुलिस अधिकारियों को वीडियो साक्ष्य के आधार पर निलंबित करने का निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया था। उसके बाद आयोग ने यह कार्रवाई की। आयोग के निर्देश पर कार्वाई करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शिकायतों की पुष्टि के बाद उक्त पुलिसकर्मियों को उनके आचरण के लिए निलंबित कर दिया है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि मुजफ्फरनगर में मतदाताओं ...शेष पृष्ठ 14 पर

संक्षेप

उपचुनाव के दौरान बेटी की हत्या का आरोप

मैनपुरी (उप्र)। मैनपुरी जिले में बुधवार को 23 वर्षीय युवती का शव मिला और परिवार का आरोप है कि उसकी हत्या इसलिए की गई है क्योंकि उसने करहल विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोट देने से इनकार कर दिया था। मैनपुरी जिले की पुलिस ने युवती का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। युवती के पिता ने करहल थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने तपा की नगरिया निवासी प्रशांत यादव पर अपनी बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया है। प्राथमिकी के अनुसार, पिता ने आरोप लगाया ...शेष पृष्ठ 14 पर

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार रात 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा डेट शीट जारी कर दी। इस बार परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हो जायेंगी जो 4 अप्रैल तक चलेंगीं। आमतौर पर सीबीएसई बोर्ड नवंबर के महीने के अंत तक, या फिर दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह तक परीक्षा तिथियां घोषित करता है। लेकिन इस बार अचानक डेट शीट जारी कर बोर्ड ने सभी को चौंका दिया। 15 फरवरी से परीक्षाएं शुरू हो जायेंगी। 18 मार्च तक 10वीं की परीक्षाएं चलेंगी जबकि 4 अप्रैल तक 12वीं की परीक्षाएं चलेंगी। बता दें कि इससे पूर्व यूपी बोर्ड ने भी अपना परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है।

महाराष्ट्र चुनाव में बिटकॉइन का हुआ इस्तेमाल, ईडी ने मारा छापा

एजेंसी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र में बिटकॉइन के राजनीतिक लेनदेन मामले से कथित रूप से जुड़े एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी के छत्तीसगढ़ स्थित परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौरव मेहता के घर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता एवं बारामती से सांसद सुप्रिया सुले तथा कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले की कथित आवाज वाली रिकॉर्डिंग सुनाई और आरोप लगाया कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए बिटकॉइन को भुनाने का प्रयास किया जा रहा था। मेहता का नाम पूर्व आईपीएस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने भी लिया था, जिन्हें 2018 के क्रिप्टोकरंसी धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी जांच पुणे पुलिस कर रही है। पाटिल ने दावा किया कि मेहता ने सिग्नलऐप पर उनके साथ 10 वॉयस नोट साझा किए थे जिनमें सुले, पटोले और आईपीएस अधिकारी अमिताभ ...शेष पृष्ठ 14 पर

पांच सौ साल पहले एकजुट रहते तो नहीं होते गुलाम : योगी

समाज को कमजोर करने वालों के खिलाफ अपनायेंगे सख्त रुख

जिला संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों से ज्यादा समय से रुका हुआ राम मंदिर निर्माण का काम सनातनियों की एकता के कारण महज दो वर्षों में पूरा हो गया और अगर देश 500 साल पहले एकजुट होता तो उसे गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। आदित्यनाथ ने आज अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। इस अवसर पर देशभर से आए साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण और सनातन धर्म की एकता पर बल दिया। जो काम 500 सालों से रुका हुआ था, जिसके लिए न जाने कितनी पीढ़ियों ने बलिदान दिया, वो केवल सनातनियों के एकजुट होने मात्र पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी जी के

नेतृत्व में दो वर्ष में ही पूरा हो गया। अगर 500 साल पहले हमने एकता दिखाई होती, तो गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त ...शेष पृष्ठ 14 पर

मुख्यमंत्री ने की अयोध्या में रामलला की पूजा-अर्चना

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे जिस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी और रामलला मंदिर में दर्शन-पूजन किया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमत दरबार में हाजिरी लगाई। उसके बाद उन्होंने श्रीरामलला के मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने दोनों मंदिरों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच अयोध्या पहुंचे। इस दौरान महापौर व विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री बुधवार दोपहर रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के ...शेष पृष्ठ 14 पर

विशेष खबर

गुयाना और बारबाडोस भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देंगे सर्वोच्च सम्मान

संबंधों को मजबूत करने गुयाना पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

जॉर्जटाउन (गुयाना)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को गुयाना में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि ये लोग विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। मोदी की यह यात्रा 50 साल से भी अधिक समय में किसी भारतीय शासनाध्यक्ष की पहली यात्रा है। वे मंगलवार देर रात ब्राजील से रवाना होने के बाद तड़के यहां पहुंचे और उन्होंने होटल में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना और बारबाडोस में सर्वोच्च सम्मान दिया जाएगा। जहां गुयाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान-द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा, वहीं बारबाडोस में पीएम मोदी को प्रतिष्ठित ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान दिया जाएगा। इससे पहले

डोमिनिका ने हाल ही में पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान दिया था। अब तक प्रधानमंत्री को दुनियाभर में 19 देशों की तरफ से राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। इससे पहले नाइजीरिया ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय सम्मान 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर नाइजर' से सम्मानित किया। इस सम्मान के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी दूसरी ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, 'नाइजीरिया के 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे भारत के लोगों को समर्पित करता हूं।' मोदी को दिया गया यह 17वां अतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, गुयाना में भारतीय मूल के लगभग 3,20,000 लोग हैं। मंत्रालय ने इसे सबसे प्राचीन भारतीय समुदाय करार दिया जो 185 साल से भी पहले वहां आए थे।

पाकिस्तान में फिर आत्मघाती हमला, 17 सैनिकों की मौत

एजेंसी

करांची। पाकिस्तान में लगातार आतंकी घटनाएं जारी हैं। अब ताजा आत्मघाती हमले में पाकिस्तानी सेना के 17 सैनिकों की मौत हो गई है। यह आत्मघाती हमला उस वक्त हुआ, जब एक आतंकी ने अपने विस्फोटक लदे वाहन को सेना की चेकपोस्ट से टकरा दिया। इससे हुए धमाके में 17 जवानों की मौत हो गई। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही इसी क्षेत्र में एक अन्य आतंकी हमले में पाकिस्तानी सेना के आठ सैनिक मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान की उत्तर पश्चिम सीमा पर स्थित प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में एक आतंकी ने सेना की चेकपोस्ट के पास अपने विस्फोटक लदे वाहन में धमाका कर दिया, जिसकी चपेट में आकर पाकिस्तानी सेना के 17 सैनिकों और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो जवानों की मौत हो गई। आत्मघाती हमले के बाद अन्य आतंकियों ने पाकिस्तानी चेकपोस्ट पर गोलीबारी भी की। हमले में सात अन्य घायल भी हुए हैं। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी भी मारे गए हैं। पुलिस के मुताबिक आत्मघाती विस्फोट के चलते माली खेल चौकी के साथ ही कई सैन्य वाहनों को भी भारी नुकसान हुआ है।

सेना की चेकपोस्ट के पास हुआ धमाका

संक्षेप

महाकुंभ मेले में 1249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन से होगी जल आपूर्ति

लखनऊ/प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दिव्य और भव्य आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम क्षेत्र में अस्थाई महाकुंभ नगरी बसना शुरू हो गई है। इस दिशा में पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध जलापूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश जल निगम 1249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछा रहा है। जिसके जरिए 56,000 कनेक्शन की मदद से पूरे मेला क्षेत्र में जल की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जल निगम के अधिशासी अभियंता अमित राज ने बताया कि महाकुंभ 2025 में पूरे मेला क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति का कार्य उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), प्रयागराज कर रहा है। इसके लिए 25 सेक्टर और 4,000 हेक्टेयर में फैले विशाल मेला क्षेत्र में पाइपलाइन का जाल बिछाने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि इस बार का मेला क्षेत्र पहले के कुंभ मेला की तुलना में बड़ा है। पूरे मेला क्षेत्र में जल की आपूर्ति के लिए लगभग 1249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे परेड ग्राउंड, संगम क्षेत्र से लेकर फाफामऊ और अरैल एवं झूंसी के क्षेत्रों में भी आसानी से जलापूर्ति की।

यूपी में स्थापित होगा देश का पहला मॉडल केज-फ्री अंडा उत्पादन प्रशिक्षण केंद्र

मुख्य सचिव के समक्ष यूपी सरकार, सीएआरआई और पीपल फॉर पीएफ, पीपीएफ के मध्य हुआ एमओयू पर हस्ताक्षर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह एमओयू होने के बाद कहा कि यह साझेदारी भारत की पशु कल्याण यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और उत्तर प्रदेश की

- इस पहल का उद्देश्य किसानों को बैटरी केज प्रणाली के विकल्प के रूप में पारंपरिक, मानवीय और लाभकारी मुर्गी पालन पद्धतियों से अवगत कराना है

किसानों के आर्थिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

मुख्य सचिव के समक्ष बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार, सेंट्रल एवियन रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएआरआई) और पीपल फॉर एनिमल्स पब्लिक पॉलिसी फाउंडेशन (पीएफ, पीपीएफ) के मध्य उत्तर प्रदेश में भारत का पहला मॉडल केज-फ्री अंडा उत्पादन और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को बैटरी केज प्रणाली के विकल्प के रूप में पारंपरिक, मानवीय और लाभकारी मुर्गी पालन पद्धतियों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि इस कदम के माध्यम से, उत्तर प्रदेश पूरे देश के लिए एक मिसाल पेश कर रहा है। यह सहयोग किसानों को आधुनिक पोल्ट्री प्रणाली अपनाने के लिए आवश्यक जानकारी और संसाधन प्रदान करेगा, जिससे उनकी आर्थिक उन्नति के साथ-साथ वैश्विक प्रवृत्तियों के साथ तालमेल बना रहेगा। पीएफए पीपीएफ की ट्रस्टी श्रीमती गौरी मौलेखी ने कहा कि प्रशिक्षण केंद्र के द्वारा किसानों, उत्पादकों और अन्य हितधारकों को केज-फ्री अंडा उत्पादन की सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराया जायेगा। साथ ही, यह किसानों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने में मदद करेगा, जिससे वे इन स्थायी पद्धतियों के लाभों को अधिकतम कर सकें। भारत, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक देश है, लंबे समय से पोल्ट्री फार्मिंग का केंद्र रहा है। बैटरी केज प्रणाली में मुर्गियों को छोटे-छोटे पिंजरों में बंद रखा जाता है, जहां वे अपनी प्राकृतिक गतिविधियों को करने में असमर्थ रहती हैं। वैश्विक जागरूकता बढ़ने के साथ, भारत में काम कर रही कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने केवल केज-फ्री अंडों का उपयोग करने का संकल्प लिया है, जिसमें से अधिकांश प्रतिबद्धताएं 2025 के अंत तक पूरी की जानी हैं। उत्तर प्रदेश, जो एक प्रमुख कृषि प्रधान राज्य है, अब भारत में इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। यह नया प्रशिक्षण केंद्र स्थानीय किसानों को केज फ्री पोल्ट्री फार्मिंग पद्धतियों को अपनाने और उसमें सफल होने के लिए सक्षम बनाएगा। केज-फ्री प्रणाली न केवल पशु कल्याण को प्राथमिकता देती है, बल्कि बेहतर बाजार अवसर भी प्रदान करती है। ऐसे अंडे प्रीमियम कीमतों पर बिकते हैं और किसानों को बेहतर अवसर दिलाने के लिए इस अनुबंध में प्रतिबद्धता प्रकट की गई है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव दुग्ध विकास के.रवीन्द्र नायक, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षु अधिकारी फील्ड पर जाकर आम जनता की समस्याओं का करें निराकरण : दीपक कुमार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से कहा कि वे प्रदेश सरकार द्वारा दी गयी जिम्मेदारियों के समय आम जनता के हितो को सर्वोपरि समझते हुए कार्य करे।

जनता की समस्याओं का निस्तारण पारदर्शिता से कराये। उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारियो को अपने तैनाती स्थल पर छोटी-छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लेकर घटना स्थल पर पहुंच कर वास्तविक जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। अपर मुख्य सचिव गृह बुधवार को अपने लोकभवन स्थित कार्यालय कक्ष के सभागार मे उप्र कैडर के 76 वें आर आर के 20 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से भेट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी अपनी बेहतर कार्य शैली एवं जन संवाद के माध्यम से आम जन नागरिकों में बेहतर छवि बनाने में कोई कसर न छोड़े। दीपक कुमार ने प्रशिक्षु आईपीएस आधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी जन आकांक्षाओं की कसौटी पर भविष्य में खरा उतरे और पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक जनता का विश्वास प्राप्त करे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रशिक्षु आईपीएस आधिकारी समय से कार्यालय पहुंचे। अपर मुख्य सचिव गृह से मिलने आये प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी अभिनव द्विवेदी, अभिषेक दवाच्या, आलोक राज नारायण, अरूण कुमार एस, दीपक यादव, देवेश चतुर्वेदी, गौतम राय, गोल्डी गुप्ता, प्रशान्त राज, राजेश गुनावत, शिवम आशुतोष, सिद्वार्थ के मिश्र, विश्वजीत शौर्य, विवेक तिवारी एवं आशमा चौधरी, अरीबा नोमान, कृतिका शुक्ला, माविसतक, नताशा गोयल, सोनाली मिश्रा है।

121 चीनी मिलों में से 102 चीनी मिलों ने जारी किया गन्ना इंडेन्ट

प्रदेश की 90 चीनी मिलों ने शुरू किया गन्ना पेराई कार्य

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। आयुक्त, गन्ना एवं चीनी प्रभु एन सिंह ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत मंत्री, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास लक्ष्मी नारायण चौधरी व राज्य मंत्री, संजय गंगवार के मार्गदर्शन में वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश की 102 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद के लिए इंडेन्ट जारी कर दिया है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की 90 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारम्भ हो चुका है, जिनमें निगम क्षेत्र की 1, सहकारी क्षेत्र की 10 तथा निजी क्षेत्र की 79 चीनी मिलें शामिल हैं। प्रदेश की संचालित चीनी मिलों में सहारनपुर परिक्षेत्र की 19 में से 18 चीनी मिलें, मेरठ परिक्षेत्र की 16 में से 16, बरेली परिक्षेत्र की 17 में से 11, मुरादाबाद परिक्षेत्र की 23 में से 22, लखनऊ परिक्षेत्र की 19 में से 13, अयोध्या परिक्षेत्र की 5 में से 4, देवीपाटन परिक्षेत्र की 10 में से 4 तथा देवरिया परिक्षेत्र की 7 में से 2 चीनी मिलों ने पेराई कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश की अन्य 12 चीनी मिलों द्वारा अपना पेराई कार्य शुरू करने की समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर गन्ना खरीद के लिए इंडेंट जारी कर दिया है। इन चीनी मिलों का संचालन भी अगल 2 से 3 दिवस में शुरू हो जाएगा। अवशेष 19 चीनी मिलें भी शीघ्र ही संचालित हो जाएगी।

गन्ना आयुक्त ने यह भी बताया कि वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 के देय गन्ना मूल्य का नियमानुसार त्वरित भुगतान करने के लिए चीनी मिलों को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। तदक्रम में 39 चीनी मिलों द्वारा वर्तमान पेराई सत्र के देय गन्ना मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है।

संवेदनशीलता और सामाजिक जागरूकता जरूरी : आनंदीबेन पटेल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन में मानव अंगदान और युवा महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल के उद्देश्य से गठित आलंबन संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने ट्रस्ट के सदस्यों को अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया और इस विषय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न रणनीतियों की रूपरेखा पर चर्चा करने के साथ ही संस्था के उद्देश्य-पत्र का भी विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि अंगदान से न केवल बीमार व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज में मानवता और संवेदनशीलता का संदेश भी प्रेषित करता है। उन्होंने इस विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने छोटी-छोटी प्रेरक लघु फिल्मों के निर्माण का सुझाव देते हुए कहा कि इन फिल्मों को बड़े सार्वजनिक स्थलों, अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में दिखाया जाए, ताकि लोग अंगदान के महत्व और इससे जुड़े तथ्यों को समझ सकें। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि अंगदान को लेकर समाज में फैली धार्मिक मान्यताओं और भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज को यह समझाने की जरूरत है कि अंगदान से कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि यह जीवन बचाने का एक पुनीत कार्य है। उन्होंने बताया कि धार्मिक एवं सामाजिक मान्यताओं को सकारात्मक दिशा में परिवर्तित करने के लिए प्रभावी संवाद और जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। राज्यपाल जी ने अंगदाताओं को सम्मानित करने के साथ ही अस्पतालों के माध्यम से अंगदाताओं और अंग प्राप्तकताओं को बुलाकर उनके अनुभव साझा करने और जागरूकता फैलाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों और समाज में संवेदनशीलता की भावना पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह भावना जागृत करने के लिए ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए जाएं, जहां किसी व्यक्ति की जान बचाकर उनके परिवार को अनाथ होने से रोका गया हो। इससे लोग भावनात्मक रूप से प्रेरित होकर अंगदान के लिए आगे आ सकते हैं। उन्होंने आलंबन संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए ट्रस्ट के सदस्यों को इस दिशा में निरंतर कार्य करने और समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण में भी सहायक होगी। विदित है कि आलंबन संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र किशोरियों तथा युवा महिलाओं के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में तथा उनकी स्वास्थ्य समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु समाज में लोगों को शिक्षित करना तथा उनमें जागरूकता फैलाना है। बालिकाओं व महिलाओं को एनीमिया, यौन स्वास्थ्य, कुपोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के कारण उनके शारीरिक और मानसिक विकास में रुकावट आती है। इसके अलावा, युवा लड़कियों में आयरन की कमी, स्वच्छता, रोजगार से संबंधित कौशल, और परिवार कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने की भी आवश्यकता है।

चिकित्सालयों में दवाइयों की न हो कमी : दयालु

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा (एमओएस) डा. दयाशंकर मिश्र दयालु ने बुधवार विधानभवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी

- आयुष मंत्री ने आयुष विभाग की समीक्षा बैठक की

आयुष (आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ) चिकित्सालयों में दवाईओं की कमी न होने पाये, जिससे कि मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की कठिनाई न होने पाए।

डा. दयालु ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आयुष विभाग द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य अधूरे हैं उनको प्राथमिकता पर पूरा कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों को युद्ध स्तर पर कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने चिकित्सालयों के परिसरों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों के कैम्पस में कूड़ा आदि न इकट्ठा होने पाए। आयुष मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश में आयुष चिकित्सालयों के निर्माण के लिए जन प्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों आदि से सम्पर्क कर जमीन उपलब्ध कराने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विभाग में डीपीसी एवं एसीपी की कार्यवाही प्राथमिकता पर करायें। समीक्षा बैठक में विशेष सचिव आयुष हरिकेश चौरसिया, महानिदेशक आयुष मानवेन्द्र सिंह, उप्र आयुष मिशन निदेशक महेन्द्र वर्मा, निदेशक होम्योपैथ प्रो. एके वर्मा, निदेशक यूनानी जमाल अख्तर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी आज देखेंगे गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखेंगे। शहीद पथ स्थित फिनिक्स पलासियो मॉल में फिल्म का सुबह 11.30 बजे विशेष शो रखा गया है। सीएम के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी भी फिल्म देखेंगे। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज हुई थी।

पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म करने के बाद विक्रांत ने कहा कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं। यह फिल्म गुजरात में 2002 में कारसेवकों से भरी साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगाए जाने की घटना पर आधारित है।

सीएम की विशेष पहल पर अयोध्या से 25 तक चलेगा महाभियान

सबसे अधिक योगदान देने वाले को मिलेगा आकर्षक उपहार : जयवीर सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आम आदमी से लेकर माननीय तक राज्य में स्थित अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल बताएंगे। इसके लिए पर्यटन विभाग ने महाअभियान शुरू किया है, जो 25 नवंबर तक चलेगा। सभी जिलों के प्रमुख स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे। लोग पोर्टल पर डिटेल भरने के बाद अपनी फोटो, रील्स आदि अपलोड कर सकेंगे। इसके लिए क्यूआर कोड बनाया गया है।

महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले आकर्षक उपहार पाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 'देखो अपना देश पीपल्स चॉइस 2024' अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े स्थल, ऐतिहासिक, प्राकृतिक विरासत और वन्यजीव आदि सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है। ताकिए इन स्थलों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके। जयवीर सिंह ने बताया कि अभियान की अंतिम तिथि बीत चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष रुचि पर केंद्र सरकार ने तिथि बढ़ा दी है। अब 25 नवंबर तक लोग ऑनलाइन फार्म भर कर अपने पसंदीदा पर्यटन आकर्षण को बता सकते हैं। इसके साथ ही हाल में कहां घूमे हैं, कहां घूमने की योजना बना रहे हैं। इसी तरह अन्य सूचनाएं दर्ज करनी होंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इसे महाभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसके लिए सामान्य अधिकारी से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक अन्य जनप्रतिनिधि, अफसर, छात्र-छात्राएं, पर्यटक सहित अन्य लोगों को भी शामिल किया जा रहा है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि महाभियान में प्रदेश के सभी 1506 युवा पर्यटन क्लबों के 30 हजार से अधिक सदस्यों, छात्र-छात्राओं सहित ऐसे लोगों को शामिल किया जा रहा है जो कि पर्यटन स्थलों पर घूमकर लौटे हैं और घूमने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा भ्रमण के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी राय दे सकें। प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह इस महाभियान को गंभीरता से लें। जन सामान्य, पर्यटकों, छात्र-छात्राओं के अलावा जनप्रतिनिधि, सभी अधिकारीगण आदि से पोर्टल पर दिए गए फॉर्म को भरवाने के लिए आग्रह करें। प्रतिदिन की रिपोर्ट मुख्यालय भेजें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी ने हीलाहवाली की तो वेतन काटने सहित अन्य कड़ी कार्रवाई जाएगी। इसके लिए पत्र जारी किया जा चुका है। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस अभियान में इन्फ्लुएंसर, ब्लॉगर सहित अन्य लोगों को शामिल किया गया है, जो अधिक से अधिक योगदान देकर इस महाभियान को सफल बनाएंगे। सबसे अधिक योगदान देने वाले को आकर्षक उपहार दिया जाएगा।

उपचुनाव : भाजपा और सपा ने एक-दूसरे पर लगाये आरोप

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। यूपी की नौ विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिये बुधवार को मतदान के बीच सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के बीच जोरदार सियासी झड़प हुई। दोनों ही पार्टियों ने एक-दूसरे पर धांधली और गुंडागर्दी के आरोप लगाये।

सपा ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए भाजपा पर मतदान में धांधली का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकर्ता गुंडागर्दी कर रहे हैं। साथ ही साथ महिलाएं और पुरुष भी बुर्का पहनकर फर्जी मतदान कर रहे हैं। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि भाजपा उपचुनाव जीतने के लिए वोट के बजाय बेईमानी पर भरोसा कर रही है। उन्होंने दावा किया, कि हमने करहल, सीसामऊ, मीरापुर, कुंदरकी और फूलपुर, मझवां सहित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अनियमितताओं के बारे में शिकायतें दर्ज कराई हैं। इन शिकायतों के बावजूद ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग इन पर आंखें मूंदे हुए है। ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग की संवेदनाएं अब काम नहीं कर रही हैं। यादव ने आरोप लगाया, कि भाजपा इन उपचुनावों को वोट के जरिए नहीं बल्कि जोड़-तोड़ के जरिए जीतना चाहती है। हार के डर से भाजपा प्रशासन पर अनुचित तरीके से काम करने का दबाव बना रही है। उन्होंने कहा, कि मैं अपने मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे मतदान केंद्रों पर जाएं, सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कई बार और तब तक वहीं रहें जब तक वे अपना वोट न डाल दें। यह हमें दिया गया अधिकार है और हर किसी को इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा की पिछली शिकायतों के जवाब में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भी हवाला दिया और कहा कि निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि पुलिस किसी को नहीं रोक सकती, तलाशी नहीं ले सकती या पहचान पत्र नहीं देख सकती और इसके बावजूद, भाजपा बेईमानी का सहारा ले रही है क्योंकि उन्हें पता है कि वे जनता का समर्थन खो रहे हैं। यादव ने भाजपा पर अपने समर्थकों की उदासीनता की भरपाई के लिए विपक्षी मतदाताओं को मतदान करने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, कि उनके अपने ही कई लोग उनका विरोध कर रहे हैं। उनके मतदाता खिसक रहे हैं और यहां तक कि उनके खिलाफ मतदान भी कर रहे हैं। भाजपा हमारे समर्थकों को मतदान करने से रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है क्योंकि उनके अपने मतदाता मतदान करने नहीं आ रहे हैं। यादव ने जोर देकर कहा कि भाजपा की हताशा सत्ता पर उसकी पकड़ कमजोर होने का संकेत देती है। उन्होंने कहा, कि उनका सिंहासन हिल रहा है और वे घबराए हुए हैं क्योंकि जनता और उनके अंदरूनी गुट दोनों ही उनके खिलाफ हैं।

- सपा ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए भाजपा पर मतदान में धांधली का आरोप लगाया
- भाजपा ने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकर्ता गुंडागर्दी कर रहे हैं

यादव के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने सपा कार्यकर्ताओं पर उपचुनाव के दौरान गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सपा समर्थक बाहरी लोगों और असामाजिक तत्वों को लाकर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं तथा बुर्का पहनी महिलाएं फर्जी मतदान कर रही हैं। सिंह ने लखनऊ में प्रेस वार्ता में आरोप लगाया, कि पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा देने वाले अखिलेश यादव के लाल टोपी वाले गुंडे आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ना तो सरकार, ना ही भारतीय जनता पार्टी और ना ही उत्तर प्रदेश की जनता इसे बर्दाश्त करेगी। सिंह ने पुलिस से मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच न करने की मांग करने के लिए सपा की भी आलोचना की और उन पर चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने के लिए फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कि फर्जी मतदान समाजवादी पार्टी की पहचान बन गया है।

सुनीता चौधरी ने ली कांग्रेस की सदस्यता

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने ग्रहण करायी सदस्यता

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सीतापुर से जिला पंचायत सदस्य सुनीता चौधरी ने अपने समर्थकों के साथ बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के समक्ष कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सुनीता चौधरी के साथ आए हुए सभी लोगों के गले में कांग्रेस तिरंगा पट्टिका पहनाकर तथा पार्टी का सदस्यता कार्ड देकर विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया। सदस्यता ग्रहण के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, सांसद राकेश राठौर, सांसद तनुज पुनिया, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, दिनेश सिंह, प्रदेश महासचिव संगठन प्रभारी अनिल यादव, आदि मौजूद रहे। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से डॉ. राम प्रकाश, राजकुमार, अशोक कुमार, रिजवान अहमद, मयंक श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

आवासीय भूखंड व भवन में व्यावसायिक निर्माण की अनुमति देने की तैयारी

ट्रांसपोर्टनगर के भूखण्डों को फ्रीहोल्ड करने समेत दो दर्जन प्रस्तावों पर होगी चर्चा, चार दिसम्बर को प्रस्तावित है एलडीए बोर्ड की बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़क पर स्थित आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगे। इससे सम्बंधित प्रस्ताव को एक बार फिर लखनऊ विकास प्राधिकरण की बोर्ड में पुर्नविचार के लिए लाया जा रहा है। इस प्रस्ताव पर मुहर लगने पर बड़ी संख्या में अवैध निर्माण वैध हो जाएंगे। प्राधिकरण की बोर्ड बैठक चार दिसम्बर को प्रस्तावित है।

लंबे समय से फ्री होल्ड की मांग कर रहे ट्रांसपोर्टनगर के आवंटियों को भी राहत मिल सकती है। भूखण्डों को फ्री होल्ड करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसे मंजूरी मिलने पर करीब दो हजार आवंटियों को फायदा होगा। बोर्ड के एजेंडे में जानकीपुरम योजना में सीबीआई जांच में फंसे 177 भवन-भूखण्डों को शामिल किया गया है। एलडीए बोर्ड में प्राधिकरण का पुनरीक्षित बजट भी रखने की तैयारी है। इसके लिए लेखा विभाग ने प्रस्ताव तैयार कराया है। आवंटियों के भवनों भूखण्डों में त्रुटि बस कम जमा रकम पर साधारण ब्याज लेने का प्रस्ताव बैठक में रखा जाएगा।

कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में एलडीए की बोर्ड बैठक चार दिसम्बर को होनी है। दो दर्जन से अधिक प्रस्ताव एजेंडे में रखे गये हैं। इनमें नियोजन, लेखा, अभियंत्रण से सम्बंधित प्रस्तावों पर चर्चा होगी। आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक गतिविधियों होने पर प्रवर्तन की तरफ से कार्रवाई की जा रही है। इसे लेकर एलडीए उपाध्यक्ष के पास लोग पहुंच रहे थे। इस पर एक बार फिर यह प्रस्ताव बोर्ड के सामने पुर्नविचार के लिए लाया जा रहा है। इससे पहले दो बार यह प्रस्ताव लाया जा चुका है। बोर्ड से पास होने के बाद आवास विभाग को प्रस्ताव भेजा गया मगर वहां से अनुमति नहीं मिल सकी। एलडीए के प्रस्ताव के अनुसार आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक गतिविधियों को सशर्त अनुमति मिल सकेगी।

हालांकि केस टू केस आवेदनों को बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा। इसके लिए निर्धारित प्रभाव शुल्क की दर से दुगुना शुल्क देना होगा। विकास प्राधिकरण की योजनाओं में महायोजना-2031 के जोनिंग रेगुलेशन्स के अन्तर्गत सामुदायिक, व्यवसायिक एवं कार्यालय उपयोग की अनुमति मिल सकेगी।

लेकिन इसके लिए जोनिंग रेगुलेशन की समस्त अपेक्षायें पूरी करनी होगी। साथ ही प्रभाव शुल्क की दर से, दुगनी दर लेते हुए एवं अन्य सभी शुल्कों/शर्तों के साथ प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। परन्तु इसमें कुछ बड़ी व्यवसायिक गतिविधियों के लिए अनुमति नहीं दी जायेगी। 24 मीटर व इससे अधिक चौड़े मार्गों पर ही इसकी अनुमति होगी। जानकीपुरम योजना में भूखण्ड आवंटन घोटाले से प्रभावित आवंटियों को बड़ी राहत मिल सकती है। लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने 177 भूखण्डों की जांच की अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। अब सीबीआई कार्यालय से भूखण्डों की पत्रावलियां लेकर परीक्षण कराया जाएगा। जिन मामलों में कोई धनराशि बकाया नहीं होगी। उन भूखण्ड को फ्री होल्ड करने के प्रस्ताव पर फैसला होगा।

आईटी सिटी में निजी विकासकर्ता के माध्यम से भूमि जुटायेगा एलडीए

सुल्तानपुर रोड पर प्रस्तावित आईटी सिटी योजना के लिए 218 हेक्टेयर जमीन आपसी सहमति के आधार पर एलडीए खरीदेगा। इसी तरह वेलनेस सिटी में भी 127 एकड़ जमीन आपसी सहमति से खरीदने का प्रस्ताव है। आईटी सिटी योजना की 1700 एकड़ भूमि में से 50 प्रतिशत अविकसित भूमि बिल्डरों व डेवलपर्स को दी जाएगी। यह किसानों को उनकी जमीन का बाजार की दर पर मुआवजा देंगे।

बोर्ड में ये प्रस्ताव भी रखे जा रहे

लखनऊ विकास प्राधिकरण में आउट सोर्सिंग के माध्यम से अवर अभियंता रखे जाएंगे। अपार्टमेंट की तर्ज पर एलडीए के काम्प्लेक्स में भी अनुरक्षण शुल्क वसूलने, अकबर नगर, भीखमपुर, बटलर पैलेस से विस्थापित लोगों को पीएम आवास बिना ब्याज के 10 वर्ष की किश्तों पर देने तथा सिटी लाजिस्टिक प्लान को मंजूरी मिलने समेत कई अन्य प्रस्ताव शामिल हैं।

दो हजार बिजली फीडर पर लाइन लॉस पचास फीसद से अधिक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिजली विभाग में अब मीटर रिडर प्रत्येक फीडर पर कितने बिजली कनेक्शन है और कितना लाईन लॉस है इसकी जानकारी रखेगें। जिस फीडर पर 50 फीसद से ज्यादा बिजली चोरी या लाईन लॉस होगा वहां पर अधिकारी को ठीक करना पड़ेगा।

ग्रामीण फीडरो पर 80 फीसद से भी ज्यादा लाईन लॉस है जिसको इस माह के अंत तक किसी भी हाल में ठीक किया जाय। मध्यांचल के 19 जिलो में लगभग 2 हजार फीडरो पर 50 फीसद से ज्यादा लाईन लॉस है। 2 हजार पर नार्मल लाईन लॉस पर है। जबकी सभी फीडरो की संख्या 42 सौ के करीब है। जबकी नार्मल लाईन लॉस 33 प्रतिशत से ज्यादा किसी भी फीडर पर नही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिशासी अभियंता यह तक कर ले कि इस माह के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक लाईन लॉस वाले फीडरो पर से लाईन लॉस कम करने के लिए अभी से तैयारी कर कार्य शुरु कर देना चाहिए।

बसों को जर्जर कर रहीं खराब सड़कें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हजारों की संख्या में बसें यात्रियों को पहुंचाने का कार्य कर रही है। कुछ जिलों में पुरानी बस तो किसी जिले में नई बस चलेगी। जिन गांवों की सड़के जर्जर है और खराब है वहां पर भी बस जाती है लेकिन गांव की सड़क खराब होने के कारण बस जर्जर हो जाती है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के आकड़ो के मुताबिक प्रतिवर्ष 362 बस गांव में चलती है तो जर्जर हो जाती है। इतनी ज्यादा संख्या में बस जर्जर होने पर गांव के रुट में पुरानी बसों को ही लगाया जाता है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के बेड़े में जल्द ही एक हजार से अधिक बस और चलाने के लिए प्रस्ताव तैयार हो गया है। प्रस्ताव पास होने पर जल्द ही जिस गांव में बस नही चलती है वहां भी बसों को चलाया जायेगा। वर्तमान में पांच जिले ऐसे है जिनके कुछ गांवों में बस नही चलती है। बस नही चलने से गांव के लोग शहर तक नही आ पाते है। परिवहन निगम के प्रबंधन ने माना है कि सड़के खराब होने के कारण प्रतिवर्ष चार करोड़ का नुकसान विभाग को होता है। विभाग बसों में पार्ट के खराब होने पर उसे बार-बार बदलता है।

जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित हो रही राष्ट्रीय स्तर की गुलाब वाटिका

देश के सर्वश्रेष्ठ रोज गार्डेन में होगी शुमार, गेट पर बनाये जायेंगे गजीबों, 4 एकड़ क्षेत्रफल में राष्ट्रीय स्तर की गुलाब वाटिका विकसित की गयी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित की गयी गुलाब वाटिका जल्द ही देश के सर्वश्रेष्ठ रोज गार्डेन में शुमार होगी। इसके लिए वाटिका में गुलाब की 1500 से अधिक देशी-विदेशी प्रजातियों के पौधे लगाये जाएंगे, जोकि देश में गुलाब की अलग-अलग किस्मों का सबसे बड़ा कलेक्शन होगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बुधवार को रोज गार्डेन का निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को उच्चीकृत करने के निर्देश दिये हैं।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जनेश्वर मिश्र पार्क में गेट नंबर-6 के पास लगभग 04 एकड़ क्षेत्रफल में राष्ट्रीय स्तर की गुलाब वाटिका विकसित की गयी है। वर्तमान में यहां गुलाब की एक हजार से अधिक देसी व विदेशी प्रजातियों के पौधे लगे हैं। इसमें एक तरफ विदेशी प्रजाति के पौधे रोपित किये गये हैं, वहीं दूसरी तरफ देसी प्रजाति (डोमेशियाना) के पौधे लगाये गये हैं, जिससे वाटिका में भ्रमण करने वाले लोगों को गुलाब की सुंगध मिलती रहे। अब यहां पौधों की संख्या में बढ़ोत्तरी करते हुए गुलाब की 1500 से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाये जाएंगे, जिससे देश भर के सभी रोज गार्डेन में गुलाब का सबसे बड़ा कलेक्शन लखनऊ में होगा। साथ ही वाटिका में सुविधाओं को उच्चीकृत करते हुए हॉर्टीकल्चर के आकर्षक कार्य कराये जाएंगे, जिससे गार्डेन की सुंदरता और अधिक बढ़ जाएगी। इस क्रम में गार्डेन के इंट्री व एक्जिट प्वाइंट्स पर गजीबो बनाये जाएंगे। पाथ-वे के किनारे आकर्षक डिजाइन की बेंच लगाकर सुरक्षा के लिए फेन्सिंग करायी जाएगी। इसके अलावा फसाड लाइटों का कार्य कराया जाएगा, जिसकी रोशनी

गुलाब के फूलों की रंगत बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि बच्चों व युवाओं को गुलाब वाटिका से जोड़ने के लिए जनेश्वर मिश्र पार्क में रोज फेस्टिवल का आयोजन कराया जाएगा। जिसके लिए सम्बंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

दिसम्बर माह में तैयार हो जायेगा पम्पिंग स्टेशन

उपाध्यक्ष ने जनेश्वर मिश्र पार्क व जी-20 रोड के मध्य निर्मित किये जा रहे पम्पिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इसमें अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि 09 करोड़ रुपए की लागत से 400 किलोलीटर क्षमता का पम्पिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। इसमें सिविल कार्य काफी हद तक पूरा हो गया है और पम्पिंग स्टेशन में लगाये जाने वाले उपकरण भी आ गये हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने दिसम्बर, 2024 तक कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जॉगर्स पार्कः ठेकेदार पर 2 लाख का जुर्माना

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बसन्तकुंज योजना स्थित जॉगर्स पार्क का भी निरीक्षण किया। पार्क में हॉर्टीकल्चर व अनुरक्षण का कार्य संतोषजनक न मिलने पर उपाध्यक्ष ने कार्यदायी संस्था मेसर्स श्री साईं शक्ति पर 02 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि टॉयलेट ब्लॉक व बाउन्ड्रीवॉल आदि की मरम्मत व रंगाई पुताई, हॉर्टीकल्चर, साइनेज बोर्ड व विद्युत सम्बंधी कार्यों का एस्टिमेट तैयार कराकर तत्काल कार्य शुरू करवाया जाए। इसके अलावा पार्क में पुराने टूटे हुए झूलों को बदलने के साथ ओपन जिम विकसित किया जाए। निरीक्षण में सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, मुख्य अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह समेत सम्बंधित जोनल अधिकारी व अभियंता गण उपस्थित रहे।

पछुआ हवाओं से बढ़ी सर्दी

रात का तापमान 11.8 डिग्री तक पहुंचा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश में पछुआ हवा और कोहरे से मौसम में ठंड का असर बढ़ने लगा है। राजधानी लखनऊ समेत अधिकांश इलाकों में बुधवार को दिन और रात दोनों के तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट रही। बुधवार को अधिकांश इलाकों में स्मॉग की वजह से सुबह दृश्यता कम रही तो धूप देर से निकली।

वहीं, लखनऊ में बुधवार की रात भी 11.8 डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आने वाले एक सप्ताह में ठंड और बढ़ेगी। सुबह और शाम को कोहरे की दस्तक रह सकती है। राजधानी में बुधवार को सुबह धुंध छाई रही जैसे जैसे दिन निकला, आसमान साफ हुआ। दोपहर में धूप निकली। इसके चलते ठंड का असर थोड़ा कम रहा लेकिन शाम होते ही एक बार फिर से सर्दी बढ़ गई। लोग अब गरम कपड़ों में ही घर से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि कोहरे की चादर और घनी हो सकती है।

रात के तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अभी गुरुवार और शुक्रवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में मध्यम से घने कोहरे का असर देखने को मिलेगा। शनिवार से तेज रफ्तार पछुआ के असर से प्रदेश में धुंध और कोहरे के छंटने के आसार हैं। मंगलवार और बुधवार को कानपुर में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई तो वहीं राजधानी लखनऊ में दृश्यता 50 मीटर से भी कम देखने को मिली। बहराइच, मुरादाबाद आदि में भी 50 मीटर तक दृश्यता रही। पश्चिमी यूपी के कई इलाकों में रात का तापमान 11 से 13 डिग्री के बीच तक आ गया। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को इस सीजन की सबसे सर्द रात रही।

शाम से ही तापमान में गिरावट शुरू होने के बाद यहां रात में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दिन के तापमान में भी 3 डिग्री सेल्सियस के आसपास गिरावट रही। लखनऊ में भी अगले दो दिनों तक मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा और धूप देर से होगी। मौसम विभाग के मुताबिक पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ने से मैदानी इलाकों में सर्दी का असर शुरू हो गया है।

ई-बसों में माननीय नहीं कर सकेंगे मुफ्त यात्रा

समरेश पति त्रिपाठी

लखनऊ। शहर में दर्जन भर से ज्यादा ई-बसे चल रही है जबकी लगभग सौ से ज्यादा बसे और चलने के लिए तैयार है। लेकिन इन बसों में मात्र पैसा देकर ही यात्रा किया जा सकता है। पहले की तरह किसी को भी किसी भी पास दिखाकर चलने की अनुमति नही दिया गया है। यहां तक की राज्य सभा सदस्य से लेकर विधायक भी इस बसे में मुफ्त का सफर नही कर सकेगें।

लखनऊ समेत यूपी के 14 शहरों में जल्द चलने वाली 700 एसी इलेक्ट्रिक बसों में किसी भी तरह का पास मान्य नहीं होगा। पूर्व से सात शहरों में चल रही 300 इलेक्ट्रिक बसों में भी पास नहीं चलेगा। एमएसटी और स्टाफ को भी मुफ्त सफर कराने की मनाही है। सिटी ट्रांसपोर्ट आरके त्रिपाठी ने बताया कि एसी इलेक्ट्रिक बसों के बजाए सिर्फ सीएनजी बसों में पास मान्य होगा। सीएनजी बसों में पास दिखाकर मुफ्त यात्रा के पात्र लोग सफर कर सकेंगे। सीएनजी में एमएसटी भी चलेगी। ई-बसों में दिव्यांग को भी इस बस के अन्दर पैसा लेकर यात्रा करनी पड़ेगी। क्षेत्रिय निदेशक ने बताया कि अभी इस नियम को लागू किया गया है इसके बाद देखा जायेगा की इसका परिणाम क्या होगा इसके आधार पर आगे की सोचा जायेगा।

सरकारी अवकाश होने पर भी अधिकारी आ रहे हैं ऑफिस

लखनऊ। कार्यालय बंद, लेकिन जरुरी कार्य के नाम पर अधिकारी और बाबू कार्यालय को खुलवाकर कार्य कर रहे है। ऐसे में भूले भटके उपभोक्ता पहुंच जाये तो उनसे कहा जाता है कि आज कार्यालय बंद है। जबकि कार्यालय खुलने पर उपभोक्ता का कार्य भी होना चाहिए। सरकारी नियमो के तहत अवकाश के दिन कोई कार्य अधिकारी द्वारा नही किया जाना चाहिए। बिजली विभाग का ज्यादातर कार्यालय अवकाश के दिन भी खुल रहे है। कार्यालय खोलकर अधिकारी अपना जरुरी कार्य निपटा रहे है। अधिकारियों का कहना है कि बहुत से ऐसे कार्य है जो समय पर नही हो पाते है ऐसे में अवकाश के दिन कार्यालय को खोलकर कार्य किया जा रहा है। जबकी उपभोक्ता कार्यालय आ जाता है तो उसको बताया जाता है कि अवकाश के दिन सिर्फ विभागीय कार्य होगा उपभोक्ता का कोई भी कार्य नही किया जायेगा। चन्दरनगर, आशियाना, राजभवन, दुबग्गा, सरोसा भरोसा, ठाकुरगंज, नारदरगंज, वृंदावन सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली का कार्यालय अवकाश के दिन भी खुल रहा है।

लाइसेंसी शस्त्र शहर से बाहर तो थाने में देना होगा लिखित

लखनऊ। चुनाव में शस्त्र जमा करने के लिए थाने से फोन जा रहा है लेकिन फिर भी शस्त्र धारक अपना शस्त्र नही जमा कर रहे है। कितने तो ऐसे है जो चुनाव के माहौल में शस्त्र रखने का परमिशन भी ले लेते है। ऐसे में डीएम अभिषेक प्रकाश ने निर्देश दिया है कि जल्द से जल्द शस्त्र से जुड़े मामले को थाने से निपटाया जाय। शहर में लगभग 10 हजार से अधिक लाइसेंस धारक है। जिनको चुनाव से पहले शस्त्र को जमा करने का निर्देश दिया है। डीएम ने पहले ही निर्देश दिया है कि किसी भी हाल में शस्त्र को थाने में जमा किया जाना चाहिए। शस्त्र धारक चाहे तो वह शस्त्र के दुकान पर भी जमा कर रसीद थाने में दिखा सकता है।

एसबीएम 2.0 के सभी कार्य मार्च तक शुरू हो जायें : रूपा मिश्रा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की प्रत्येक परियोजना को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक जमीनी स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। विश्व शौचालय दिवस पर शुरू हुए 5 सप्ताह के 'क्लीन टॉयलेट' अभियान में कार्य करते हुए शौचालयों को विश्वस्तरीय बनाया जाय।

इस दौरान सभी शौचालयों को स्वच्छ बनाते हुए अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना है। पुराने क्षतिग्रस्त शौचालय की मरम्मत करायी जाये। स्वच्छ के प्रति लोगों का जुड़ाव और एसएचजी के सहयोग से संचालन और सुधार पर कार्य किया जाय। यह बात रूपा मिश्रा जेएस महुआ ने बुधवार को विश्व शौचालय दिवस पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला में कही। कार्यशाला के दूसरे दिन सत्र के दौरान सामने आए कुछ बिंदुओं पर संबोधित करते हुए कहा कि मिशन के संचालन के लिए तकनीकी और प्रबंधकीय दृष्टिकोण दोनों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है। किसी भी तकनीक को चुनने से पहले हमें स्थानीय परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना है। उन्होंने कहा कि मानकीकरण, डीपीआर और कुछ चीजों को स्थिर करने के मामले में स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिये। कुछ चीजों को स्थानीय निकायों पर नहीं छोड़ना चाहिए जो क्षमता के साथ संघर्ष करते हैं। जिनमें से कई नियमित निष्पादन भी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक एसबीएम 2.0 की प्रत्येक परियोजना को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक जमीनी स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। शहरी भारत में काम करते हुए हम जल प्रबंधन और जल संसाधनों में काम कर रहे हैं। अधिकांश राज्यों ने पूर्वाग्रह परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली को डेटा की रिपोर्ट नहीं दी है, भूमि आवंटन निविदा निष्पादन से लेकर आपके कई बिलों में सभी ऐसे पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इस मॉड्यूल को बेहतर बनाने के लिए आपके सुझाव से हम सीखते हैं और सुधार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम कचरे से गैस, बिजली, जल प्रबंधन और छोटे शहरों के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निधियों का एक कोष है। जिससे आप शहरी बुनियादी ढांचे के लिए फंड ले सकते हैं। पहले, इसके लिए चार किस्तें थीं। हम आपकी वास्तविक खपत या उपयोग और वृद्धि के बावजूद अगली किस्त जारी करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से हर साल इस तरह की कार्यशाला करने की कोशिश की है। जिससे लगभग 85% नियोजन पूरा कर लिया है। इसलिए अगले 24 महीनों में राज्यवार और क्षेत्रवार इस तरह की बैठकें करनी होंगी। जिससे बड़ी संख्या में इंजीनियर और राज्य के अधिकारी शामिल होकर आपने शहरों को अच्छे शहरों की सूची में स्थापित करते हुए फील्ड रिसर्च करें। दूसरे दिन की कार्यशाला में नियोजन और डीपीआर तैयार करने के अनुभव साझा करने का सुझाव दिया गया। जिसमें उन्होंने उपयोग किए गए जल प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण और राज्यों की ओर से डीपीआर तैयार करने की स्थिति के बारे में जानकारी दी। कार्यान्वयन एजेंसी की खरीद और प्रगति की निगरानी के सत्र की शुरूआत डॉ. वी. के. चौरसिया, सलाहकार, सीपीएचईईओ ने की। विभिन्न शहरों की ओर से उपचारित सीवेज का पुनः उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। निदेशक नगरीय निकाय अनुज कुमार झा ने जॉइंट सेक्रेटरी महुआ और मिशन निदेशक को मोमेंटो भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। निदेशक महुआ अनीता मीणा को लखनऊ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने और देश भर से आये सभी विशेषज्ञों को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

अब कोल्ड फॉगिंग करायेगा नगर निगम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नेशनल सेन्टर फॉर वेक्टर बॉर्न डिजीज कन्ट्रोल, भारत सरकार की ओर शहर में थर्मल फॉगिंग के स्थान पर कोल्ड फॉग, यूएलवी का प्रयोग स्पेस स्प्रे किये जाने के लिए सुझाव दिया गया है।

जिसके तहत अब नगर निगम क्षेत्र में भी कोल्ड फॉगिंग का इस्तेमाल किया जाएगा। शहर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने तथा सुबह व शाम का तापमान कम होने के कारण थर्मल फॉग का प्रयोग किया जाना उचित नहीं है। इसलिए थर्मल फॉग के स्थान पर कोल्ड फॉग, यूएलवी का स्पेस स्प्रे तथा एंटीलार्वा छिड़काव के निर्देश नगर स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से दिए गए हैं।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

पिता का पार्टनर ही निकला बेटी का कातिल

सदमे में युवक ने दम तोड़ा, सुसाइड की आशंका

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में बीते सोमवार को हुई किशोरी की हत्या पिता के बिजनेस पार्टनर ने की थी। पुलिस ने बुधवार को हत्या का खुलासा करते हुए एक आरोपी पिता के बिजनेस पार्टनर को गिरफ्तार कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि

- गोसाईंगंज पुलिस ने किया किशोरी हत्या का खुलासा
- आरोपी किशोरी को मुंबई भगा ले जाने की फिराक था

आरोपी के साथ किशोरी ने जाने से मना किया तो गमछे से गला कसकर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार बीते सोमवार को थाना क्षेत्रान्तर्गत इन्दिरा नहर पटरी ग्राम भटवारा में एक नाबालिग किशोरी (17) का शव बरामद हुआ था। मृतका के गले में चारों तरफ चोट के निशान थे। मृतका की हत्या के सम्बन्ध में पिता सनीफ निवासी ग्राम भटवारा थाना गोसाईगंज द्वारा अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस मामले के खुलासे के लिए सर्विलांस सेल के साथ तीन टीमो का गठन किया। जिसके बाद पुलिस को मौके से मिले सबूत व अन्य सुरागों के आधार पर मृतका के पिता के दोस्त व बिजनेस पार्टनर मो. अजीज को गिरफ्तार कर पूछताछ की जिस दौरान उसने अपना जुर्म कबूला। पुलिस ने हत्या में प्रयोग गमछा बरामद करने के साथ आरोपी को जेल भेज दिया।

जानवर खरीद फरोख्त का करता था बिजनेस : आरोपी मो. अजीज मृतका के पिता सनीफ के साथ मिलकर जानवरों की खरीद-फरोख्त का काम करते थे। सनीफ अपने घर में जानवरों को रखते थे और उनकी देखरेख करते थे। सनीफ की अनुपस्थिति में मो. अजीज उनके घर पर रहकर जानवरों की देखरेख करता था। इसी दौरान अभियुक्त मो० अजीज की जान पहचान सनीफ की पुत्री से हो गयी थी और दोनों आपस में बातचीत करने लगे थे।

आरोपी भगा कर शादी करना चाहता था : पुलिस नर बताया कि आरोपी मो० अजीज शादीशुदा था जिसके दो बच्चे थे। अभियुक्त की पत्नी मानसिक रूप से अस्वस्थ थी, जिसका इलाज चलता था। आरोपी अपने मित्र सनीफ की पुत्री से अत्यधिक प्रेम करने लगा था। वह सनीफ की पुत्री को भगा ले जाकर उससे शादी करना चाहता था। पुलिस के द्वारा पूछताछ में आरोपी ने कहायह बताया गया कि पिछले एक महीने से मृतका उससे ठीक से बात नहीं कर रही थी और उसे शंका थी कि मृतका किसी और से बात करने लगी थी। जिसे लेकर आरोपी ने उसे नहर पटरी पर बुलाया उसे साथ चलने को कहा किशोरी ने बना किया तो गमछे से गला कसकर हत्या कर दी।

संवाददाता (vol)

माल ,लखनऊ। सूत्रों के अनुसार कस्बा माल निवासी मंजूरी गुप्ता(52) परिवारी कलह से तंग आकर मौत को गले लगा लिया। बताया जाता है कि मंजूरी ने बड़ी रकम अरसा पहले अपनी सास को उधारी के तौर पर दिया था। जब मंजूरी ने कुछ माह पूर्व अपनी मुसीबत में सास से अपने रुपए वापस मांगे तो उसने पैसे देने से इनकार कर दिया। इस पर मंजूरी और सास के बीच कहा सुनी हो गयी।

इसके बाद पत्नी भी दोनों बच्चों को लेकर मायके चली गयी। जिससे मंजूरी मायूस और सदमे में रहने लगा। मंजूरी अपने घर में तनहा रहता था। सूत्रों ने बताया कि विवाद से नाराज सास ने मंजूरी के विरुद्ध पुलिस में कोई शिकायत भी की है जिससे पुलिस मंजूरी की तलाश कर रही थी, इन्हीं कारणों के चलते मंजूरी ने यह कदम उठाया। जिससे मंजूरी की सुबह लगभग नौ से दस बजे के बीच मंजूरी की मौत हो गयी थी।मंजूरी का भाई गुड्डू पंजाब के जालंधर शहर में जलेबी की दुकान चलाता है। जिससे मंजूरी को या तो सदमा लगा हैं या फिर दिल का दौरा पड़ने से या धनाभाव में उसने मौत का रास्ता चुना और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस को घटना की जानकारी ही नहीं है जिससे मौत का खुलासा संभव नहीं हो पायेगा।

बंथरा में आज रुक-रुक कर चलेंगे वाहन

लखनऊ। कानपुर हाईवे पर गुरुवार को बंथरा और जुनाबगंज में ट्रैफिक रुक-रुक कर चलेगा। एलिवेटेड रोड निर्माण के कारण सुबह 11:30 से शाम 4:30 बजे तक पिलर नंबर 140 पर बीम को उतारने का कार्य किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने की अपील की है। कामर्शियल वाहन सड़क पर लगने से जाम लग जायेगी। इसके लिए रोड का निर्माण कार्य कर रहे कर्मचारियों को भी सड़क पर सुरक्षा करने के लिए निर्देश दिया गया है। ऐसे में अलग सड़क से भी जाने के लिए डायर्वजन करने की व्यवस्था किया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में बुधवार को ट्रेन की चपेट के आने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। इंस्पेक्टर अंजनी मिश्रा ने बताया कि सौनाई कजेहरा गांव की रहने वाली सरस्वती (35) सुबह गांव से बाहर रेलवे लाइन की पार करके जा रही थी तभी ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बेटा आकाश ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार थी अक्सर आसपास घूमा करती थी। बुधवार को भी वह गांव से दूर रेलवे लाइन की ओर चली गई जिसके कारण ट्रेन की चपेट में आ गई।

सूचना

सूचित हो कि मेरा पूर्व में नाम राज आर्यन जसवानी था जिसे बदलकर राज जसवानी कर दिया है। अब से मेरा नाम राज जसवानी (RAJ JASWANI) लिखा, पढ़ा व समझा जाये। **राज जसवानी पुत्र श्री संजय कुमार जसवानी नि- 72 प्रेमनगर, सीतापुर तहसील व जिला सीतापुर उ.प्र.।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि टाइम सिटी मल्टी स्टेट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड का पंजीकृत कार्यालय 1/32, विनम्र खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश -226010 है। इस अतिरिक्त सोसाइटी का कोई अन्य कार्यालय नहीं है। सोसाइटी के पंजीकृत कार्यालय के अतिरिक्त अन्य कार्यालय पर किये गए पत्राचार अवैध माने जायेंगे। **कृते टाइम सिटी मल्टी स्टेट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड- पंजीकृत कार्यालय 1/32, विनम्र खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ -226010**

महिला की स्कूटी से पर्स चोरी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता (vol)

लखनऊ। मानक नगर थाना क्षेत्र के दीपावली पूजा सामग्री खरीदारी के दौरान चोरो ने एक महिला कर्मचारी की स्कूटी से उसका पर्स चोरी कर लिया था जिसकी शिकायत महिला कर्मचारी ने मानक नगर पुलिस से की थी जिसपर पुलिस तीन सप्ताह तक

- महिला को तीन सप्ताह टरकाती रही पुलिस, अंत में दर्ज किया मुकदमा
- पर्स में 2 हजार नगद, मोबाइल फोन,एफडी आदि थे

जाँच के नाम पर महिला को टरकाती रही लेकिन महिला मुकदमा दर्ज कराने को अड़ी रही अंततः पुलिस को हार मान मंगलवार को महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करना पड़ा।

गोमती नगर राजकीय निर्माण निगम में वरिष्ठ लेखाकार के पद पर कार्यरत महिला कर्मी सुमन यादव पत्नी स्व शिव दयाल यादव की लिखित शिकायत के मुताबिक वह बीते 29 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे अपनी स्कूटी से अपने ऑफिस से घर लौट रही थी इस दौरान रामनगर में स्थित ब्रजवासी बेकरी के पास रुक एक दुकान से पूजा सामग्री की खरीदारी करने लगी इस दौरान भीड़ का लाभ उठाकर उनके स्कूटी से किसी ने उनका पर्स पार कर दिया जिसमे दो हजार रुपए नगद, ऑफिस की चाभी, दो चांदी के सिक्के, दो मोबाईल फोन, बैंक पासबुक उनकी बेटी का बैंक पासबुक, एफडी गाडी के दस्तावेज एवं उनके आधार पैन आदि दस्तावेज रखे हुए थे। महिला कर्मी स्थानीय मानक नगर थाने की पुलिस चौकी पहुँच चोरी के घटना की जानकारी देते हुए पुलिसकर्मियों को लिखित शिकायत की लेकिन पुलिसकर्मी उसे जाँच के नाम पर टहलाते रहे और थाने पुलिस चौकी के चक्कर कटवाते रहे अंततः तीन सप्ताह बाद मानक पुलिस को चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज करना पड़ा। मानक नगर थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि पीडिता की शिकायत पर चोरी के धारा में मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही है।

युवक की बाइक चोरों ने पार की , मुकदमा दर्ज

लखनऊ। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके मे घूम रहे बेखौफ चोरों ने थाना क्षेत्र स्थित सहसेवीर मंदिर से एक युवक की बाइक पार कर दिया । कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित सिन्धु नगर निवासी रेनू यादव पत्नी संजय यादव के अनुसार उनके पति संजय यादव ब्लाइनकिट नामक कम्पनी मे काम करते है । बीते 18 नवम्बर की रात्रि करीब 10.30 बजे उसके पति पानी के टंकी के पास सहसेवीर मन्दिर पर अपनी बाइक संख्या यूपी 32 डी आर 5133 को खडी किया था जिसमे लाक नही लगता है। जिसे चोरों ने पार कर दिया जिसकी जानकारी होने पर उन्होंने खोजबीन करने के बाद स्थानीय कृष्णा नगर थाने मे शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीडित की पत्नी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

एसटीएफ ने फर्जी कागज से लोन लेने वाले चार को दबोचा

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने फर्जी दस्तावेज से बैंक और हाउसिंग लोन कंपनियों से धोखाधड़ी करने वाले चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी आधार कार्ड पर अलग-अलग लोगों की फोटो लगाकर कई बैंकों से करोड़ों की ठगी कर चुके हैं।

आरोपियों की पहचान दुबग्गा के रहने वाले आरिफ पुत्र मोहम्मद उमर, में मिले फर्जी कागज व दस्तावेज के आधार पर मंगलवार रात करीब 10.30 बजे पिकअप भवन विभूतिखंड के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जमीन की रजिस्ट्री : पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ठगी करने के लिए प्रॉपर्टी के फर्जी कागज, फर्जी पैन व आधार कार्ड बनवाकर अलग-अलग व्यक्तियों की फोटो बदलकर, फर्जी लोगों को खड़ा करके बैंक आफ महाराष्ट्र, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, यूको कर्मचारियों से मिलकर लोन पास करा लेते। ठगी के पैसों को आपस मे बांट लेते। लोन से मिले पैसों से कुछ समय किस्त देते। जिससे बैंक को शक न हो और नए फर्जी लोन आसानी से करा सकें। कुछ समय बाद किश्त देना बंद करके गायब हो जाते **।कमाए 5 करोड़**

बैंक और हाउसिंग लोन कंपनियों के सर्वेयर व कर्मचारियों के साथ मिलकर लोन पास करा लेते। जिसे आपस में बांट लेते थे। यूपी एसटीएफ को लंबे समय से लखनऊ में फर्जी दस्तावेज लगाकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह की शिकायत मिल रही थी। इसके बाद टीम गठित की गई। एसटीएफ ने साक्ष्य

मॉडल हाउस अमीनाबाद का रहने वाले वासिल पुत्र मोहम्मद आरिफ, महमूदाबाद सीतापुर के रहने वाले शिव प्रताप सिंह पुत्र सूरज बली सिंह और आलमबाग के रहने वाले अर्पित श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय विनोद कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई।

फर्जी लोगों के नाम कराते बैंक व अन्य बैंकों में खाता खुलवाते। फर्जी खरीदार खड़ाकर जमीन की रजिस्ट्री कराते। उसी रजिस्ट्री के आधार पर होम फर्स्ट, पिरामल, गृह शक्ति हाउसिंग, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस, किप्स हाउसिंग फाइनेंस आदि में होम लोन अप्लाई कराते। हाउसिंग लोन कंपनियों तथा बैंकों के सर्वेयर व

: आरोपी अब तक करीब 25-30 फर्जी तरीके से होम लोन करा चुके हैं। जिसमें होम फर्स्ट हाउसिंग से लगभग 18 फाइलें, पिरामल फाइनेंस से लगभग 10, गृह शक्ति व किप्स हाउसिंग फाइनेंस से लगभग 5 लोन करा चुके है। अब तक लगभग 5 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी कर चुके हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत अदलीसपुर विकास खण्ड धौरहरा जिला-खीरी

पत्रांक /मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2024-25/ दिनांक- 20.11.2024

अल्पकालीन निविदा

मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अदलीसपुर के कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 में निम्न निर्माण हेतु पी.डब्लू.डी. की दरों पर केवल सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत स्थानीय फर्म जिनका आयकर वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो से मोहर बन्द निविदा दिनांक 28.11.2024 अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	सामग्री का नाम मात्रा					
		बालू	प्रथम श्रेणी ईटा	रोड़ा 40 एम.एम.	इण्टरलाकिंग टायल्स	सीमेन्ट बैग	मौरंग
1	त्रिजुगी के घर से श्यामलाल के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	24.75 घन मी.	11426 नग	49.5 घन मी.	19600 नग	177 बैग	7.85 घन मी.

नियम शर्तः-

1. निविदा फर्म उससे सम्बन्धित निर्देश ग्राम पंचायत अदलीसपुर के कार्यालय में 21.11.2024 से 28.11.2024 तक रुपए मुल्य 200.00 नगद जमा करके अपरान्ह 02:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्राप्त कर ग्राम पंचायत अदलीसपुर के कार्यालय में मोहर बन्द लिफाफे की निविदा प्रपत्र 21.11.2024 से दिनांक 28.11.2024 को समय 02:00 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में टेण्डर बाक्स में सील बन्द टेण्डर डाले जायेंगे तथा डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते है। निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी ।
3. प्राप्त टेण्डर को ग्राम पंचायत अदलीसपुर के द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 28.11.2024 को समय 4:00 बजे दिन में सार्वजनिक रूप से खोले जायेंगे।
4. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित दरों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्दर कोई अन्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा।
5. ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यकतानुसार सामग्री की मांग करने पर तत्काल सामग्री कार्य स्थल पर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा मानक के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराना तथा मार्का ब्राण्ड भी उल्लखित कराना होगा सामग्री मानक के अनुसार आपूर्ति न करने अथवा कमी पाये जाने पर बिना नोटिस के निविदा निरस्त कर दी जायेगी ।
7. किसी एक निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी में निहित होगा।
8. किसी भी वाद विवाद की दशा में जनपद न्यायलय खीरी ही मान्य होगा।

उद्देश्य
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत अदलीसपुर
विकास खण्ड धौरहरा

धीरज
ग्रा.पं.वि. अधिकारी
ग्राम पंचायत अदलीसपुर
विकास खण्ड धौरहरा

कार्यालय ग्राम पंचायत देवीपुरवा विकास खण्ड धौरहरा जिला-खीरी

पत्रांक /मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2024-25/ दिनांक- 20.11.2024

अल्पकालीन निविदा

मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवीपुरवा के कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 में निम्न निर्माण हेतु पी.डब्लू.डी. की दरों पर केवल सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत स्थानीय फर्म जिनका आयकर वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो से मोहर बन्द निविदा दिनांक 28.11.2024 अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	सामग्री का नाम मात्रा					
		बालू	प्रथम श्रेणी ईटा	रोड़ा 40 एम.एम.	इण्टरलाकिंग टायल्स	सीमेन्ट बैग	मौरंग
1	डामर रोड से बचनू के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	17.36 घन मी.	5999 नग	34.73 घन मी.	10500 नग	113 बैग	4.12 घन मी.

नियम शर्तः-

1. निविदा फर्म उससे सम्बन्धित निर्देश ग्राम पंचायत देवीपुरवा के कार्यालय में 21.11.2024 से 28.11.2024 तक रुपए मुल्य 200.00 नगद जमा करके अपरान्ह 02:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्राप्त कर ग्राम पंचायत देवीपुरवा के कार्यालय में मोहर बन्द लिफाफे की निविदा प्रपत्र 21.11.2024 से दिनांक 28.11.2024 को समय 02:00 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में टेण्डर बाक्स में सील बन्द टेण्डर डाले जायेंगे तथा डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते है। निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी ।
3. प्राप्त टेण्डर को ग्राम पंचायत देवीपुरवा के द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 28.11.2024 को समय 4:00 बजे दिन में सार्वजनिक रूप से खोले जायेंगे।
4. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित दरों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्दर कोई अन्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा।
5. ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यकतानुसार सामग्री की मांग करने पर तत्काल सामग्री कार्य स्थल पर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा मानक के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराना तथा मार्का ब्राण्ड भी उल्लखित कराना होगा सामग्री मानक के अनुसार आपूर्ति न करने अथवा कमी पाये जाने पर बिना नोटिस के निविदा निरस्त कर दी जायेगी ।
7. किसी एक निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी में निहित होगा।
8. किसी भी वाद विवाद की दशा में जनपद न्यायलय खीरी ही मान्य होगा।

वीरेन्द्र वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत देवीपुरवा
विकास खण्ड धौरहरा

रोहिताश्व बंसवार
ग्रा.पं.वि. अधिकारी
ग्राम पंचायत देवीपुरवा
विकास खण्ड धौरहरा

तेज रफ्तार कार दुकान में घुसी मालिक तखत सहित नाले में गिरा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इसके बाद बेकाबू होकर सड़क किनारे बनी पंचर की दुकान में घुस गई। पंचर दुकान मालिक बच गया है।

दुकान में मालिक सो रहा था। इस दौरान कार घुसी तो तखत सहित दुकान के पीछे नाले में गिर गया। जब उठकर देखा तो कार का एक्सीडेंट हुआ था। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल बाइक सवार को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कल्ली पश्चिम पुलिस चौकी प्रभारी प्रभात बलियान ने बताया कि रात करीब 12 बजे हादसा हुआ। फतेहपुर निवासी कार चालक आशुतोष अपनी पत्नी, मां और दो बच्चों के साथ लखनऊ आ रहे थे। कार में सवार किसी को चोट नहीं आई है।

दोस्त को स्टेशन छोड़कर वापस जा रहा था बाइक चालक : बाइक चालक की पहचान शक्ति कुमार (33) निवासी एकतानगर, कल्ली पश्चिम के रूप में हुई है। उसे चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। बताया गया कि शक्ति अपने दोस्त को चारबाग रेलवे स्टेशन छोड़कर घर वापस आ रहा था। इस दौरान कार ने उसे चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कारतूस की तस्करी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। अन्तर्राज्यीय स्तर पर अवैध कारतूस की तस्करी करने वाले गिरोह का सदस्य एवं 25 हजार का पुरस्कार घोषित अभियुक्त अंकित कुमार पाण्डेय गिरफ्तार। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि गांव नसीरपुर कटरिया के रहने वाले रोशन यादव के साथ पढता था और दोनों अच्छे दोस्त थे। इन दोनों के साथ पढ़ने वाले कुछ लडके काशी विद्यापीठ वाराणसी में पढ़ते थे, जिनसे ये दोनों प्रायः मिलने जुलने के लिये आते-जाते रहते थे। इसी दौरान इन दोनो की दोस्ती मिजार्पुर की रहने वाली एक लडकी से हो गया। रोशन यादव ने वाराणसी मे एक किराये का मकान लेकर वही पर उक्त महिला मित्र को रखवाया था, जहाँ पर इन दोनों का प्रायः आना जाना लगा रहता था। इसी दौरान इन दोनों की जान पहचान कारतूस की तस्करी करने वाले जनपद जौनपुर के शुभम सिंह से हो गयी। शुभम सिंह ही इन दोनों को कारतूस लाकर जनपद जौनपुर के शाहगंज में देता था।

आवारा कुत्तों ने 13 भेड़ों को नोंचा, उतारा मौत के घाट

संवाददाता (vol)

मलिहाबाद, लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र मलिहाबाद के अंतर्गत ग्राम पंचायत खंडसरा में पशु पालक किशनपाल की 45 भेड़ो को आवारा कुत्तों ने निशाना बनाते हुए नोच डाला। कुत्तों के नोचने से पशु पालक की 13

- 25 भेड़ों को किया जख्मी

भेड़ो की मौत हो गई।

वहीं 25 भेड़ गंभीर रूप से जख्मी हुई हैं। पशु पालक के मुताबिक मलिहाबाद के खंडसरा गांव में घर के अन्दर बने बाड़े में बीते मंगलवार की रात आवारा कुत्तों ने छत के रास्ते होते हुए भेड़ो पर हमला बोल दिया। कुत्तों ने 13 भेड़ो को नोच नोचकर मार डाला। वहीं 25 भेड़ों को जख्मी कर दिया है। जिनमें से 7 भेड़ों की हालत नाजुक बनी हुई है। पशुपालक किसनपाल ने बताया कि यह हमारा

पुश्तैनी काम है अपनी जीवकोपार्जन के लिए भेड़ पालन का कार्य करता हूं। भेड़ पालन से ही वह अपने परिवार का पेट पालता है। मैं बहुत गरीब हूं मेरा लाखों रुपए का नुकसान हो गया है।

आग के धुएं से तीन बेहोश मां-बेटियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। चिनहट इलाके में बुधवार तड़के घर में आग लगने से एक महिला और उसकी दो बेटियां बेहोश हो गई। महिला बेहोशी की हालत में बेड से गिरने से घायल हो गई। दमकल कर्मियों ने सभी को रेस्क्यू

- मौके पर पहुंचे फायर के अधिकारी आग लगने के कारणों का लगा रही पता

कर निकाला गया है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बेटियों को घर भेज दिया गया। वहीं घायल महिला की मानसिक स्थित ठीक नहीं होने से डॉक्टर ने परिजनों के साथ पट्टी और दवा देकर घर भेज दिया।

घटना चिनहट के कल्याणी विहार कालोनी की है। यहां मकान के दूसरे फ्लोर में आग लगी थी। इस दौरान तीनों घर के भीतर थीं। धुआं भरने वह बेहोश हुईं। धुआं देख मकान मालिक ने दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने खिड़की-दरवाजे तोड़कर धुआं निकाला।।

घने कोहरे और धुएं के बीच किया रेस्क्यू : बेहोशी की हलात में बेड से गिरने से महिला गिर कर घायल हो गई। घटना के दौरान घना कोहरा था। इसके साथ ही घर के भीतर फंसी सीमा (55) और बेटियां काजल (27), स्वाति (25) को निकालने में परेशानी हुई। मकान में धुएं का गुबार था। दमकल कर्मियों ने खिड़कियां तोड़कर वेंटिलेशन किया। इसके बाद तीनों को सीढ़ियों के सहारे नीचे लाया गया। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था की। तीनों को अस्पताल भेजवाया। दमकल कर्मियों ने कमरे में पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि जांच जारी है। दमकल कर्मियों ने धुआं से बेहोश हुई सीमा को लोहिया अस्पताल भेजा।

दूसरे फ्लोर पर लगी थी आग : मकान मालिक सुनीता सिंह का कहना है कि सीमा अपनी बेटी काजल और स्वाति के साथ दूसरे फ्लोर पर रहती हैं। सीमा मानसिक अस्वस्थ है। सीमा के लड़के रवि ने बताया कि फ्रिज में आग लगने से घर में रखे सामान में आग लग गई। जिससे पूरे घर में धुआं भर गया। घटना के समय तीनों सो रहे थे, इसलिए आग का पता नहीं चला। धुआं से दम घुटने पर काजल और स्वाति ने शोर मचाया, लेकिन घर बंद होने से बाहर आवाज नहीं गई। एफएसओ सुशील कुमार ने बताया कि सुबह घर में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे तो घर से धुआं निकल रहा था। घर के दरवाजे और खिड़की तोड़कर धुआं बाहर निकाला। अंदर जाकर देखा तो दो युवतियां एक कमरे में बदहवास हालत में और महिला दूसरे कमरे में बेहोशी की हालत में मिली। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद पास के अस्पताल भेजा गया।

महिला को सांस लेने में हो रही दिक्कत: चिनहट थाना प्रभारी भरत पाठक ने बताया धुआं से तीनों महिलाओं को दिक्कत हुई थी। महिला को सांस लेने में दिक्कत होने पर लोहिया में भर्ती कराया गया है। वहीं उसकी दोनों बेटियों को कोई दिक्कत नहीं होने पर घर भेज दिया गया।

मकान में लगी भीषण आग ,एक व्यक्ति झुलसा

लखनऊ। गुड़म्बा थाना क्षेत्र के सेक्टर ख जानकीपुरम केनरा बैंक के पीछे मंगलवार दोपहर 1 बजे एक मकान में खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेण्डर में आग लग गयी जिससे एक युवक झुलस गया सूचना पर मौके पर गुडम्बा पुलिस और फायर ब्रिगेड एक गाड़ी पहुची 45 मिनट में आग पर काबू पा लिया। कोई जनहानि नही हुई।

मोहम्मद यूनुस सेक्टर जे जानकीपुरम केनरा बैंक के पीछे परिवार के साथ रहते है। मोहम्मद यूनुस फेरी का काम करते है मंगलवार को बेटी का गौना था उसी में सारा परिवार लगा हुआ था।दोपहर करीब 1 बजे मो0यूनुस का बेटा मो0 रईश 25 वर्ष किचन में कुछ बनाने गए जैसे ही गैस ओंन किया कि

अचानक सिलेंडर में आग लग गयी रईश ने आग बुझाने के लिए कंबल लाये जब आग नही बुझी तब सिलेंडर को लेकर बाहर भागे जिससे उनके दोनों हाथ आग से झुलस गए परिजनों ने गुडम्बा पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।मौके पर सेक्टर ख चौकी प्रभारी रंजीत मिश्रा व बीकेटी फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब 45 मिनट में सिलेंडर की आग बुझ पायी। कोई जनहानि नही हुई।

अगले साल अधिक व्यापक होगा भागीदारी उत्सव : असीम अरुण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जनजाति विकास विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित लोक नायक बिरसा मुण्डा की जयंती ह्लजनजातीय गौरव दिवसह्व के अवसर पर आयोजित ह्लअंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सवह्व के अंतिम दिन बुधवार 20 को मध्य प्रदेश से आमंत्रित दल ने भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरक नाटक मंचित कर प्रशंसा हासिल की। समापन समारोह के विशेष सत्र में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के

- अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव में भगवान बिरसा मुंडा नाटक बना आकर्षण का केन्द्र
- उत्सव के समापन दिवस छठे दिन जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका विषय पर संगोष्ठी भी हुई

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण, समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री संजीव कुमार गौड़, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय गौड़, प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग मुकेश कुमार मेश्राम उपस्थित रहे।

समापन समारोह में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी जनजाति के जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस घोषित किया है। हर साल इस आयोजन को और वृहद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रतिदिन सारगर्भित संगोष्ठियां भी हुई। इन संगोष्ठियों से प्राप्त इनपुट के आधार पर जल्द ही योजनाओं को और विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आमंत्रित कलाकारों को भ्रमण के माध्यम से लखनऊ की संस्कृति से भी रूबरू करवाया गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले साल से इस उत्सव को और विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की भी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जनजातियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सड़क आदि से जोड़कर उनका विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अवसर पर आमंत्रित कलाकारों ने अतिथियों के साथ यादगार सामूहिक चित्र भी खिंचवाया और सामूहिक प्रस्तुतियां देकर देश की उन्नत थाती का प्रदर्शन किया। इस क्रम में आए अतिथियों का प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आमंत्रित अतिथियों ने हस्तशिल्प मेले का भी जायजा भी लिया।

इस अवसर सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली द्वारा डिजिटल डिस्ट्रिक्ट डिपॉस्टरी के अंतर्गत प्रथम आयीं सिम्पी मौर्या और दूसरे स्थान पर रहीं शिखा भदौरिया का सम्मान किया गया। इसी क्रम में राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के पांचवें नेशनल कल्चरल एंड लिटरेरी फेस्ट एंड कला उत्पाद 2024 में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय से द्वितीय पुरस्कार विजेता दल का भी सम्मान किया गया। समूह लोक नृत्य में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय सोनहा-खीरी के कक्षा 11 की नैंसी, आस्था, सलोनी, रिंकी और लोकल क्राफ्ट प्रतियोगिता में बहराइच से कक्षा 9 की रोशनी को सम्मानित किया गया।

अलका निवेदन के कुशल मंचीय संचालन में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के दल द्वारा जन नायक बिरसा मुंडा पर प्रेरक नाटक का मंचन राजकुमार रायकवाड़ के निर्देशन में किया गया। इसमें एक सामान्य युवक के मानवीय पक्षों को उजागर करते हुए उसके संगठनात्मक शक्ति के साथ दूसरों की सेवा करने का महान भाव प्रभावी रूप से दशार्या गया। इसी का परिणाम था कि लोगों ने उन्हें सम्मान देते हुए धरती का भगवान तक कह डाला। इसमें दिव्यांग, पूर्वी, विशाल, भूपेन्द्र, अरुण, सुनीता, सीमा, प्रिंस, राजेश, अखिलेश, भरत, बृजेश, मनोज, रमन, सपना, उमंग, सक्षम, महेन्द्र, गणेश, प्रयाग, अभिषेक, तनवीर, अमन ने विभिन्न किरदार अदा किये।

इसके साथ ही पंजाब का शम्मी नृत्य सतवीर कौर बग्गा के निर्देशन में किया गया। बताते चले कि यह नृत्य बाजीगर, राय, लोबना और सांसी जनजातियों की महिलाओं द्वारा किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यह नृत्य मूल रूप से राजस्थान के राजकुमार से जुदा हुई मारवाड़ की राजकुमारी सम्मी द्वारा किया गया था। इस महिला नृत्य में प्रेमिका का उल्लास, प्रेम और श्रंगार जोश के साथ प्रस्तुत किया जाता है। जबकि झारखण्ड का खड़िया नृत्य अनीता डुगडुग के निर्देशन में किया गया। इसमें कमर में हाथ डालकर महिलाएं एक घेरे में ढोल के थाप के साथ आगे पीछे चलकर सुंदर संयोजन का प्रदर्शन करती हैं। इसमें कलाकारों के सिर पर मोर भी शोभायमान हो रहा था। सिक्किम का लेपचा नृत्य पिनसुख के निर्देशन में पेश किया गया। इस नृत्य की खासियत यह है कि यह संदेश देता है कि जिस तरह हम लोगों को आजादी पसंद है ठीक उसी तरह जंगल के पशु पक्षियों को भी स्वतंत्रता भाती है। इसलिए हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। दूसरी ओर असम के दल ने पारंपरिक बर्दोई शिखला नृत्य किया। इसमें महिलाओं ने लाल पीले रंग की वेशभूषा धारण की हुई थी। ड्रम की तरह खम, बांसुरी की भांति सिंफू, वायलिन की तरह के वाद्य सिरजा के साथ यह सुंदर नृत्य किया गया। महिला कलाकारों के हाथों में एक तरह के झुनझुने जैसा पारंपरिक वाद्य जाबखिन भी था। आगंतुकों ने राजस्थान के आए तेजपाल दल ने कच्छी घोड़ी नृत्य का भी आनंद लिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के संजू सेन ने लोक वाद्यों का मंचीय प्रदर्शन कर भारत की उन्नत परंपरा की सशक्त झांकी पेश की। इसमें उन्होंने लुप्त होते कई वाद्यों का प्रदर्शन प्रभावी ढंग से कर लोगों को उनके प्रति जागरूक किया गया। इसमें बासं का झरना, बांस का नगाड़ा, दफड़ा गुदुम, डमऊ, टिमकी, तुर्रा खंजेरी, नगाड़ा, मांदर-मांदरी, ढोल, करसाल, खिचकिरी, टिककी, तास शंख, भैर धनकुल, बांसुरी, मोहरी, अल्गोजवा जैसे वाद्यों को साक्षात सुनना कला रसिकों के लिए स्वर्णिम अवसर रहा। उमेश निर्मलकर के निर्देशन में हुए छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी नृत्य पेश किया गया। भुंजिया लोग साल के पत्ते, तेंदू के पत्ते, महुआ के फूलों से श्रंगार करते हैं। सभी तरह के मांगलिक अवसरों पर यह नृत्य किया जाता है।

सुर ताल संगम के कलाकारों का हुआ सम्मान

लखनऊ। लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव के छठे दिन महोत्सव शुरू होते ही दर्शकों का आना शुरू हो गया और यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। अवधपुर महोत्सव लगातार अपने विशेष खूबियों के

- लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव के भव्य मंच पर दिखी प्रतिभा

कारण सबको अपनी और आकर्षित कर रहा है। अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एन बी सिंह नित्य नए प्रयोग करके महोत्सव को आकर्षक बनाते जा रहे हैं।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2024 कि संस्कृत बेला पर डॉ जया श्रीवास्तव के निर्देशन में बेहतरीन कलाकारों ने सजाई सुरों की शानदार महफि ल। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मशहूर शायर फैज खुमारी बाराबंकवी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह आदि भेंट करके संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव, डायरेक्टर डॉ जया श्रीवास्तव एवं संरक्षिका सहर जावेद फारूकी समेत सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। संस्था की डायरेक्टर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका डॉ जया श्रीवास्तव ने घर में पधारो गजानन जी के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों का सिलसिला देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता रहा, जिसमें प्रमुख रूप से जानी मानी गायिका वंदना श्रीवास्तव ने लता मंगेशकर के सदाबहार गीत सुनाये, वहीं अनीता सिंह ने माई नहीं माई और मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां गाकर सबका मन मोह

लिया। सीमा श्रीवास्तव ने कहे तोसे सजना गाया, तो सुर ताल संगम संस्था की प्रशिक्षु नीता प्रजापति ने बाबुल प्यारे सुनाकर लोगों को भावविह्वल कर दिया। प्रकाश खन्ना ने शादी के लिए रजामंद कर ली गाया तथा सलीम अब्बासी ने मैं सेहरा बांध के आऊंगा पर शानदार प्रस्तुति दी। दिनेश श्रीवास्तव का बहारों फूल बरसाओ अत्यंत मनमोहक रहा तो रमन श्रीवास्तव का बाबुल का ये घर ने आंखों को नम कर गया। लोकप्रिय गायिका डॉ जया श्रीवास्तव ने विदाई गीत सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इनके अलावा कई जाने माने और नवोदित कलाकारों ने खूबसूरत संगीत प्रस्तुत करके खूब वाहवाही बटोरी। अवध महोत्सव के संस्कृत मंच से अंकिता सूर्यवंशी ने मुझको हुई ना खबर पे अपनी प्रस्तुति दी, प्रियंका का सजना है मुझे सजना का लिया गाना पर अपनी प्रस्तुति दी, मुस्कान कनौजिया ने मेरी जान गाना पर अपनी प्रस्तुति दी, अक्षत श्रीवास्तव ने अपनी स्टैंडअप कॉमेडी की। सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया तथा महोत्सव में आए सभी का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

नंदना बीकेटी में भगवत कथा शुरू

लखनऊ। नंदना, बख्शी का तालाब निकट 51 शक्तिपीठ के पास सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत महापुराण कथा बुधवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हुई। संयोजक भानू सिंह ने बताया कि कथा से पहले प्रातः 10 बजे कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा 51 शक्तिपीठ से नंदना गांव कथा स्थल तक निकाली गई। कलश यात्रा में गाजे-बाजे के साथ सैकड़ों महिलाएं कलश लेकर भगवान के जयकारे लगाते हुये चल रही थी। कलश यात्रा के बाद नैमिषारण्य धाम के कथा व्यास पं. कनक जी महाराज द्वारा भागवत के महात्म की कथा श्रवण कराई।

ज्ञान यज्ञ का आयोजन 26 नवम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक किया जायेगा। इस मौके पर

शोभा सिंह, अजय सिंह, प्रमोद सिंह, हिमांशु सिंह मौजूद रहे। कथा की पूणार्हुति के बाद 27 नवम्बर को ब्रम्हभोज का आयोजन किया जायेगा।

अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस पर निकली जागरूकता रैली

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

आलमबाग। आशियाना स्थित अंसल बिल्डिंग में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस उपलक्ष्य में इनिशिएटिव फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी प्रत्येक बच्चे के लिए, प्रत्येक अधिकार थीम पर चर्चा का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता स्टीव मैथ्यू ने किया, जिसमें बच्चों के

- रैली में बच्चे के अधिकार के प्रति किया गया जागरूक

अधिकारों की सुरक्षा और उनके बेहतर भविष्य और स्वास्थ्य के मुद्दे पर चर्चा के साथ जागरूकता रैली निकली गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टीव मैथ्यू ने कहा की हर बच्चा हमारे समाज की नींव है।

उनका अधिकार केवल कानून का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ जीवन जीने का अवसर

पाए। यह दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम एक ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई बच्चा पीछे न छूटे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य अधिकार कार्यकर्ता और संस्था की बोर्ड मेंबर शालिनी शुक्ला ने कहा की बच्चों के स्वास्थ्य का अधिकार उनके जीवन का आधार है। पोषण, टीकाकरण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना न केवल उनका अधिकार है, बल्कि समाज का दायित्व भी। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित अन्य समाजसेवियों ने भी अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें संस्था संध्या, रहनुमा, तपस्या, सूरज, अंकित, अनिता, सुरेश, शोहेल, हर्ष, परवीन, नितिन, अब्दुल सलाम सहित दर्जनों वालेंटियर, सदस्य और सहयोगी शामिल हुए।

राजधानी में डेंगू के 14 नये मरीज मिले

लखनऊ। बुधवार को राजधानी में डेंगू के 14 नये मरीज मिले। इनमें टूडियागंज से 2, इन्दिरानगर से 3, अलीगंज से 2, चन्दरनगर से 4, ऐशबाग से 1, मोहनलालगंज से 1, एनके रोड से 1 एवं मलेरिया के 01 सिल्वर जुबली से 1 धनात्मक रोगी पाये गये। आज लगभग 1296 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 02 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया। क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुनः प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने का संदेश दिया गया।

राजधानी में होगा भक्तों का गुणगान : बिन्दू बोरा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में भक्तिकालीन सन्तों की गाथा सुनाई जायेगी। राधा स्नेह दरबार के तत्वावधान में 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक भक्तमाल कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें

- पांच दिवसीय भक्तमाल कथा 28 से
- लोग सुनेंगे भक्तिकालीन संतों के चरित
- अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी को समर्पित आयोजन

लोग भक्ति कालीन सन्तों का चरित्र सुनेंगे। आयोजन लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी के उपलक्ष्य में उन्हें समर्पित है।

प्रियदर्शिनी कालोनी स्थित विधायक कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में उक्त आशय की जानकारी देते हुए राधा स्नेह दरबार की अध्यक्ष बिन्दू

बोरा ने बताया कि लखनऊ में सम्भवतः पहली बार भक्तमाल कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन प्रतिदिन सायं तीन बजे से छः बजे तक बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्रीश्याम मन्दिर परिसर में होगा। श्रीमती बोरा ने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने आज से लगभग ढाई सौ वर्ष पूर्व काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर आदि द्वादश ज्योतिर्लिंगों समेत लगभग एक हजार से अधिक मन्दिरों का जीर्णोद्धार कराकर सनातन संस्कृति के संरक्षण का अभिनव कार्य किया था। राधा स्नेह दरबार की ओर से हम महिलाओं द्वारा उनकी त्रिशताब्दी पर उन्हें याद करने का यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कथा प्रवक्ता ब्रजभक्त वैष्णवाचार्य रमाकान्त गोस्वामी जी महाराज होंगे जिन्होंने ब्रज में अनेक मन्दिरों का जीर्णोद्धार कराया है। श्रीमती बोरा ने आगे कहा कि श्रीश्याम परिवार के सहयोग से हो रहे भक्तमाल कथा के पहले दिन संत सूरदास, दूसरे दिन संत तुलसीदास, तीसरे दिन भक्त मीराबाई, चौथे दिन नरसी मेहता का चरित्र होगा। अन्तिम दिन दो दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे से 2 बजे तक नानीबाई का मायरा और भण्डारा प्रसाद का आयोजन किया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान कुसुम अग्रवाल, बीना गोयल, अंशु अग्रवाल, सीमा गोयल, नीलू गोयल, ज्योति अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, मीना अग्रवाल, अंजू गुप्ता, अनुराधा बंसल, आरती बंसल, सुमन अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, कविता अग्रवाल, किरन जैन, अनुराधा गोयल, आंचल अग्रवाल, दीपाली मित्तल आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक संध्या में शिव नृत्य पर थिरके श्रोता

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ । कानपुर रोड आशियाना क्षेत्र में स्थित स्मृति उपवन में माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में दूसरे दिन अतिथि के रूप में सीनियर सब

- हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में उमड़ रही भीड़
- हास्य कवि मेरी बुलबुल से जो करे चुगली कविता पर जमकर लगे ठहाके

इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा एवं अमित कश्यप, एकता गुप्ता, अर्चना कश्यप।

अरुण सिंह एवं गुंजन वर्मा दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक संध्या का आरंभ हुआ। मंच पर दूरदराज से आये कलाकारों के द्वारा मनोरम नृत्य , गीत

संगीत एवं कविताओं का मनोरम प्रस्तुतीकरण किया गया । इस अवसर पर मंच से लखनऊ की रिद्धि द्वारा शिव पार्वती पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित सभी श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया। ₹ वही हास्य कवियों द्वारा प्रस्तुति पर उपस्थित श्रोता जमकर ठहाके लगाते हुए हास्य कविता के मजे लूटे । इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्तुति नृत्यम संयोजक गीता सक्सेना की टीम से संध्या श्रीवास्तव ,पूजा श्रीवास्तव ,आभा सिन्हा, रश्मि ,नीति शुक्ला, अर्चना श्रीवास्तव ,अपर्णा सक्सेना, किरण श्रीवास्तव ,कमला एवं रोली ने प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोहा। तत्पश्चात श्याम जी के रिपल कोरस ग्रुप बैंड प्रयागराज से बॉलीवुड गाने पर जोरदार प्रसूति दी गई। महोत्सव के दूसरी शाम कार्यक्रम के अंत में आयोजक अरुण प्रताप सिंह एवं गुंजन वर्मा द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये कलाकारों एवं कवियों को पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र पहना सम्मानित किया गया । इस अवसर पर मंच से संस्थाध्यक्ष महोत्सव आयोजक ने बताया कि हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के द्वारा पहल महिला शशक्तिकरण पर बल, विलुप्त हो रही लोककला एवं हस्तशिल्प कारीगरों, बुनकरो को बढ़ावा देना है । इस दौरान मंच पर आयोजक समिति के विनय दुबे रनवीर सिंह समेत समीर शेख, हेमू चौरसिया, मनोज सिंह चौहान, सचिन गुप्ता, नीरज यादव उपस्थित रहे । मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला द्वारा किया गया।

कार्यालय के कामकाज में हिंदी का प्रयोग करें

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के राजभाषा विभाग द्वारा बुधवार को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के निर्देशन में संपन्न हुई। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों को

- बरेका में हिंदी कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिंदी भाषा में कुशल बनाने के साथ-साथ राजभाषा नीति के अनुपालन को और सुदृढ़ करना था।

कार्यशाला में प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने अपने अनुभव और ज्ञान से उपस्थित कर्मचारियों को लाभान्वित किया। उन्होंने राजभाषा नियम, वार्षिक कार्यक्रम, मानक वर्तनी, पारिभाषिक शब्दावली और

पत्राचार के स्वरूप पर गहन जानकारी दी। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया और हिंदी भाषा में अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए। कार्यक्रम में जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार , वरिष्ठ अनुवादक विनोद कुमार श्रीवास्तव , वरिष्ठ अनुवादक विजय प्रताप सिंह , कनिष्ठ अनुवादक गुरुराजन , कनिष्ठ अनुवादक आलोक कुमार पांडेय , कनिष्ठ अनुवादक डॉ. शशिकांत शर्मा , और कनिष्ठ अनुवादक अरविंद प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बरेका के कर्मचारियों ने इस कार्यशाला को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे कार्यालयीन कार्यों में सरलता से लागू करने के लिए ऐसे आयोजनों को अत्यधिक सराहा गया।

आज चलेंगी 30 विशेष ट्रेनें, यात्रियों को मिलेगी राहत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। यात्रियों की भीड़ के निकासी के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से30 विशेष गाड़ियां चलाई जायेंगी।इनमें 21 नवम्बर को 05060 लालकुआँ-हावड़ा विशेष गाड़ी, लालकुआँ से 13.55 बजे चलाई जायेगी।21 नवम्बर को 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेंट्रल विशेष गाड़ी, काठगोदाम से 17.30 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 09075 मुम्बई सेंट्रल-काठगोदाम विशेष गाड़ी, काठगोदाम 14.30 बजे पहुँचेगी।

21 नवम्बर को 05301 मऊ-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी, मऊ से 04.00 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 14.30 बजे चलाई जायेगी।21 नवम्बर को 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 17.30 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05325 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.15 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 09598 गोरखपुर-राजकोट विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 23.30 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 10.00 बजे पहुँचेगी।21 नवम्बर को 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 16.00 बजे पहुँचेगी। 21 नवम्बर को 05030 बान्द्रा टर्मिनल-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 16.15 बजे पहुँचेगी। 21 नवम्बर को 09597 राजकोट-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 21.30 बजे पहुंचेगी। 21 नवम्बर को 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी, लखनऊ से 14.15 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05298 छपरा-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी, छपरा से 15.20 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 02269 छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी, छपरा से 23.00 बजे चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05297 पाटलिपुत्र-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 10.50 बजे पहुँचेगी।21 नवम्बर को 05162 अमृतसर-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 23.55 बजे पहुँचेगी।

21 नवम्बर को 04138 बरौनी-ग्वालियर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 04022 आनन्द विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 04021 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।21 नवम्बर को 04032 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

21 नवम्बर को 05636 गुवाहाटी-श्री गंगानगर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05734 कटिहार-अमृतसर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05736 अमृतसर-कटिहार विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।21 नवम्बर को 09525 हापा-नाहरलगुन विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 09027 बांद्रा टर्मिनस-मालदा टाउन विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 04005 जयनगर-दिल्ली विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 05283 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।21 नवम्बर को 05284 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 21 नवम्बर को 04646 जम्मूतवी-बरौनी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं।

दौराई-बढ़नी के बीच चलेगी साप्ताहिक विशेष गाड़ी

लखनऊ। रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पूजा के उपरान्त यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये पूर्व से चलायी जा रही 09657/09658 दौराई-बढ़नी-दौराई साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार किया गया है।यह गाड़ी दौराई से 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक प्रत्येक शनिवार को तथा बढ़नी से 24 नवम्बर से 22 दिसम्बर प्रत्येक रविवार को 05 अतिरिक्त फेरों के लिये चलायी जायेगी।

09657 दौराई-बढ़नी साप्ताहिक विशेष गाड़ी दौराई से 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक प्रत्येक शनिवार को दौराई से 15.00 बजे प्रस्थान कर अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, मथुरा जं., दूसरे दिन हाथरस सिटी, कासगंज, कायमगंज, फरूर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर सेन्ट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोमतीनगर, बाराबंकी, गोण्डा, बलरामपुर तथा तुलसीपुर होते हुए बढ़नी 13.25 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में 09658 बढ़नी-दौराई साप्ताहिक विशेष गाड़ी 24 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक प्रत्येक रविवार को बढ़नी से 19.15 बजे प्रस्थान कर तुलसीपुर, बलरामपुर, गोण्डा, बाराबंकी, दूसरे दिन गोमतीनगर, बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल, कानपुर अनवरगंज, कन्नौज, फरूर्खाबाद , कायमगंज, कासगंज, हाथरस सिटी, मथुरा जं., भरतपुर, बांदीकुई, गांधीनगर जयपुर, जयपुर, किशनगढ़ तथा अजमेर होते हुए दौराई 19.20 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनामी के 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

देश-विदेश से आये गणमान्य हस्तियों की अगवानी करेंगे डिप्टी सीएम केशव मौर्य

लखनऊ। सीएमएस के तत्वावधान में आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 25वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग के लिए 56 देशों के मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश व कानूनविद् समेत विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद के अध्यक्ष, संसद सदस्य, इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के न्यायाधीश अदि भी इस ऐतिहासिक सम्मेलन में अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराने कल 21 नवम्बर, वृहस्पतिवार को शाम 7.00 बजे सीएमएस राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस में आ रहे हैं।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बतौर मुख्य अतिथि देश-विदेश से आये गणमान्य हस्तियों की अगवानी करेंगे। यह जानकारी स्कूल के हेड, कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेधवाल ने आज अंतर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन के प्रथम सत्र का आगाज आज नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में हुआ। इस भव्य समारोह में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा को बढ़ाया।इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेधवाल ने कहा कि सिटी मोन्टेसरी स्कूल विश्व एकता, विश्व शान्ति एवं भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की स्थापना में प्रशंसनीय भूमिका निभा रहा है।विशिष्ट अतिथि जितिन प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलन विश्व एकता व शान्ति की राह में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जीएम उत्तर रेलवे ने किया वाराणसी जं. स्टेशन का निरीक्षण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। महाकुंभ के सुचारु संचालन एवं मेला के सम्बन्ध में की जाने वाली अग्रिम तैयारियों का जायजा लेने के लिए महाप्रबंधक उत्तर रेलवे

- स्टेशन की कार्यप्रणाली को परखा, निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी प्राप्त की

अशोक कुमार वर्मा का अपने दो दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वाराणसी पहुंचे। अपने इस कार्यक्रम के तहत विगत दिवस पर उन्होंने प्रयाग क्षेत्र में स्थित उत्तर रेलवे, लखनऊ

मण्डल के स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया था। अपने इस निरीक्षण के दूसरे दिन बुधवार को महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा मंडल रेल प्रबंधक एस. एम. शर्मा एवं मण्डल के अन्य अधिकारियों के साथ वाराणसी जं. (कैंट) स्टेशन पवहुंचे। प्रयाग से वाराणसी आते समय महाप्रबंधक ने प्रयागराज-जंघई-वाराणसी रेलमार्ग की विंडो ट्रेलिंग करते हुए रेलपथ की संरक्षा को परखा एवं जंघई जं. स्टेशन पर पहुंचकर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जाने वाले विकास कार्यों सहित स्टेशन की सम्पूर्ण कार्यप्रणाली का अवलोकन किया ।

वाराणसी ज. स्टेशन पर पहुंचकर महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधक एवं मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ वाराणसी जं. स्टेशन का निरीक्षण किया तथा स्टेशन पर सम्पन्न हो चुके तथा प्रगतिशील कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा स्टेशन की कार्यप्रणाली को परखा ।महाप्रबंधक ने कुम्भ मेला अवधि के दौरान प्रयाग आने वाले श्रद्धालुओं तथा यात्रियों के बड़ी संख्या में वाराणसी आगमन की प्रबल संभावनाओं को देखते हुए अपना आज का निरीक्षण किया क उन्होंने प्रस्तावित होल्डिंग एरिया, सेकंड एंट्री, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, प्लेटफॉर्म तथा परिसर का अवलोकन किया तथा यात्री सुविधाओं को जांचा । कुम्भ मेला अवधि के दौरान अतिरिक्त व्यवस्थाओं को समुचित रूप से उपलब्ध कराते हुए कार्य करने पर विशेष बल दिया तथा यात्रियों को निरंतर उच्च कोटि की आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कर रहा है।

जनसंख्या की बेहतरी के लिए विकास की दिशा तय हो : आलोक रंजन

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय (केकेसी) में पापुलेशन एंड डेवलपमेंट: नेविगेटिंग चैलेंजेस एंड एक्सप्लोरिंग ऑपरुचुनिटीज विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का समापन बुधवार को हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस आलोक रंजन ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या एवं विकास यह मानवता से जुड़े हुए मुद्दे हैं। जनसंख्या की बेहतरी के लिए विकास की दिशा को तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पहले जनसंख्या विकास में बहुत सारी बाधाएं थी। कही प्राकृतिक आपदाएं, तो कही अनाज की कमी,यह स्वाभाविक तौर पर विद्यमान रहती थी। किंतु 1921 के बाद जनसंख्या वृद्धि में एक ट्रेंड दिखाई देने लगा। धीरे-धीरे सुविधा भी बढ़ने लगी और जनसंख्या वृद्धि पर अनुकूल प्रभाव पड़ा।उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है अर्थात 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की है। हमारी आबादी हमारे लोग कतई डिजास्टर नहीं है।समारोह की अध्यक्षता, पंडित राम बिलास मिश्रा, पूर्व कुलपति अवध विश्वविद्यालय ने की। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विनोद चंद्रा ने तीन दिनों तक चले अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। महाविद्यालय मंत्री प्रबंधक जीसी शुक्ला ने सेमिनार के सफल समापन पर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

लविवि के 104वें स्थापना दिवस पर होगा पूर्व छात्रों का सम्मान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को एक भव्य समारोह के माध्यम से अपने प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का सम्मान करते हुए अपना 104वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। यह आयोजन विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता और विरासत को उजागर करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में इन पूर्व छात्रों के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करेगा। इस अवसर पर निम्नलिखित विशिष्ट पूर्व छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. प्रमोद टंडन: पद्म श्री पुरस्कार विजेता (2009), नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत के मानद वैज्ञानिक, और नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग के पूर्व कुलपति। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में बीएससी (1969) और एमएससी (1971) की पढ़ाई की है।

धनंजय सिंह: वर्तमान में मर्क लाइफ साइंस, भारत के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बायोकैमिस्ट्री में एमएससी (1994) और मार्केटिंग में एमबीए (1996) की पढ़ाई की है।

मुकेश शर्मा: वर्तमान में बीबीसी न्यूज के वरिष्ठ संपादक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय से मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और समाजशास्त्र (1999) में स्नातक किया है।

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान: 2019 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीकॉम (1985) और एलएलबी (1988) की डिग्री प्राप्त की है।

लीना जौहरी (आईएएस): उत्तर प्रदेश सरकार में स्टांप एवं पंजीकरण तथा महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव हैं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1991 में इतिहास में बीए और समग्र इतिहास में एमए (स्वर्ण पदक विजेता) किया थी।

अजय सिंह: वर्तमान में भारत के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1981 में बीकॉम की डिग्री प्राप्त की थी। यह समारोह विश्वविद्यालय की गरिमा और इन पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित करने का एक अनूठा अवसर होगा।

भाजपा कार्यकर्ता के लिए 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म फ्री देखने की व्यवस्था

लखनऊ। गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मेसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा प्रत्येक विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं को 21, 22, 23 नवंबर को फ्री दिखाने की व्यवस्था की गई है। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने आलमबाग बस स्टैंड गेटवे मॉल पर आयोजित होने वाले शो दिखाने के लिए कार्यकर्ताओं के लिए फ्री टिकट की व्यवस्था की है।मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि 21 नवंबर को महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी 12 से 3 बजे के शो में कैंट पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ फिल्म देखेंगे। इसके बाद 3 से 6 बजे में सरोजिनी नगर विधानसभा कार्यकर्ताओं को फ्री मूवी दिखाने की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार 22 तारीख को पूर्व और मध्य और 23 तारीख को उत्तर व पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ता फिल्म देखने जाएंगे। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है यह फिल्म गोधरा में जो घटना घटी थी उसके बारे में सच्चाई बयां करती है दुर्भाग्य यह है कि इस देश में सच्चाई को सामने आने में 22 साल से ज्यादा समय लगा। गोधरा कांड की सच्चाई को इस फिल्म में बहुत अच्छे तरीके से दर्शाया गया है इसलिए मेरी सभी से अपील है कि वह परिवार के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' अवश्य देखें और गोधरा कांड में हुए नरसंहार की हकीकत को जाने और समझे।

क्रिकेट टी20 में सीतापुर रोड शाखा को दोहरी सफलता

नीरू मेमोरियल इंटर ब्रांच स्पोर्ट्स मीट स्पर्धा 2024 में सीतापुर रोड लगातार चौथी बार बनी क्रिकेट चैंपियन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की स्पर्धा 2024 का आयोजन किया जा रहा है। चार दिवसीय इंटर ब्रांच प्रतियोगिता में तीसरे दिन बुधवार को 200 मीटर रेस, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, लांग जंप, शॉट पुट डिस्कस थ्रो तथा टी20 क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

- सांस रोकने वाले रोमांचक कबड्डी मुकाबले में रुचिखंड शाखा ने चैंपियन सीतापुर रोड शाखा को दी पटखनी

क्रिकेट टी20 के एक तरफा मुकाबले में सीतापुर रोड शाखा ने राजाजीपुरम शाखा को 63 रनों से पीट कर लगातार चौथी बार चैंपियनशिप जीत ली। सीतापुर रोड शाखा के सिद्धार्थ 35 रन और मोहम्मद अयूब के 33 रनों की बदौलत राजाजीपुरम को 133 रनों का लक्ष्य दिया। प्रखर दो ओवर दो मेडन तीन विकेट की घातक गेंदबाजी और प्रखर चार ओवर 17 रन 3 विकेट से राजाजीपुरम शाखा की कमर तोड़ दी और पूरी टीम 69 पर आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच प्रखर को घोषित किया गया। इसके पूर्व सीतापुर रोड की बालिकाओं ने क्रिकेट टी20 में भी राजाजीपुरम को हराकर दोहरी सफलता हासिल की।

तीसरे दिन खेले जाने वाले विभिन्न मुकाबलों में से सब जूनियर बालक वर्ग कबड्डी के फाइनल में एक बेहद रोमांचक मुकाबले में रुचि खंड शाखा के बच्चों ने विगत चैंपियन सीतापुर रोड शाखा को 48/38 अंकों से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं स्पर्धा 2024 में सबसे पीछे चल रही रुचिखंड शाखा ने तीसरे दिन पदक तालिका में अप्रत्याशित रूप से बढ़त हासिल कर सबको चौका दिया।इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के रूप में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी लखनऊ अजय सेठी, उप निदेशक मंडी परिषद चंदन पटेल व संपादक अमर उजाला विजय त्रिपाठी ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने बच्चों को शानदार प्रदर्शन करने के लिए सभी की सराहना की और उनके भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

370 ट्रेनों में जुड़ेंगे 1000 से ज्यादा जनरल कोच

लखनऊ। रेल यात्रा के प्रति आम जनों की लगातार बढ़ती रुचि और आकर्षण के मद्देनजर रेलवे भी तदनुरूप सुविधाओं के विस्तार को गति दे रहा है।इस क्रम में रेलवे ने बीते तीन माह में ही विभिन्न ट्रेनों में सामान्य श्रेणी (जी.एस.) के करीब छह सौ नये अतिरिक्त कोच जोड़े हैं। ये सभी कोच नियमित ट्रेनों में जोड़े गए हैं। इतना ही नहीं, चालू नवंबर माह के अंत तक जी.एस. श्रेणी के ऐसे एक हजार से ज्यादा कोच करीब 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ दिए जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक रेलवे के बेड़े में इन नये जी.एस. कोचों के जुड़ने से रोजाना करीब एक लाख यात्री लाभान्वित होंगे। इनके अलावा आगामी दो वर्षों में बड़ी संख्या में नोन एसी श्रेणी के कोचों को रेलवे के बेड़े में शामिल करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। रेलवे बोर्ड ने सामान्य श्रेणी के रेल यात्रियों की नई सुविधाओं के बारे में यहां विस्तार से जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना व प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्री रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इस श्रेणी के यात्रियों को अधिकतम सुविधा मुहैया कराने की दिशा में रेलवे विभिन्न दिशाओं में कार्य कर रहा है। इसके तहत बीते जुलाई से अक्टूबर के तीन माह के दौरान जीएस श्रेणी के कुल 1000 नये सामान्य श्रेणी कोचों का ट्रेनों में जोड़ा जाएगा। साथ ही इन नवनिर्मित कोचों को 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ा गया है। इससे रोजाना हजारों अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिल रहा है। इन डिब्बों के शामिल होने से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त सवारी रेल यात्रा के सफर का लाभ उठा पाएंगे। कार्यकारी निदेशक ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं के मद्देनजर नये जी.एस. कोचों का निर्माण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में रेलवे के बेड़े में ऐसे गैर-वातानुकूलित सामान्य श्रेणी के 10 हजार से ज्यादा जी.एस. कोचों को शामिल कर लिया जाएगा। इनमें छह हजार से ज्यादा जी.एस. कोच होंगे, जबकि बाकी डिब्बे स्लीपर श्रेणी के होंगे। इतनी बड़ी संख्या में गैर वातानुकूलित कोचों के शामिल होने से सामान्य श्रेणी के करीब आठ लाख अतिरिक्त यात्री रोजाना रेल यात्रा का सफर कर पाएंगे।

- रेलवे की इस पहल से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त यात्री करेंगे सामान्य श्रेणी कोच में सफर
- आगामी दो साल में नान एसी श्रेणी के ऐसे 10 हजार से ज्यादा कोच बेड़े से जुड़ेंगे

मत्स्य पालन में उत्तराखंड सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में चयनित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व उत्तराखंड को मिली एक और उपलब्धि

प्रमुख संवाददाता (vol)

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार में बेहतर समन्वय के साथ किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश को नई नई सफलताऐं प्राप्त हो रही हैं। नीति आयोग द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों की रैंकिंग में प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपरांत अब मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है।

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बधाई देते हुए कहा कि सरकार मत्स्य पालकों की आर्थिकी सुधारने का प्रयास कर रही है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सफलता के नए नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उत्तराखंड राज्य की बेरोजगारी में जहां 4.4 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं प्रति व्यक्ति आय भी तेजी से बढ़ी है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास के लक्ष्यों की रैंकिंग में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त मिल चुका है। उत्तराखंड को प्राप्त नई उपलब्धि में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार देने का ऐलान किया गया है। उत्तराखंड को राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्तराखंड को हिमायली और उत्तर पूर्व के राज्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में चयनित किया गया है। यह पुरस्कार आगामी 21 नवंबर को नई दिल्ली में विश्व मत्स्य दिवस पर आयाजित होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन, डेयरी, पंचायतीराज राज्यमंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह द्वारा प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरस्कार के लिए विभाग और मत्स्य पालकों को बधाई देते हुए कहा कि, सरकार पशुपालकों के कल्याण के लिए हर तरह से सहायता प्रदान कर रही है। मैदान के साथ ही पहाड़ में मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बद्रीनाथ धाम में चलाया गया सफाई अभियान

प्रमुख संवाददाता (vol)

बद्रीनाथ (चमोली)। मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा नगर निकायों में स्वच्छता व कचरा प्रबंधन पर निरन्तर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में बदरीनाथ के कपाट बंद होने के बाद धाम में दो दिवसीय गहन स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों से डेढ़ टन अजैविक कचरे का संग्रहण किया है। कचरा संग्रहण अभियान नगर पंचायत बद्रीनाथ द्वारा चलाया गया। कचरा संग्रहण से पूरे यात्रा काल के दौरान अजैविक कचरे का निस्तारण कर 8 लाख की आय अर्जित की है।

- सफाई अभियान के दौरान डेढ़ टन अजैविक कचरे का नगर पंचायत ने किया संग्रहण
- कचरा संग्रहण से पंचायत को हुई आठ लाख की आय

नगर पंचायत की इस वर्ष बदरीनाथ नगर क्षेत्र के साथ ही मंदिर में सफाई की जिम्मेदारी निभाई गई। ऐसे में इस वर्ष बद्रीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के बाद यहां नगर पंचायत की ओर से 50 पर्यावरण मित्रों की तैनाती गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पंचायत की ओर से बद्रीनाथ मंदिर परिसर के साथ ही ब्रह्म कपाल, आस्था पथ, तप्त कुंड, मुख्य बाजार के साथ माणा गांव में भी सफाई अभियान चलाया गया। जिससे पर्यावरण मित्रों की ओर से डेढ़ टन अजैविक कचरे का संग्रहण किया किया है। वहीं इस वर्ष पूरे यात्रा काल में नगर पंचायत बदरीनाथ की ओर से यात्रा काल के दौरान 180.70 टन कूडे. का संग्रहण किया। जिसमें से पंचायत की ओर से 110.97 टन कचरे का विपणन कर 8 लाख की आय अर्जित की गई है। इसके साथ पंचायत की ओर से 29.82 लाख की आय माणा पार्किंग, 1.03 करोड़ ईको शुल्क, 28 लाख की आय हैलीकाप्टर संचालन और 8 लाख की आय यूजेज चार्जेज के माध्यम से की है।

बदरीनाथ धाम में नगर पंचायत को इस वर्ष नगर क्षेत्र के साथ मंदिर परिसर में भी सफाई व्यवस्था का जिम्मा सौंपा गया था। ऐसे में यात्रा समाप्त होने के बाद पंचायत की ओर से दो दिनों तक बदरीनाथ धाम के साथ ही माणा गांव में गहन सफाई अभियान चला कर डेढ़ टन अजैविक कचरा एकत्रित किया गया है। वहीं यात्रा काल में 110.97 अजैविक कचरे का विपणन कर 8 लाख की आय अर्जित की गई है।

संक्षेप

पराली जलाने वालों पर हुई कार्रवाई

कुशीनगर। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद में पराली जलाने की घटनाओं में निरंतर वृद्धि को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कठोर कदम उठाते हुए किसानों पर जुमार्ना अधिरोपित करने की बड़ी कार्यवाही की है। जनपद में अब तक परली जलने की 56 घटनाएं रिपोर्ट में आई है जिस पर गंभीर होकर हाटा तहसील द्वारा 39, कसया तहसील द्वारा 19 एवं कप्तानगंज तहसील द्वारा दो किसानों पर नियमानुसार जुमार्ना अधिरोपित करने के कार्यवाही की गई है ।जिलाधिकारी द्वारा राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को पराली जलाने की घटना के संबंध में कार्यवाही करने में शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या पराली प्रबंधन के यंत्र के साथ धान कटाई कर रहे कंबाइन हार्वेस्टरों को तत्काल सीज करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से उन्नतशील कृषि यंत्रों जैसे मल्चर, रोटरी स्लैशर, स्ट्रा रीपर एवं पैडी स्ट्रा चॉपर आदि का प्रयोग करते हुए पराली का उपयोग खेत में ही करने का अनुरोध किया जिससे वह किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही से बच सकें। जिन गांवों में एक से अधिक घटनाएं प्रकाश में आई है उनके प्रधानों को भी कठोर निर्देश जारी किए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र में पराली जलने की घटनाओं पर अंकुश लगाना सुनिश्चित करें।

संचालित विकास कार्यो और योजनाओं की समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता(vol

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में विश्व शौचालय दिवस अभियान के सफल क्रियान्वयन ग्राम विकास सेक्टर यथा मनरेगा, एनआरएलएम, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, दिव्यांगजन, समाज कल्याण, आईसीडीएस के तत्वावधान में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं निमार्ण कार्यों जैसे आंगनवाड़ी, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, विकास कार्यो, जिला स्वच्छता समिति की बैठक कर समीक्षा हुई।

बैठक दौरान डीपीआरओ ने स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में क्रियान्वित विश्व शौचालय दिवस के अभियान के विस्तृत रूप रेखा में बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि यह 19 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2024 तक मनाया जाएगा।

जिसका हैशटैग ₹शौचालय सवारे,जीवन निहारें₹ है। अभियान का उददेश्य शौचालय का अधिक से अधिक लोगो तक पहुँच एवं समस्त प्रकार के व्यक्तिगत शौचालय व सामुदायिक शौचालय का निरन्तर उपयोगिता बनाए रखना है। इसके अन्तर्गत पेन्टिंग, रेट्रोफिटिंग सौदंर्यीकरण, जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अभियान के अन्तर्गत अक्रियाशील शौचालय को सर्वे कर चिन्हित कर क्रियाशील किया जाएगा। अभियान समापन के उपरान्त सर्वोत्तम व्यक्तिगत /सामुदायिक शौचालय हेतु पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि शौचालय की उपयोगिता में वृद्वि एवं सामुदायिक शौचालय का अधिकाधिक उपयोग हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम ब्लॉकवार आयोजित करवाए। सभी ग्राम प्रधान सचिव, रोजगार सेवक

● 19 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2024 तक मनाया जायेगा विश्व शौचालय दिवस अभियान

इसके लिए अपने क्षेत्र के निवासियो को शौचालय की उपयोगिता के बारे में बताए। खण्ड विकास अधिकारी ब्लॉक स्तर पर हमारा शौचालय हमारा सम्मान कार्यक्रम हेतु विभिन्न लाइन डिपार्टमेंट के साथ को- ऑर्डिनेशन बैठक आयोजित करे तथा ग्राम पंचायतों में स्थलीय भ्रमण कर गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी करे। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि व्यक्तिगत शौचालय हेतु अभी 17560 आवेदन समय सीमा के अन्दर लम्बित है, जिसका सत्यापन कर सभी बीडीओ निस्तारण ससमय कर दे। जिलाधिकारी ने समीक्षा उपरान्त कहा कि जिन ग्रामों मे आरआरसी का निर्माण अपूर्ण है। वहॉ शीघ्र पूर्ण करें एवं जहॉ कहीं भूमि अनुपलब्ध है वहॉ तत्काल उप जिलाधिकारी से मिलकर प्रकरण का निस्तारण कराए। सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में कूड़ो के निस्तारण का उचित प्रबंधन करे, जिससे नेशनल हाइवे, प्रमुख सड़कों के किनारे कूड़ें का अम्बार इक्टठा न हो, उसका सामुचित प्रबंधन करे। सहज जन सेवा केन्द्र से संचालन एवं आवेदन के क्रम में डीपीआरओ ने बताया कि 980 के सापेक्ष 813 ग्रामों में क्रियाशील है तथा 47130 आवेदन अभी तक ऑनलाइन कराए गए हैं। 15 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत क्षेत्र पंचायत व्यय विवरण क अन्तर्गत तमकुही तथा अन्य ब्लॉकों में माह के अन्त तक कम से कम 25 कार्य कराते हुए व्यय के सापेक्ष लक्ष्य को प्राप्त करने हुते निर्देशित किया गया। ग्राम विकास सेक्टर मनरेगा के अन्तर्गत डीसी मनरेगा ने बताया कि मानव दिवस सृजन कार्यक्रम के तहत रामकोला एवं हाटा में प्रगति अच्छी है तथा हाटा में औसत से कम है।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया सभी बीडीओ मनरेगा के अन्तर्गत निर्धारित मासिक लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करें, नियोजित ब्लॉकवार श्रमिकों की संख्या में महिला व एससी-एसटी पार्टीशिपेशन की संख्या में वृद्धि कराए।ब्लॉकवार जनसंख्या एवं डिमाड के सापेक्ष की स्थिति का अवलोकन करते हुए नियोजित करने की दिशा में कार्य कराये। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि 610 ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 568 आंगनबाड़ी पूर्ण, 18 प्लिंथ स्तर पर, 4 छत स्तर पर, 8 प्लिंथ स्तर पर, 3 नींव स्तर पर तथा 2 अनारंभ है। डीएम ने निर्देशित किया सुकरौली और खड्डा बीडीओ कार्य को शीघ्र प्रारम्भ कराए। जो कार्य प्राथमिकता के उन्हे ब्लॉकों में शीघ्र पूर्ण करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने ब्लॉकवार ओल्ड एज पेंशन के 45 दिवस के अन्दर लम्बित मामलों के बारे में बताया।

कुल समयावधि के अन्दर 1405 आवेदन लंबित है। डीएम ने निर्देशित किया कि एक सप्ताह अभियान चलाते हुए सभी बीडीओ समय सीमा से पूर्व ही सत्यापन कराकर निस्तारण करें जिससे वृद्धपेंशन एवं निराश्रित महिला पेंशन का लाभ लाभार्थियों को शीघ्र मिल जाए। कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं सामूहिक विवाह योजना, एनपीसीडी स्थिति, आधार प्रमाणीकरण दिव्यांगजन के मामलों का निस्तारण भी समय सीमा के अन्दर सभी बीडीओ सुनिश्चित करे। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षोपरान्त डीएम ने निर्देशित किया कि पीएम आवास जो लाभार्थी भूमिहिन है उन्हे उप जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के अधार भूमि उपलब्ध व आवंटित कराए। जिन आवासों के लिए पैसा स्वीकृत हो गया है तथा कार्य अराम्भ है।

उसमें बीडीओ स्वयं फील्ड मे जा कर यथास्थिति से अवगत हो। उप जिलाधिकारी के साथ मिलकर भूमि विवाद के मामलों का निस्तारण ताकि आवास निर्माण कार्य प्रारम्भ हो सके*। साथ ही लाभार्थी परक योजनाओं से सभी पात्र लाभार्थियों को आच्छादित करते हुए संतृप्त करें। एनआरएलएम के अन्तर्गत हाउस होल्ड संस्तृप्तिकरण ब्लाकवार ग्राम संगठन गठन, संकुल संघ संगठन की स्थिति का अवलोकन किया गया 980 के सापेक्ष 591 ग्राम संगठन बने है तथा 56 के साथ 49 संकुल संगठन बने है साथ ही लखपति दीदी रजिस्टर भरने की स्थिति की भी जानकारी ली गई। दुदही, हाटा की प्रगति अच्छी तथा तमकुही, फाजिलनगर ब्लाक में आरसी प्रगति खराब पाई गई। जिसे सुधारने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए।बैठक में सीडीओ गुंजन द्विवेदी, पीडी जगदीश त्रिपाठी, बीडीओ कल्पना मिश्रा, डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, डीपीओ विनय कुमार, जिलाकार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र कुमार राय, उपायुक्त स्वतः रोजगार, डीई एसटी ओ एस के सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अभय पाण्डेय समेत समस्त बीडीओ, एडीओ पंचायत एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिकअप वाहन सहित 65 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। थाना सलेमपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर देवपार चेरो मार्ग पर एक पीकअप वाहन न0 3632 के साथ कुल 65 पेटी विभिन्न धारिताओं (रॉयल स्टेग 10 पेटी 375`, रॉयल स्टेग 37 पेटी 750`, रॉयल स्टेग 2 पेटी 180`, रॉयल चेलेंज 16 पेटी 750`) की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए अभियुक्त . देवेंद्र पुत्र समय सिंह निवासी ग्राम रोहट थाना सोनीपत, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त, बरामद शराब व वाहन को कब्जे में लेते हुए स्थानीय पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 श्री शुशांत सिंह, का0 गुलशन सोनकर, का0 आशुतोष यादव, का0 शम्भु सिंह, का0 रितेश सोनकर और6 का0 बबलू कुमार थाना सलेमपुर शामिल थे।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित

महोबा। थाना खन्ना के अंतर्गत बड़ी आबादी के गांव ग्योंड़ी में मां छोटी भवानी मंदिर प्रांगण में सर्वजातीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का सफल आयोजन राजू बाबा यादव के प्रयास से एवं बुंदेलखंड किसान सेवा समिति और अहिंसा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सोनी के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर तीन जोड़ों ने हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। आयोजन समिति ने नवयुगल जोड़ों को घरेलू सामान व आभूषण उपहार स्वरूप प्रदान किए गए साथ ही वर वधू पक्ष के सदस्यों के भोजन की व्यवस्था की गई। इस शुभ अवसर पर गांव के संभ्रांत नागरिक हिमांशु प्रताप सिंह संपादक बिखरे मोती, ग्राम प्रधान सिद्ध नारायण यादव, प्रभारी पुलिस चौकी ग्योंड़ी अनुरुद्ध सिंह व समाज सेवी रमेश विश्वकर्मा ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में उपस्थित होकर वर-वधू पक्ष को विवाह प्रमाण पत्र के साथ भेंट देते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया और सफल दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं एवं आयोजक मंडल का आभार भी व्यक्त किया।

उर्वरक की कालाबाजारी करने वालों से निपटा जायेगा: डीएम

जिला संवाददाता(vol

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने बताया है कि कृषकों को उनकी जोत, कृषि भूमि और फसल की आवश्यकताओं के अनुसार उर्वरकों का वितरण सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। यह वितरण पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पीओएस मशीनों के माध्यम से संपन्न होगा और इसकी निगरानी राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सख्ती से की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रबी फसलों की बुवाई जोरों पर है, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे फास्फेटिक उर्वरकों की मांग अधिक रहती है। किसानों की इस मांग को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उन्हें समय पर और पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी फसलें बेहतर उत्पादन दे सकें। उर्वरक की कालाबाजारी करने वाले लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा। जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है।

डीएम ने कहा कि उर्वरक के अवैध परिवहन और अनियमितताओं पर नियंत्रण हेतु अंतरराज्यीय सीमाओं पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और स्टेट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को इस संदर्भ में सहयोग प्रदान करने के लिए कहा गया है। बिहार प्रांत की सीमा से सटे पुलिस चौकियों को भी सतर्कता बरतने का आदेश दिया गया है, ताकि उर्वरकों के अवैध परिवहन की कोई संभावना न रह जाए। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित अधिनियमों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सहकारी समितियों, सहकारी संस्थाओं और निजी उर्वरक केंद्रों पर उर्वरकों की बिक्री की सतत निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक का नियमित रूप से भौतिक स्टॉक से मिलान किया जाए। यदि किसी प्रकार की विसंगति पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधिसंगत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राजस्व विभाग के अधिकारियों को अपने-अपने न्याय पंचायतों में स्थित निजी और सहकारी उर्वरक केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने को कहा गया है। यह सुनिश्चित किया जाए कि उर्वरकों का वितरण उनकी देखरेख में हो। किसी भी प्रकार की शिकायत की स्थिति में संबंधित नोडल अधिकारी को तत्काल सूचित करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता अक्षम्य होगी।

रोजगार मेले में 16 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

जिला संवाददाता(vol

देवरिया। जिला सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय और मॉडल करियर सेंटर, देवरिया के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. आशीष पैरामेडिकल कॉलेज, देवरिया में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में 43 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इस मेले में एक कंपनी ने भाग लिया और 16 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया। सेवायोजन अधिकारी ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और असफल अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे कड़ी मेहनत कर भविष्य में सफलता प्राप्त करें।

निर्माण श्रमिकों के पंजीयन के लिए कैंपों का किया जाएगा आयोजन

कुशीनगर। प्रभारी सहायक श्रम आयुक्त स्कन्द कुमार ने बताया कि निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत निर्माण श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण तथा बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

श्री कुमार ने बताया कि इसके लिए आगामी दिनों में जिले के विभिन्न विकास खंडों में कैंपों का आयोजन किया जाएगा। इन कैंपों में निर्माण श्रमिकों को पंजीयन, नवीनीकरण और अन्य योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी दी जाएगी। कैंपों का आयोजन 26 व 27 नवंबर को विकास खण्ड खड्डा में, 06 व 07 दिसंबर को नेबुआ नौरंगिया में, 17 व 18 दिसंबर 2024 को कप्तानगंज में, इसी प्रकार 28 - 29 नवंबर को तमकुहीराज में, 09- 10 दिसंबर को दुदही में, 19-20 दिसंबर को सेवरही में, 26-27 दिसंबर 2024 को सुकरौली में, इसी प्रकार 02 -03 दिसंबर को पडरौना में, 11-12 दिसंबर को विशुनपुरा में, 21 - 23 दिसंबर को रामकोला में अलंकृता उपाध्याय श्रम प्रवर्तन अधिकारी की देख रेख में आयोजित की जाएगी। 04-05 दिसंबर को कसया में, 13 व 16 दिसंबर को फाजिल नगर में महेंद्र कुमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी की देख रेख में आयोजित किया जाएगा। 24 -25 दिसंबर को मोतीचक में, 28-29 दिसंबर 2024 को हाटा में कैंप का आयोजन अलंकृता उपाध्याय श्रम प्रवर्तन अधिकारी की देख रेख में कैंप का आयोजन किया जाएगा। सहायक श्रम आयुक्त ने कहा कि कार्यालय के कर्मियों को इन कैंपों के सफल आयोजन हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पीड़िताओं के विधिक अधिकारों का हनन न हो : अपर जिला जज

देवरिया ।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार वन स्टॉप सेंटर में पीड़िताओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया, मनोज कुमार तिवारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। सचिव ने बताया कि पीड़िताओं के सुरक्षा और उनके अधिकारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

वाहन हमेशा नियंत्रित गति में चलाये

देवरिया । पुलिस अधीक्षक महोदय देवरिया श्र संकल्प शर्मा के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर के दौरान यातायात प्रभारी उ0नि0 गुलाब सिंह मय टीम द्वारा शहर के प्रमुख चौराहा, तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा ट्रैक्टर ट्रालियों एवं ई-रिक्शा पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए ताकि आगामी सर्दियों के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके इसके साथ ही सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया । अभियान के दौरान मोडिफाइड साइलेंसर, ड्रिंक एण्ड ड्राइव, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी, बिना हेलमेट/ सीट बेल्ट, ब्लैक फिल्म लगे वाहनों, एच0एस0आर0पी0 न लगाने वाले एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहनों का चालान किया गया तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया है ।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ किसान दिवस

जिला संवाददाता(vol

कुशीनगर। नवम्बर माह के किसान दिवस का आयोजन बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।जिलाधिकारी ने कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को खाद, बीज एवं रसायनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नियमित क्षेत्र भ्रमण हेतु निर्देशित किया। खाद के संबंध में उन्होंने किसी भी प्रकार की अनुचित भंडारण की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि सभी किसान बंधु मा0 सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें अन्यथा प्रशासन को विधिक कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार द्वारा पिछले माह प्राप्त शिकायतों पर विभागों से प्राप्त निस्तारण आख्या से कृषक जनों को अवगत कराया गया। उनके द्वारा किसानों से फैमिली आईडी हेतु आवेदन करनें एवं किसान सम्मान निधि निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने का अनुरोध किया गया। बैठक दौरान किसानों की शिकायत को संबंधित विभागों को निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

किसान दिवस की बैठक में दी कई योजनाओं की जानकारी

देवरिया । जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन शासन की मंशानुरूप किसानों की समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

किसान दिवस में किसानों ने नलकूप विद्युत कनेक्शन में देरी की समस्या भी उठाई, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत को निर्देशित किया कि सभी कनेक्शन आवेदनों की जांच कर शीघ्र कनेक्शन जारी किया जाए। नहरों की सफाई के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि पानी नहरों के टेल तक पहुंच सके। किसानों की गन्ना भुगतान से संबंधित शिकायत पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही भुगतान कराया जाएगा। कृषकों ने कृषि यंत्रों के दामों में अनावश्यक वृद्धि की शिकायत की और कृषि यंत्र डीलरों के लिए दरों का निर्धारण करने की मांग की ।उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद के प्रत्येक ग्राम में 25 नवम्बर से 31 दिसम्बर, 2024 तक कृषक रजिस्ट्रीकरण योजना शुरू की जा रही है, जिसके तह उन्होंने उर्वरकों और बीजों की उपलब्धता पर भी चर्चा की, और बताया कि बीजों का वितरण प्रतिदिन राजकीय कृषि बीज भंडारों से किया जा रहा है। इस वर्ष अधिक बीज वितरण किया गया है। खाद की उपलब्धता पर भी सभी समितियों पर खाद भेजी जा रही है। साथ ही, कृषि रक्षा इकाई पर कीटनाशक रसायनों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी दी गई मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, देवरिया ने किसानों को पशुधन बीमा योजना के बारे में बताया, जिसमें सामान्य लाभार्थियों को 75 प्रतिशत और अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 90 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

किसान दिवस की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी, प्रभारी जिला कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, अधिशासी अभियन्ता, नहर, सहायक अभियंता, नलकूप, प्रभारी भूमि संरक्षण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत, सहायक अभियन्ता, नलकूप, अग्रणी जिला प्रबन्धक, सहायक निबन्धक सहकारी समितियां, उप क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, अध्यक्ष, दुग्ध विभाग के अधिकारी गण एवं राघवेन्द्र प्रताप शाही, बड़े शाही, कौशलेशनाथ मिश्र, अरविन्द उपाध्याय, इं० अतुल मिश्रा, रमेश मिश्रा, प्रगतिशील किसान एवं अन्य कृषक गण किसान दिवस में उपस्थित थे।

खुद ही उठा लिया फावड़ा, भर दी सड़क

भटनी(देवरिया)। स्थानीय नगर पंचायत के एक वार्ड में जलापूर्ति के लिए खोदी गई सड़क ठीक नहीं किए जाने पर उस वार्ड के लोगों ने ही फावड़ा और तगाड़ी उठा लिया और देखते ही देखते क्षतिग्रस्त सड़क को मिट्टी से पाट डाला। सोशल मीडिया के एक प्लेट फार्म पर एक वीडियो साझा किया गया था जिसमें लिखा था कि टाऊन एरिया बस पाइप डलवाएगी और रिपेयरिंग गांव के लोग करेंगे। इस वीडियो के तह में जाने पर पता चला कि यह वार्ड संख्या 8 हतवा तिवारी टोला का है जहां कुछ लोग सड़क के बीचोबीच मिट्टी डाल कर उसे बराबर कर रहे है। बताया गया है कि एक माह पहले ही वार्ड में जलापूर्ति का पाइप वार्ड में बिछाया गया है। आरोप है कि पाइप बिछाने के बाद सड़क को गढ्ढयुक्त ही छोड़ दिया गया था जिससे मोहल्ले के लोगों को आने जाने में असुविधा हो रही थी। वार्डवासियों की सहूलियत के लिए सभासद सहित कुछ जागरूक लोगों ने वार्ड निवासी मोतीलाल कुशवाहा के मकान से दिनेश प्रसाद के मकान तक की उखड़ी सड़क पर मिट्टी डालकर उसे बराबर किया जिससे आने जाने वालों को असुविधा न हो सके। एक तरफ वार्ड के लोगों ने इस नेक काम के लिए सभासद सहित उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता जताया है जिन्होंने यह नेक कार्य लोगों के चलने लायक सड़क को बनाया है जो एक माह से खराब पड़ी हुई थी वहीं नगर पंचायत कार्यालय को भी खरी खोटी सुनाया है जिसकी लापरवाही से लोगों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया था।

वेद आध्यात्मिक और भौतिक शक्ति का प्रदाता है: मुरली मनोहर

कुशीनगर। वेद भौतिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का प्रदाता है। वेद एक है, जो ग्रन्थ हमें सदाचार की शिक्षा दे वह वेद है। यह पुरातन ज्ञान विज्ञान का भण्डार होने के साथ साथ चिन्तन भी है। इसमें मानव की हर समस्या का समाधान है। यह ईश्वर द्वारा ऋषियों को सुनाये गये ज्ञान पर आधारित है।

उक्त बातें बुधवार को महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन एवं श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय हाटा, कुशीनगर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो मुरली मनोहर पाठक कुलपति श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कही। उन्होंने कहा कि वेद आध्यात्म की शिक्षा के साथ भातिकता की शिक्षा की भी शिक्षा देता है। वेद एक है इसकी चार शाखाएं हैं। वेद वह ज्ञान है जो ब्रह्माण्ड के विषय में सभी विचारों स्त्रोत है ।यह सदा अस्तित्व में रहता है। वेद ज्ञान मूल है। बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित पूर्व सांसद कुशीनगर राजेश पाण्डेय ने कहा कि ज्ञान का दूसरा नाम वेद है। वेदों से ही संस्कृति की रक्षा होगी। इससे हमें प्रेरणा प्राप्त होती है। वेदों को आमजन तक पहुंचाने के लिए इसे सरल बनाना होगा जिससे सामाजिक परिवेश में जो विसंगतियां हैं वह दूर होंगी। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। उन्होंने

● ज्ञान का दूसरा नाम वेद है: पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय

कहा कि संस्कृत एक ऐसी भाषा है जिसे सुनने से व्यकति मंत्रमुग्ध हो जाता है ।संगोष्ठी के सातवें व आठवें को संबोधित करते हुए डा सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि आधुनिक परिवेश में सांस्कृतिक प्रदुषण को नियंत्रित करने के लिए वेदों को अपनाना होगा। वेद भारतीय मनीषा का सूत्र है। वर्तमान परिवेश में पितृ देवो भव का ह्रास तेजी से हो रहा है इसकी रक्षा वेदों से ही संभव है। डा अर्चना शुक्ला ने कहा कि वेद अपौरुषेय है ज्योतिष इसका नेत्र है। ज्योतिष काल गणना करता है। जीवन की आठ तरंगें हैं। व्यक्ति के जीवन पर ग्रहों का प्रभाव पड़ता है इसकी जानकारी हमें ज्योतिष से ही हमें प्राप्त होती है। काशी विद्यापीठ के प्रो सुवाष पाण्डेय ने कहा कि वेद को समझना है तो वेदांगों का अध्यन आवश्यक है। भारतीय वास्तु शास्त्र के 18 प्रवर्तक हैं। यह शास्त्र प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। सुख समृद्धि के लिए जो भी निर्माण हो वह वास्तु के नियमों के द्वारा ही हो। काशी विद्या पीठ के प्रो विनय कुमार पाण्डेय ने कहा कि गांवों तक जब तक वेदों की मूल संकल्पना नहीं जायेगी तब तक वेदों की तरफ लौटना संभव नहीं है। सांस्कृतिक प्रदुषण की समाप्ति से ही वेद अपना स्थान हासिल कर पायेगा। ज्ञान व विज्ञान का केन्द्र वेद है। समापन सत्र के दौरान इस त्रिदिवसीय संगोष्ठी का सारांश पूर्व निदेशक द्वारकाधीश संस्कृत एकेडमी द्वारका के प्रो जयप्रकाश नारायन द्विवेदी ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत प्रबन्ध समिति के मंत्री महामहोपाध्याय आचार्य गंगेश्वर पाण्डेय ने और आभार प्रबन्धक अग्निवेश मणि ने व्यक्त किया जबकि संचालन संजय पाण्डेय व मोहन पाण्डेय ने किया। इस दौरान प्राचार्य डा राजेश कुमार चतुवेर्दी ने समस्त विद्वानों का परिचय दिया।।इस दौरान समस्त आचार्य गण उपस्थित रहे।

840 निजी स्कूलों में 25प्रतिशत सीटें निर्धन और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने अवगत कराया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम, अंतर्गत जनपद के 840 निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटें निर्धन और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए सुरक्षित की गई हैं। इस योजना के तहत एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के बच्चे इन विद्यालयों में प्रवेश के पात्र होंगे। अभिभावक 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आरटीई पोर्टल (६६६.१३ी25४स्त्रर्शूं.ङ्म५.ल्ल) पर आवेदन कर सकते हैं। यह सुविधा उन्हीं विद्यालयों के लिए उपलब्ध होगी, जो आवेदक के निवास स्थान से 1 किलोमीटर के भीतर स्थित हों। उन्होंने बताया है कि यह योजना वंचित और कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने का एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इस पहल से शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सैकड़ों बच्चों को उनके अधिकार का लाभ मिलेगया । जिलाधिकारी ने बताया कि निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार, गैर-सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों को कक्षा-1 या पूर्व-प्राथमिक कक्षा में प्रवेश दिया जाना अनिवार्य है। इसके अंतर्गत चयनित बच्चों की पूरी फीस सरकार वहन करेगी और साथ ही ड्रेस, पाठ्य सामग्री तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए पांच हजार रुपये अतिरिक्त प्रदान किए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्रता श्रेणियों में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग, एचआईवी/कैंसर पीड़ित अभिभावकों के बच्चे, निराश्रित और दिव्यांग बच्चे तथा बीपीएल श्रेणी के परिवार शामिल हैं। आवेदन पत्र के साथ निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, और यदि आवश्यक हो तो दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

मारपीट के मामले मे आधा दर्जन से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज

भटनी(देवरिया)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लहछपरा मे हुई मारपीट के मामले मे एक पक्ष के तहरीर पर आधे दर्जन से अधिक लोगो के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया है ।मारपीट के मामले मे ग्राम दुल्लहछपरा निवासी रीता देवी पत्नी मनोज गोड ने आरोप लगाया है कि मेरे ही गाँव के आदित्य राय सहित सात लोगो द्वारा मेरे पति व मुझे गोलबन्द होकर गाली देते हुए मारते पीटते समय जातिसूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए घर मे भी घुसकर मारे पीटे ।पुलिस ने तहरीर के आधार परसभी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना पुलिस क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी को सौप दिया है ।

राजकीय बालगृह, में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देवरिया। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत राजकीय बालगृह (बालक), देवरिया में वीरांगना दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज में बदलाव के लिए निरंतर प्रयासरत महिला सीमा जायसवाल ने अपनी संघर्षपूर्ण जीवन की कहानियाँ साझा कीं, जिससे उपस्थित सभी ने प्रेरणा ली। साथ ही, एसआई अनीता ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर एक संक्षिप्त चर्चा की, जो महिलाओं के संघर्ष और साहस का प्रतीक हैं। बाल अधिकार दिवस के अवसर पर राजकीय बालगृह में बाल अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला परिवीक्षा अधिकारी अनिल कुमार सोनकर, राजकीय बालगृह (बालक) के प्रभारी अधीक्षक रामकृपाल, वन स्टॉप सेंटर देवरिया की प्रबंधक नीतू भारती, इनर क्लब की सीमा जायसवाल और बालगृह के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

दुष्कर्मी को आजीवन कारावास की सजा

सीतापुर। रेउसा थाने में वर्ष 2024 में रेउसा थाना क्षेत्र के ग्राम गोधनी सरिया निवासी महेसुर पुत्र राम मिलन गौतम के खिलाफ नाबालिक से दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया था। महेसुर पर आरोप था कि उसने 3 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म किया है। इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं0 14ध विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) ने सबूतों को देखने, गवाहो और दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं के बहस सुनने के बाद महेसुर को दोषी करार दिया। न्यायाधीश ने महेसुर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वही न्यायाधीश ने महेसुर पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है।

बिसवां का मेला शुरू

सीतापुर। प्रशासन का कार्य न केवल मेलों की अनुमति देना बल्कि सुरक्षा व्यवस्था देखना भी होता है। लेकिन यहां बिसवां में तो उल्टी गंगा बह रही है। बिना पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन की अनुमति के बाकायदा हजरत गुलजार शाह के उर्स एवं मेले का आगाज हो गया। बताते चलें कि बुधवार की शाम फीता काटकर हजरत गुलजार शाह के उर्स एवं मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। हजरत गुलजार शाह के उर्स व मेले की बाबत जब उपजिलाधिकारी मनीष कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हजरत गुलजार शाह का उर्स एवं मेला परंपरागत है। इसलिए होने दिया जा रहा है। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार शुक्ला ने बताया कि उर्स व मेला परम्परागत है। इसकी परमिशन की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें हाइकोर्ट में रिट याचिका चल रही है। अल्पसंख्यक अधिकारी से पूरी जानकारी आपको मिल जाएगी।

पराली जलाने पर किसान पर 5 हजार का जुर्माना

सीतापुर। कोतवाली महोली इलाके के ग्राम कुल्हौरा निवासी शारदा देवी पत्नी सुंदरलाल के नाम 1 हेक्टेयर से कम खेती है। इसी खेत मे गन्ने की पराली जलाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि सेटेलाइट से प्राप्त रीडिंग के अनुसार कार्रवाई की गई है। मौके पर कृषि विभाग और राजस्व विभाग की टीम पहुंची और खेत में पराली जली हुई मिली। जिस पर कृषि विभाग द्वारा 5 हजार का जुमार्ना किया गया है। टीम में उपदेश सिंह, सहायक तकनीकी प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा, प्राविधिक सहायक कृषि और स्थानीय लेखपाल अशोक कुमार की मौजूदगी में जुर्माना किया गया है। इससे क्षेत्र के किसान पराली जलाने को लेकर सतर्क हो गए हैं। यह क्षेत्र की पहली घटना है जब किसी किसान पर पराली जलाने के आरोप में कृषि विभाग द्वारा जुमार्ना वसूला गया है।

विवि की सेमेस्टर की परीक्षाएं दिसंबर के पहले सप्ताह से

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू कराने की तैयारी है। वर्तमान सत्र की परीक्षाएं पूर्व की भांति कराने पर शासन से सहमति मिली है। समर्थ पोर्टल पर आवेदन नहीं किए जाएंगे। 21 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन किए जाएंगे। महाविद्यालय 23 तक परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय में जमा कर सकेंगे। विश्वविद्यालयों को जारी पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालय स्तर पर समर्थ पोर्टल के समस्त 41 माड्यूल पूर्ण कर लिए गए हैं, परंतु विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के समर्थ पोर्टल के माड्यूल पूर्ण नहीं हो पाए हैं। इससे वर्तमान सत्र में समर्थ पोर्टल के जरिये सेमेस्टर परीक्षाएं करा पाना संभव नहीं हो पा रहा है। मौजूदा सत्र में पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं पूर्व की भांति कराई जाएंगी। यह अनुमति इस शर्त के साथ दी गई है कि अगले सत्र से समस्त परीक्षाएं अनिवार्य रूप से समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही कराई जाएंगी। प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अनुरोध पर पूर्व की तरह परीक्षा कराने के लिए सहमति प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह कहा कि परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए लिए वेबसाइट सक्रिय कर दी गई है। विश्वविद्यालय से संबद्ध जौनपुर और गाजीपुर के समस्त महाविद्यालय के प्राचार्यों को निर्देश दिया गया है कि हर हाल में परीक्षा फॉर्म तय तिथि के अनुसार भरवाने के साथ ही सत्यापन कराएं।

एडीएम ने सुनी किसानों की समस्याएं

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगणों के साथ ही विभिन्न विकास खण्डों के किसान एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक द्वारा उपस्थित समस्त किसान एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये किसान भाईयों से पराली न जलाने का अनुरोध किया गया। कृषक भाई पराली न जलाकर डी-कम्पोजर का उपयोग कर पराली से जैविक खाद तैयार कर सकते है। बैठक में उपस्थित कृषकों को उप कृषि निदेशक, सीतापुर द्वारा डी-कम्पोजर वितरित किया गया। उप कृषि निदेशक, सीतापुर द्वारा विद्युत विभाग को बिजली से सम्बन्धित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

जिला कृषि अधिकारी ने कृषक भाईयों से नैनों यूरिया से बीज शोधित करके बुआई करने का अनुरोध किया। अजिससे कृषक भाई अधिक उपज प्राप्त कर सकते है। बैठक में जनपद में खाद की समस्या के बारे में जिला कृषि अधिकारी ने बताया गया कि कुछ समितियों पर खाद उपलब्ध हो चुकी तथा शीघ्र ही अन्य समितियों पर भी खाद उपलब्ध करा दी जायेगी। बैठक में सिंचाई विभाग द्वारा बताया गया कि 5 दिसम्बर से नहरों में जल का प्रवाह कर दिया जायेगा। अध्यक्ष द्वारा गत माह एवं आज प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्ष द्वारा किसान भाईयों के स्तर से प्राप्त शिकायतों को सुना गया व सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापन के उपरान्त बैठक समापन की घोषणा की गयी।

किसानों को बतायी वायो डिम्पोजर प्रयोग करने की विधि

उन्नाव। शासन द्वारा किसान हित में कृषि लागत में कमी लाने के उद्देश्य से एवं फसल प्रबन्धन हेतु पराली/फसल अवषेश प्रबन्धन हेतु आवश्यक बायो डिकम्पोजर किसानों को उप कृषि निदेशक शशांक के नेतृत्व में विकास खण्ड सिकन्दरपुर सिरोसी के ग्राम ऐराभदियार में कृषक संजीव पुत्र बाबूलाल के खेत पर इन्द्र धनुश वायो डिम्पोजर प्रयोग करने की विधि को विस्तृत जानकारी किसानों को दी, जिसमें उप कृषि निदेशक उन्नाव ने बताया कि 150 ग्राम गुड को लेकर 5 लीटर पानी में मिला लें पूरे मिश्रण को अच्छी तरह से उबाल लें और उसके बाद उसमें से सारी गंदगी निकाल कर फेंक दे जब मिश्रण गुनगुना हो जाए तो इसमें 50 ग्राम बेसन मिला लें, 4 कैप्सूल खोले और मिश्रण में डालें।

उक्त मिश्रण को लकड़ी की सहायता से मिला दें। मिश्रण को सामान्य तापमान वाली जगह पर रखें इसे एक हल्के कपडे से ढक दें और मिश्रण को अब और न हिलाएं दो से तीन दिन में मिश्रण पर क्रीम जमने लगेगी और 5 लीटर गर्म गुड का घोल (विना बेसन के) डालें और इस क्रिया को हर दो दिन मे तब तक दोहरायें जब तक मिश्रण 25 लीटर तक न पहुच जाए 25 लीटर मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें। और अपने खेतों में मिश्रण का उपयोग करें। इस मौके पर प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार आशुतोष, बीटीएम विजय प्रताप सिंह एवं अन्य कृषकों ने मौके पर रहकर जानकारी प्राप्त की एवं प्रदर्शन को देखा।

सियार ने किसान पर किया हमला ग्रामीणों ने सियार को पकड़ा

सीतापुर। थाना खैराबाद इलाके के ग्राम नयागांव निवासी श्याम बिहारी लोधी बुधवार की सुबह गांव के बाहर खेतों की तरफ गए थे। इसी बीच एक खेत से एक सियार निकल आया। इससे पहले कि श्याम बिहारी कुछ समझ पाते, सियार ने श्याम बिहारी पर हमला कर दिया। किसान की चीख सुनते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने घेराबंदी करके सियार को दबोच लिया। ग्रामीणों ने सियार को रस्सी में बांधकर डाल दिया। ग्रामीण सियार को भेड़िया बता रहे थे। तब तक सियार के हमले से श्याम बिहारी जख्मी हो चुके थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इधर सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसने सियार को कब्जे में ले लिया। घटना के संबंध में डीएफओ नवीन खंडेवाले ने बताया कि इस क्षेत्र में भेड़िया नहीं है, इस क्षेत्र में अधिकांश सियार ही हैं।

विद्यालय का कायाकल्प समय से पूर्ण किये जायें: शशांक त्रिवेदी

सीतापुर। बीआरसी पर ग्राम प्रधान,स्थानीय प्राधिकारी निकाय का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महोली विधायक शशांक त्रिवेदी ने प्रधानों और शिक्षकों को संबोधित करके हुए विद्यालय में कायाकल्प के तहत समस्त कार्य पूर्ण करने, विद्यालय को निपुण बनाने, बालिका शिक्षा पर चर्चा की। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी महोली श्री वीरेंद्र कुमार पांडेय, । अतन शुक्ला, अनुपम प्रताप, शरद मिश्र आदि ने शिक्षा विभाग की प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री अरुण मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, ब्लाक के ग्राम प्रधान, पिसावा ब्लॉक प्रमुख, ऐलिया ब्लॉक प्रमुख उपस्थित रहे।

पढ़ाई भी पोषण भी प्रशिक्षण का समापन

नवाबगंज, उन्नाव। स्थानीय विकासखण्ड के ब्लाक सभागार में तीन दिवसीय पढाई भी पोषण भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह द्वारा प्रशिक्षणार्थी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रमाण पत्र तथा खेल सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सीडीपीओ स्वप्निल पाल, एआरपी नवाबगंज आशुतोष सिंह, प्रशिक्षक अंकिता शुक्ला, दीपा सिंह, सरिता राठौर, अनुपमा, पूनम तथा 100 आंगनबाड़ी केंद्रों की आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थिति रही।

फायर एनओसी के दौरान मानकों की होती है जांच: श्री राम साइन

सोनभद्र। बुधवार को मुख्य अग्नि सम्मान अधिकारी श्री राम साइन के नेतृत्व में जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज, एल-2,एमसीएच, पीपी सेंटर शहीद कई एनपीएससी सीएससी पर अग्निशमन यंत्र की जांच की गई वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में फायर एनओसी अभी उपलब्ध नहीं है जिसको लेकर संबंधित को निर्देशित किया गया है जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कराकर एनओसी उपलब्ध करा लें। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के एसएन सीयू के आसपास विभिन्न सुविधाओं के साथ व्यवस्था पाई गई जिसको लेकर संबंधित विभाग को अवगत कराया गया जल्द ही इसमें सुधार कर नए सिरे से व्यवस्था उपरोक्त कारण जिससे कि भविष्य में किसी भी प्रकार से कोई अनहोनी ना हो पाए इस दौरान नोडल अधिकारी कीर्ति आजाद बिना के नेतृत्व में सभी जगह का निरीक्षण करते हुए संबंधित जानकारी से अवगत कराया और तत्काल जो सुविधा पाई गई उनको जल्द से जल्द सुधार करने को बतलाया गया इस मौके पर सीएमएस बी सागर,द्वितीय अग्निशमन अधिकारी करन सिंह यादव, डॉ बी के श्रीवास्तव, सनी राज सरोज फायरमैन ,चंचल आदि लोग उपस्थित रहे।

मां भगवती का विशाल जागरण व मेला का आयोजन

जिला संवाददाता(vol)

पुरवा, उन्नाव। विकास खंड असोहा के मिर्रीकला गांव में मंगलवार की रात मां पूर्वी देवी मंदिर प्रांगण में 17वीं बार मां भगवती का विशाल जागरण व मेला, माता के भव्य श्रृंगार तथा विभिन्न प्रकार की झांकियों के साथ सम्पन्न हुआ।

कलाकारों ने भक्तों को आनंदित किया। असोहा विकास खण्ड के गांव मिर्री कला में स्थापित मां पूर्वी देवी मंदिर स्थल पर मां के जगराते में आर्चाय रुद्रापंडित ने मंत्रोच्चारण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ वाणीवंदना से किया। जागरण पार्टी के कलाकारों में खुशबू ने जागरण की रात, किस्मत से मिली सौगात और बिंदिया रानी, बंगला दिया, गाड़ी दी, कारोबार दिया आदि गीतों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मनोज रसिया ने खाटू श्याम बाला का गीत गाया। गीतों को सुनते ही लोगों ने जमकर तालियां बजायी। झाकियों में फूलों की होली, राधा कृष्ण, शिव पार्वती, काली मां बाहुबली हनुमान आदि की प्रस्तुतियों से दर्शक आह्लादित हुए।

मां के दरवार में सदस्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश सरकार डॉ० प्रियंका मौर्या, संतोष सिंह, मोहन काका, असोहा ब्लॉक प्रमुख आनंद गुप्ता, बृजेश शुक्ला, प्रधान प्रतिनिधि अमित त्रिवेदी, पुरवा चेयरमैन रेनू गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य लखनऊ अमरेंद्र भारद्वाज आदि ने मां की आरती उतारी। इस दौरान आयोजन समिति ने अतिथियों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजक पप्पू चौधरी, प्रकाश चौधरी, मनीष शर्मा, जयप्रकाश, अभिषेक त्रिपाठी, सत्यम विमल, करण चौधरी, दीपक यादव, आनंद शुक्ला, राघवेंद्र सिंह ने आए हुए लोगों का आभार प्रकट किया।

एसपी ने वांछित चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी को किया निर्देशित

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। एसपी चक्रेश मिश्रा ने पुलिस लाइन स्थित महर्षि सभागार में पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस दौरान एसपी ने वांछित छठॅ जिलाबदर अपराधियों के विरुद्ध अब तक की गयी कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न अभियोगो में वांछित चल रहे अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। महत्त्वपूर्ण अभियोगो के निस्तारण एवम् अभियुक्तों के विरुद्ध की गयी कार्यवाही तथा अपहर्ता, गुमशुदा की बरामदगी की समीक्षा की। महिला संबंधी अपराधों की समीक्षा करते हुए जिन प्रकरणो में आरोप पत्र प्रेषित किया जा चुका है उनमें अभियुक्त के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

आबकारी अधिनियमध्योवध अधिनियम के अतंर्गत पंजीकृत अभियोगो व संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध की गयी निरोधात्मक कार्यवाही की समीक्षा की। गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत अपराधियों द्वारा अपराध से अर्जित सम्पत्ति का चिन्हांकन करते हुए उसे कुर्क करने हेतु प्रस्ताव भेजने के लिये भी निर्देश दिये गये।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार

सीतापुर। उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा पेपर लीक साल्वर गैंग मामले में एसओजी व तालगांव थाना पुलिस ने लखनऊ के हसनगंज थाना क्षेत्र के मं0नं0 486/111 डालीगंज सब्जी मण्डी निवासी इरफान पुत्र मोहम्मद अयूब को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि वर्तमान समय में इरफान महाराष्ट्र के मुंबई के पोस्टल कालोनी एरिया चेम्बूर में रहता था। पुलिस का कहना है कि वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी तक 18 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इरफान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया है।

रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार को लेकर किसान यूनियन ने मांग की

पाटन, उन्नाव। वर्षों से जींद सिंह अवस्था में पड़ी बैसवारा रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकट गुट ने पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम के तहत धरना प्रदर्शन किया तथा डीआरएम से संबोधित आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उप जिलाधिकारी की उपस्थिति में टी आई को सौंपा। एक माह का समय देकर उप जिला अधिकारी ने धरना समाप्त कराया।

आजादी से पूर्व बैसवारा के नाम से उन्नाव रायबरेली की सीमा पर स्थित बैसवारा रेलवे स्टेशन के जीणसीण स्थिति को लेकर भारती किसान यूनियन टिकैत गुट के सदस्यों द्वारा 20 नवंबर से अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा की गई थी जिसको लेकर बुधवार को किसान यूनियन द्वारा बैसवारा रेलवे स्टेशन पर धरना प्रदर्शन का यह कार्यक्रम मीडिया प्रभारी संयोजक राम प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें 8 सूत्रीय मांगों को लेकर यह धरना प्रदर्शन किया गया था। यूनियन के सदस्यों ने बैसवारा रेलवे स्टेशन की इमारत को नवीनीकरण कराए जाने एवं स्टेशन मास्टर के लिए दो कमरे व यात्री प्रतीक्षालय बनाए जाने की बात कही। दूसरी मांग में उन्होंने बैसवारा रेलवे स्टेशन को हार्ट खत्म करके पूर्ण स्टेशन का दर्जा दिए जाने की मांग की है तीसरी मांग बैसवारा रेलवे स्टेशन में डबल लाइन बनवाया जाए। रहे। समस्याओं से संबंधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी रणवीर सिंह की मौजूदगी में उत्तर रेलवे से आए बालमुकुंद को सौंपा।

अपने पति का बदला लेते हुए 36 अंग्रेज सैनिकों को मार गिराया: शशांक त्रिवेदी

जिला संवाददाता(vol)

- ब्लॉक परिसर में पासी सम्मेलन का हुआ आयोजन
- महोली में हंसा पासी स्मारक प्रतिमा व उदा देवी के नाम पुस्तकालय का होगा निर्माण

महोली/सीतापुर। 2017 के चुनाव में मेरे साथ बहुत से साथी रहे बहुत साथी नहीं रहे। उन्हें लगा अगर मैं हार गया तो जीतने वाले लाठी चलाएंगे व फर्जी मुकदमे में फंसा देंगे।

मेरे पिताजी बैंक में अधिकारी थे मैं बचपन से ही लखनऊ में रहा हू मैने 15-20 दिन में चुनाव लड़ा और आप सबके सहयोग से विजय हासिल हुई। यह उदगार वीरांगना ऊदा देवी पासी के शहीदी दिवस पर ब्लॉक परिसर में विधायक शशांक त्रिवेदी ने कही। उन्होंने कहा कि पासी समाज हमेशा निडर रहा है। पासी समाज का सम्मेलन हर वर्ष होना चाहिए। आजादी की लड़ाई में पासी समुदाय का अतुलनीय योगदान रहा है। पासी समुदाय उत्तर भारत के तराई क्षेत्र में कई सौ साल पहले राजवंश की स्थापना की थी। और लगभग 300 वर्ष तक राज्य किया था।

लखनऊ में पासी राजाओं के कई किले आज भी हैं। लखनऊ को बसाने का श्रेय भी पासी राजाओं का है। सीतापुर जिला छीता पासी की विरासत है। ऊदा देवी अंग्रेजों से लोहा लेने वाली महिला सैनिक थी जिन्होंने अपने पति का बदला लेते हुए 36 अंग्रेज सैनिकों को मार गिराया। मुझे प्रदेश अध्यक्ष ने मांग पत्र है मैं वादा करता हूं कि महोली में हंसा पासी स्मारक व प्रतिमा का अनावरण शीघ्र किया जाएगा। वही वीरांगना ऊदा देवी के नाम से पुस्तकालय खोला जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक ब्लॉक प्रमुख जगदीश प्रसाद ने विधायक शशांक त्रिवेदी को मुकुट व गदा से सम्मानित किया। कार्यक्रम को प्रदेश अध्यक्ष महाराज छीतावासी सेवा संस्थान महेश प्रसाद राजवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर रमेश कुमार भार्गव, अशोक राजवंशी, संतोष भार्गव, संत कुमार, भानु राजवंशी, गया प्रसाद, डॉक्टर राजीव कुमार राज, परशुराम, मनोज राजवंशी सहित पार्टी समाज मौजूद रहा।

जमीनी विवाद में महिला पर देवर भाभी ने किया हमला

पाटन, उन्नाव। जमीनी विवाद को लेकर देवर व उसकी पत्नी द्वारा लाठी डंडों व धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिए जाने के मामले में पीड़िता ने थाना पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। बिहार थाना के पाटन चैकी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दुबाई की तारा पत्नी राजेश ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की और बताया कि मंगलवार को देर रात जमीनी विवाद को लेकर पीड़िता के देवर ललित उसकी पत्नी रेनू व पुत्री प्रतिभा ने उसके घर पर आकर लाठी डंडे से मारा पीटा तथा चाकू मार कर प्रार्थिनी को घायल कर दिया। मारपीट की इस घटना में पीड़िता व उसकी पुत्री को शारीरिक छोटे आई हैं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों द्वारा उसे जान से मार देने का भी प्रयास किया गया किंतु वह जैसे तैसे जान बचाकर भाग निकली। थाना प्रभारी सुरेश चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

रानी लक्ष्मी बाई का साहस और शौर्य आज भी प्रेरणास्रोत : अजय

सीतापुर। साहस और देशभक्ति की सच्ची प्रतिमूर्ति झांसी की रानी लक्ष्मी बाई द्वारा विपरीत परिस्थितियों में लिए गए देश रक्षा हित दृढ़ संकल्प वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे।

रानी लक्ष्मीबाई ने अग्रेजों की दमनकारी नीतियों का साहसपूर्वक विरोध किया और जीवन के अंतिम क्षणों तक हार नहीं मानी। रानी लक्ष्मी बाई ने अपनी मातृभूमि की रक्षा और सम्मान के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। रानी लक्ष्मी बाई का साहस और शौर्य आज भी लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन के शास्त्री सभागार में आयोजित रानी लक्ष्मी बाई की जयंती पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, भारत माता सरस्वती माता एवं रानी लक्ष्मी बाई के चित्रों पर माल्यार्पण करते हुए आरएसएस के जिला प्रचारक अजय ने यह बात विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में उनकी बहादुरी और प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। विपरीत परिस्थितियों ने उनके नेतृत्व ने दिखाया कि दृढ़ संकल्प क्या होता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में आर एस एस के जिला कार्यवाह देवेंद्र सिंह ने कहा आज भी जब किसी लड़की के कोई विशेष बहादुरी का काम किया जाता है तो उसका हौसला अफजाई करने के लिए मात्र झांसी की रानी कह देने से उसके अंदर जोश का समुद्र उफान लेने लगता है। निःसंदेह महिला शसक्तीकरण की भारतीय बड़ी एंबेसडर है झांसी की रानी लक्ष्मी बाई। कार्यक्रमध्यक्ष के रूप में सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन आर के वाजपेई विरल ने कहा कि १९ वी सदी का दौर जिसमें एक सामान्य परिवार की लड़की ने अपनी असाधारण प्रतिभा से दुनिया के सबसे बड़े तानाशाह देश को अपनी नीतियों को बदलने पर मजबूर कर दिया। देश भक्ति राष्ट्र प्रेम, वीरता साहस की सच्ची मिसाल बनकर २१ वी सदी को राह दिखाती क्रांतिकारी महिला जो आज भी भारत की एंबेसडर है। इससे पूर्व सभी अभ्यगत अतिथियों का सम्मान डिप्टी मैनेजर वागीश दिनकर वाजपेई वाइस प्रिंसिपल यशपाल वर्मा एवं आर के वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्तुति वर्मा अंशिका मिश्रा, एवं दिया राय द्वारा मां शारदे की वंदना से किया गया। दिया राय द्वारा दुर्गा स्तुति, मानवी वर्मा द्वारा भाव नृत्य, उज्जवल वर्मा द्वारा हे मुक्त कंठ कविता पाठ दिव्यांशी दीक्षित द्वारा निर्जला शुष्क, पलक वर्मा द्वारा आजकल की मम्मी उदित सिंह श्रेय वाजपेई, अंशिका वर्मा, मानवी वर्मा अलंकृता रस्तोगी आशुतोष वर्मा, उज्जवल वर्मा अंश पटेल दीपा द्वारा रानी लक्ष्यामप बाई के जीवन से जुड़ी लघु नाटिका का मनोहारी मंचन सहित अन्य विद्यार्थियों द्वारा कविता एवं मुक्तक का वचन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक प्रमुख प्रतिभा सिंह ने किया।

संक्षेप

कचहरी गये युवक को दी जान से मारने की धमकी

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला छत्रसालपुरा निवासी गजेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व.हरिश्चंद्र जैन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 नवम्बर को अपराह्न करीब 3 बजे वह कचहरी गया हुआ था। जहां मध्य प्रदेश के जिला सागर अंतर्गत बड़ा बाजार निवासी नरेन्द्र कुमार सोनी, शरद कुमार सोनी ने एकराय होकर भांजे से राजीनामा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया कि उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि वह कृष्णा मैरिज गार्डन के बगल में आता-जाता है, जिससे उसके जानमाल का खतरा बना हुआ है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

भारी मात्रा में आतिशबाजी बरामद

ललितपुर। थाना जखौरा में तैनात उप निरीक्षक कुलदीप राणा ने बताया कि वह अपने हमराह का.सुरजीत व का.योगेश के साथ सरकारी वाहन से चैकी बांसी क्षेत्र में गश्त कर रहा था। तभी थाना जखौरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम नदनवारा पहुंचे तो मुखबिर की सूचना पर नदनवारा फ्लाई ओवर के पास खड़ा एक युवक को देखा, जो कि मौके से सामान छोड़कर भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने युवक द्वारा छोड़े गये सामान में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, जिसमें सुतली बम, रॅकिट, आतिशबाजी व छोटे पटाखे बरामद किये। पुलिस ने भागे हुये युवक के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 5 व 9 बी (1)(बी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मोबाइक जलाकर दी जान से मारने की धमकी

ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत ग्राम हरपुरा मडिया निवासी मुकेश सिंह लोधी पुत्र भरत सिंह ने थाना महरौनी में तहरीर दी है। तहरीर में मुकेश सिंह लोधी ने बताया कि वह अपने चाचा के पुत्र विजय सिंह के साथ मोटर साइकिल संख्या एम.पी.16 जेड.डी. 3035 से महरौनी काम के लिए आये थे। बताया कि 19 नवम्बर को जब काम करके वापस लौट रहे थे, तभी टीकमगढ़ रोड दालमील के पास पहुंचे तो वहां रास्ते में खड़े टीकमगढ़ के ग्राम नीमखेरा निवासी गिन्नी उर्फ धर्मेंद्र यादव पुत्र हरीराम, टीकमगढ़ के ही ग्राम नैगुवां निवासी प्रताप यादव पुत्र गोविन्ददास व सूरजपुर निवासी संजू यादव पुत्र जयराम ने उसे रोक लिया और गालियां देते हुये मारपीट कर दी। बताया कि उक्त लोगों ने मोटर साइकिल में आग लगाते हुये जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (2), 324 (4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

महिला ट्रेन यात्री का पर्स किया चोरी

ललितपुर। धानूरोड स्पेशल ट्रेन संख्या 09044 में सफर कर रहीं गुजरात राज्य की आमोद कालोनी बापी निवासी प्रतिमा देवी पत्नी विनोद गुप्ता ने जीआरपी थाने में जानकारी दी कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र से ट्रेन गुजरते समय किसी अज्ञात महिला ने झांसी स्टेशन पर उसका लेडीज पर्स चोरी में से 1680 रुपये निकालकर चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने महिला की तहरीर पर अज्ञात महिला के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

चन्देरा स्थित जमीन पर अवैध कब्जा का आरोप

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम रौंडा निवासी डॉली राजा पुत्री देवी सिंह ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुये बताया कि आराजी संख्या 368/1 रकबा 0.393 हे. जो कि ग्राम चंदेरा में है और वह उनकी भूमिधरी आराजी है। आरोप लगाया कि उक्त आराजी पर सत्तादल से जुड़े नेताओं द्वारा अवैध कब्जा किये हुये हैं।

बताया कि वर्ष 2021 से वह मामले की लगातार शिकायत करती आ रही हैं, लेकिन कार्यवाही न होने से उक्त आराजी पर आज भी कब्जा बना हुआ है।

डॉली राजा ने यह भी बताया कि उसकी जानमाल को खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने एसपी से मामले की जांच करायी जाकर जानमाल की सुरक्षा कराये जाने की गुहार लगायी है। शिकायती पत्र देते समय डॉली राजा की बहन कु.प्रीति राजा भी मौजूद रहीं।

आयुक्त ने की विकास कार्य कानून व्यवस्था की समीक्षा

जिला संवाददाता(vol)

बांदा। आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक हुई। आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस प्रकरणों का निस्तारण समय से गुणवत्तायुक्त किया जाए और कोई भी शिकायत डिफाल्टर नही होने पाये। कहा जिन प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण की आवश्यकता हो, उन्हें भी समय पर निरीक्षण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट करते हुए निस्तारण किया जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में भी गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने मण्डल के जनपदों की रैंकिग में भी सुधार लाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सभी लाभार्थियों को आगामी एक सप्ताह का अभियान चलाकर शत प्रतिशत रूप से तीनों किश्तों की धनराशि दिलाये जाने एवं आवास पूर्ण किये जाने की स्थिति, छूटे हुए पात्र लाभार्थियों की सूची बनाने का कार्य सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को विद्युत आपूर्ति में सुधार लाने एवं निर्धारित समयानुसार आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने, खराब ट्रान्सफार्मर शहरी क्षेत्रों में 24 घण्टों में एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित अवधि में बदले जायें। किसान सम्मान निधि के अवशेष किसानों का अधार सत्यापन का कार्य पूर्ण किये जाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में महोबा व हमीरपुर में बेहतर कार्य किया गया है, उन्होंने मण्डल के अन्य जनपदों में भी इसी प्रकार कार्य किये जाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मोबाइल मेडिकल यूनिट 102 एवं 108 एम्बुलेन्स सेवा तथा अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी उपकरणों को ठीक रखे जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निराश्रित गौवंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने तथा पर्याप्त भूसा, चारा आदि की व्यवस्था रखने के निर्देश दिये एवं हरे चारे हेतु चारागाहों की भूमि का सत्यापन कराकर हरा चारे उगाने की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप, जिलाधिकारी चित्रकूट शिवशरणअप्पा जीएन, जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम, जिलाधिकारी महोबा, संयुक्त विकास आयुक्त सहित मण्डल के मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विरासतों का संरक्षण करना हम सबका नैतिक दायित्व

ललितपुर। विश्व विरासत सप्ताह के दूसरे दिन क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई झांसी मण्डल, इन्टैक ललितपुर चैप्टर, बुन्देलखण्ड इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व समिति द्वारा संयुक्त रूप से ए.बी.एम. इण्टर कॉलेज में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पॉवर प्वाइन्ट प्रेजेन्टेशन एवं व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर 150 छात्रों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें

● विश्व विरासत सप्ताह के दूसरे दिन हुई प्रतियोगिताएं

सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रमाणपत्र तथा प्रतियोगिता में प्रथम वैष्णवी साहू, द्वितीय राखी राजपूत एवं तृतीय डॉली साहू को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहरलाल कार्यक्रम में मौजूद रहे। राज्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश अपितु संपूर्ण विश्व विविधताओं एवं विरासतों से भरा है। इन विरासतों का संरक्षण करना हम सबका नैतिक दायित्व है। बुन्देलखण्ड की प्राचीन विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रदेश सरकार पूरी जागरूकता से कार्य कर रही है। जिसके सार्थक परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। इन्टैक संयोजक संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि इन्टैक लगातार अपनी धरोहरों को बचाने, संजोने एवं विकसित करने हेतु सक्रिय है। हमने ललितपुर की विरासत को विश्व स्तर पर पहुंचाया है तथा लगभग 25 लाख लोंगो को धरोहरों के प्रति जागरूक किया है। जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इन्टैक के प्रयासों से एक दिन ललितपुर पर्यटन का केन्द्र बिन्दु बनेगा तथा सैलानी यहां आयेंगें जिसके फलस्वरूप स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होंगे। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा.मनोज कुमार यादव ने अपने पॉवर प्वाइन्ट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किये। उन्होंने भारत के संरक्षित 43 स्मारकों के छाया चित्र दिखाकर उनके ऐतिहासिक पुरातात्विक, सांस्कृतिक महत्व के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की। 2024 के विश्व विरासत के थीम विविधता को देख अनुभव करने के प्रति लोंगो से आग्रह किया कि अपने संस्कृति के प्रति जागरूक हों और अपने सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धराहरों का संरक्षण एवं विकसित करने में अपना योगदान दें। कलाविद ओ.पी. बिरथरे एवं विद्यालय के संस्थापक कैलाश नारायण ड्योढि ?ा ने संयुक्त रूप से धरोहरों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने की अपील की।

गैंगेस्टर के पांच आरोपियों को 6 वर्ष की कठोर कैद

जिला संवाददाता(vol)

बांदा। चर्चित दोहरे हत्याकांड के पांच गैंगेस्टर आरोपियों को दोषी पाते हुए अपर सत्र विशेष न्यायाधीश एडीजे पंचम गुणेन्द्र प्रकाश ने 6 वर्ष के कठोर कारावास एवं 7 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। विशेष लोक अभियोजक गैंगेस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने बताया कि थाना कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक मनोज कौशिक ने बीती 11 जनवरी

● प्रत्येक को 7 हजार जुर्माना

2008 को प्राथमिकी दर्ज कराई कि शैलेन्द्र उर्फ बउवा निवासी गुलाब बाग अलीगंज, अमित करिया निवासी छावनी, सौरभ धुरिया निवासी छावनी, नंदू गुप्ता ठठराही बाजार व कादिर निवासी खाईंपार का संगठित गिरोह है। इनके विरूद्ध कोतवाली नगर में धारा 2/3 गैंगेस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मामले की विवेचना निरीक्षक कृपाल सिंह परिहार ने की। विशेष लोक अभियोजक गैंगेस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने न्यायालय को यह भी बताया कि 19 सितंबर 2007 को सभी आरोपियों ने एक साथ दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। यह बेहद शातिर किस्म के अपराधी हैं। इन्होने और भी हत्याएं की हैं। गैंग लीडर शैलेन्द्र उर्फ बउवा के ऊपर हत्या सहित लगभग 50 से ज्यादा मुकदमें चल रहे हैं। यह जिले का हिस्ट्री शीटर व खतरनाक अपराधी है। दोहरे हत्या के मुकदमें में पहले ही सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। इनके आतंक से आस-पास के क्षेत्र में दहशत फैली हुई है। अदालत ने सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 8 गवाह पेश किए गये। विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट गुणेन्द्र प्रकाश ने पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी शैलेन्द्र उर्फ बउवा, अमित करिया, सौरभ धुरिया, नंदू गुप्ता व कादिर को दोषी पाते हुए 6 वर्ष की कठोर कैद व 7 हजार रुपये की अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुमार्ना न अदा करने पर सभी को दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर करने में ललितपुर करेगा महत्वपूर्ण योगदान

ललितपुर। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर लाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार संकल्पित हैं, इसके लिए प्रदेश सरकार ने विगत वर्षों में इन्वेस्टर्स समिति का आयोजन कर उत्तर प्रदेश में दूसरे प्रदेशों व देशों के इन्वेस्टरों के द्वारा निवेश का मार्ग प्रशस्त किया है ।प्रदेश की इस 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में जनपद

● डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी सेक्टरों में जनपद का जीडीपी बढ़ाने पर दिया जोर

ललितपुर का व्यापक योगदान हो, इसके लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने आज बुधवार को कलैक्ट्रेट सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक जनपद के विभिन्न सेक्टरों के सकल घरेलू उत्पादों की विस्तृत समीक्षा की ।समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रुप से कहा कि प्रदेश की जीडीपी में जनपद ललितपुर का अच्छाखासा योगदान हो, यहां के लोग भी बहुत महनती हैं, अपनी मेहनत व कार्यकुशलता से कृषि व फसलों के उत्पादन से लेकर घरेलू उत्पादों से प्रदेश व देश की जीडीपी में अपना योगदान देते हैं, उन्होंने कहा कि अब अधिकारियों को देखना है कि किस-किस सेक्टर में और क्या-क्या सम्भावनाएं हैं, इसके लिए उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देश दिये कि वह एक सप्ताह में सभी को बताएं कि पिछले आंकड़ों के सापेक्ष और किस-किस सेक्टर को कैप्चर किया जाए, कि जनपद की जीडीपी तेजी से ग्रोथ करे और जनपद प्रदेश की 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में चमकते सितारे की तरह दिखे ।उन्होंने कहा कि प्रकृति ने जनपद को प्राकृतिक सम्पदा व प्राकृतिक संसाधन से परिपूर्ण किया है, इसका सही दिशा में सदुपयोग करते हुए प्रदेश व राष्ट्र के हित में लगाना है। उन्होंने जनपद के सकल घरेलू उत्पाद को प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र में बांटकर योगदान का समीक्षात्मक विश्लेषण करते हुए समीक्षा की, समीक्षा में पाया गया कि प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न फसलों के उत्पादन, उत्पादकता एवं मूल्यवृद्धि, वृद्धि एवं कमी वर्ष 2022-23 के सापेक्ष 2023-24 में ज्वार एवं अरहर का उत्पादन शून्य रहा, इसका मुख्य कारण भूमि आच्छादन में कमी है। वहीं धान, मक्का, उरद, मूंग, तिल, मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में क्रमशः 341 प्रतिशत, 121, 130, 88, 169, 95 एवं 261 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसका कारण फसलों के आच्छादन क्षेत्र में वृद्धि है ।उत्पादकता का विष्लेशण करने पर पाया गया है कि धान की उत्पादकता में पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत की कमी प्रदर्शित हो रही है, जबकि मक्का, उड़द, मूंग, तिल, मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादों में वृद्धि हुई है ।इसी प्रकार द्वितीयक सेक्टर में डेयरी उत्पाद, पेय उत्पाद, विद्युत उत्पादन इत्यादि को शामिल किया गया है।

तृतीयक सेक्टर में व्यापार, मरम्मत, पर्यटन के द्दष्टिगत पंजीकृत होटल एवं जलपान गृह सम्मिलित करते हुए समीक्षात्मक विष्लेशण किया ।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी केके पाण्डेय, सिम्भागीय परिवहन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला खनन अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

संगठन मंत्री की मां को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

बांदा। भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर की मां के निधन पर देश व प्रदेश के कई मंत्री विधायक व हस्तियां श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके गांव महुआ स्थित निवास में पहुंच रही हैं। तेलंगाना प्रदेश के संगठन महामंत्री की मां का बीते दिनों देहांत हो गया था। इस जानकारी के बाद जिले के बांदा-इलाहाबाद मार्ग पर स्थित महुआ गांव श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके घर देश भर के भाजपा नेताओं तथा शुभ चिंतकों का पहुंचने का लगातार क्रम जारी है। बुधवार को केन्द्रीय मंत्री निरंजन ज्योति, प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व मंत्री डॉ महेन्द्र सिंह, मध्य प्रदेश प्रभारी धर्मवीर प्रजापति, यूपी सी एल डी एफ चेयरमैन वीरेन्द्र कुमारर तिवारी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी हिमांषु दुबे, विधायक कौशलेन्द्र सिंह के अलावा कई भाजपा नेताओं, शुभ चिंतकों और हस्तियों ने संगठन मंत्री चंद्रशेखर से मुलाकात कर उनकी माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जगराम सिंह, शीला सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष प्रेमनारायण द्विवेदी, महामंत्री विवेकानंद गुप्ता, अजीत प्रकाश गुप्ता, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आनंद स्वरूप द्विवेदी मौजूद रहे।

विधायक ने चौपाल लगाकर सुनीं जनसमस्याएं

महोबा/चरखारी। चरखारी ब्लाक क्षेत्र के ग्राम अकठौहा खुडा व ग्राम लुहारी में चौपाल लगाकर चरखारी विधायक डॉक्टर बृजभूषण सिंह उर्फ गुड्डू राजपूत ने ग्रामीणों की समस्या सुनीं तथा फोन करके सम्बंधित अधिकारियों को निराकरण हेतु निर्देशित किया। चौपाल में आयी सिंचाई, खाद, बीज, सिंचाई, स्कूल, पुलिस से सम्बंधित शिकायतों पर विधायक बृजभूषण सिंह उर्फ गुड्डू राजपूत ने मोबाइल का स्पीकर खोलकर अधिकारियों से बात कर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद पंचायत सचिव रमेश गुप्ता से विधायक बृजभूषण सिंह ने कड़े निर्देश पर कहा कि ग्रामीण आवास चयन में भेदभाव नहीं होना चाहिए हर पात्र व्यक्तियों को आवास योजना का लाभ मिलना चाहिए। सिंचाई के लिए मोबाइल के माध्यम से एसडीओ विद्युत चरखारी भोलेनाथ सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली व 15 किमी तक अलग से विधुत लाईन का स्टीमेट तैयार कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीओ पंचायत राकेश त्रिपाठी, ग्राम प्रधान लुहारी भान सिंह, ग्राम प्रधान गौरहारी खलक सिंह, प्रधान अकठौहा मदन पाल, पुर्व प्रधान चंद्रशेखर, शिवराम राजपूत, रामस्वरूप आदि मौजूद रहें।

जेई सस्पेंड, दो संविदा कर्मचारी बर्खास्त

बरेली। किसानों से अवैध वसूली एस्टीमेट बनवाने के नाम पर करते हैं अवैध वसूली खेल जारी है। लगातार बिजली विभाग अपनी भ्रष्टाचार की कार्यशैली के लिए इन दिनों सुर्खियों में है। नया मामला आंवला ग्रामीण क्षेत्र से सामने आया है जिसमें एक जेई को सस्पेंड किया और भमोरा क्षेत्र में दो संविदा कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है। लगातार मिली शिकायतों के बावजूद चीफ इंजीनियर कोई भी कार्रवाई नहीं कर सके। सूत्रों की माने तो चीफ इंजीनियर मुख्यालय पर उपस्थित नहीं थे शायद इस वजह से इतनी बड़ी करवाई हुयी। अगर वे मुख्यालय उपस्थित होते तो शायद सुस्पेंसन रुक जाता?.. अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह ने अपने सस्पेंड लेटर में लिखा है कि सरकारी काम में रुचि ना लेना, बिल राजस्व ना वसूलना और कटे हुए कनेक्शन को पैसे लेने के बाद दोबारा जोड़ देना ऐसे संविदा कर्मचारियों को विभाग में कोई काम नहीं है।

ऐसे लोगों की सेवाएं समाप्त की जाएं अधीक्षक अभियंता ने ऐसे दोनों संविदा कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की है। बताते चलें लगातार समाचार पत्रों में विभाग की मनमानी, कमीशन खोरी आए दिन प्रकाशित होती रहती हैं इसके बाद भी आज तक चीफ इंजीनियर बरेली रणविजय सिंह ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके। बरेली जिले में बिजली विभाग के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) को भ्रष्टाचार और कर्तव्य पालन में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। आंवला ग्रामीण क्षेत्र के मानपुरा विद्युत उपकेंद्र में तैनात जेई सुनील कुमार पर स्थानीय निवासियों और उपभोक्ताओं ने भ्रष्टाचार और कर्तव्य पालन में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए थे। आरोप था कि वह ट्रांसफार्मर की मरम्मत, नए कनेक्शन की मंजूरी और बिजली बिलों में हेरफेर के नाम पर रिश्वत मांगता था। इसके अलावा वह बिजली चोरी रोकने में नाकाम रहा और कई अवैध कनेक्शनों को नजरअंदाज करता था।

कथित डॉक्टर द्वारा किये गये ऑपरेशन से संक्रमित हुए युवक की मौत

ललितपुर। डॉक्टरों की कमी, और झोलाछाप कथित डॉक्टरों की चांदी, जी हां यह सच है। ललितपुर जनपद उत्तरप्रदेश का सबसे आखिरी जनपद है, जहां से चारों ओर से मध्यप्रदेश की सीमाएं लग जाती हैं,

● सरकारी चिकित्सकों की कमी के कारण जनपद में धडल्ले से चांदी काट रहे झोलाछाप डॉक्टर

पिछड़ा जिला होने के कारण यहां पर पर्याप्त स्वास्थ्य व्यवस्थाएं नहीं हैं, और चिकित्सकों की नितांत कमी हमेशा बनी रहती है। डॉक्टरों की कमी के चलते मजबूरन लोगों को झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाना पड़ता है, और अधिकतर अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है।

जनपद में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है, चाहे बवासीर का आपरेशन हो, या भगंदर का या प्रोस्टेट, फोड़ा, फुंसी, बुखार सहित ढेरों बीमारियों का इलाज यह अप्रशिक्षित, अल्पशिक्षित लोग अपनी क्लीनिकें खोलकर गरीबों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। वैसे तो जनपद में पिछले एक दशक में सैकड़ों मामले प्रकाश में आये हैं, जिनमें झोलाछाप कथित चिकित्सकों से इलाज कराकर अनेकों लोगों ने अपनी जान से हाथ धोया तो अनेकों लोग गम्भीर रूप से बीमार होकर मरते-मरते बचे, बावजूद इसके जिला प्रषासन एवं स्वास्थ्य विभाग अपनी आंखे बंद किये बैठा है। एक ऐसा ही मामला फिर प्रकाश में आया है, जहां एक युवक ऐसे कथित चिकित्सक से उपचार कराकर गंभीर संक्रमण का शिकार होकर अपनी जान गंवा बैठा। जनपद के थाना जाखलौन अंतर्गत ग्राम बम्हौरीकलां निवासी लल्लूराम पुत्र. रिखी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि विगत 25 जून को वह अपने 38 वर्षीय पुत्र वीरेन्द्र कुमार का इलाज कराने के लिए नगर में आया था, उसने डा0 आनंद विश्वास की अस्पताल में जाकर अपने पुत्र को दिखवाया तो उक्त कथित चिकित्सक द्वारा जांचोपरांत बताया गया कि उसके पुत्र को बबासीर की गम्भीर समस्या है, जिसका आपरेशन करना होगा, जिससे वह घबरा गया। शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि उक्त कथित चिकित्सक ने अपने दो पुत्रों की सहायता से उसके पुत्र वीरेन्द्र का ऑपरेशन कर डाला और आपरेशन व दवा के एवज में 15 हजार रूप्या वसूल लिया। उपचार उपरांत वह अपने पुत्र को गांव ले गया, लेकिन 15 दिनों तक कुछ भी आराम न मिलने पर वह पुनः डा0 आनंद विश्वास के पास पहुंचा और अपनी समस्या बताई तो कथित डॉक्टर ने इलाज करने से मना कर दिया। जिस पर वह अपने पुत्र को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा और उसे भर्ती कराया, लेकिन आराम न मिलने पर उसके पुत्र को झांसी रिफर कर दिया गया जहां चिकित्सकों ने बताया कि उसके पुत्र का गलत आपरेशन कर दिया गया है जिससे शरीर में संक्रमण फैल गया है, और इलाज करने से हाथ खड़े करते हुये एम्स ले जाने की सलाह दी, जिस पर पीड़ित 26 जुलाई को अपने पुत्र को इलाज के लिए एम्स भोपाल ले गया। इलाज के दौरान 5 अक्टूबर को उसके पुत्र की मौत हो गई।

खोई चेन बरामद कर पुलिस ने पीड़िता को सौंपी

बांदा। शहर के महेश्वरी देवी मंदिर में दर्शन करने गयी महिला की सोने की चेन पूजा के दौरान गिर गयी थी। उन्होने काफी खोजबीन की लेकिन चेन नही मिली। घटना बीते 18 नवंबर की है। अनुराधा शुक्ला पत्नी कृष्ण अवतार शुक्ला निवासी ग्राम श्योंढ़ा थाना गिरवां ने इस मामले की सूचना थाना कोतवाली नगर में दी। उन्होने बताया कि पूजा करने के दौरान 30 ग्राम सोने की चेन कहीं गिर गयी है। बलखंडीनाका चैकी प्रभारी विवेक त्रिपाठी ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होने आस-पास मौजूद लोगो से भी पूंछताछ की। सीसीटीवी फुटेज की जांच से मालुम हुआ कि ग्राम महुआ थाना गिरवां निवासिनी महिला ने चेन को उठाया है। पुलिस ने महिला के बारे में जानकारी की और चेन पीड़ित महिला को सौंप दी। खोई हुई चेन पाकर अनुराधा शुक्ला ने पुलिस की कार्रवाई से प्रशन्न होकर धन्यवाद दिया। बताते चलें कि सोने की चेन की बरामदगी की जानकारी मिलने पर लोगों ने उप निरीक्षक विवेक त्रिपाठी की कार्यशैली की प्रशंसा की और कहा कि यह कार्रवाई कर उन्होने मिशाल कायम की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान 23 व 24 को

बांदा। विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में विशेष अभियान की तिथियों 23, 24 नवंबर को अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराये। जिला अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियत कार्यक्रम के अनुसार जनपद के अंतर्गत आने वाली सभी विधानसभाओं तिंदवारी, बबेरू, नरैनी, बांदा में अर्हता 1 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन बीते 29 अक्टूबर को सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों एवं पदाभिहीत स्थलो, मतदान केन्द्रों में करा दिया गया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 29 अक्टूबर से 28 अक्टूबर के मध्य आगामी तिथियां 23 व 24 नवंबर को आवेदन दे सकते हैं। उन्होंने सभी अर्ह नागरिकों से अपील की है कि विशेष अभियान की तिथियों में अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाता सूची का निरीक्षण कर सकते हैं। यदि किसी अर्ह मतदाता जो 1 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का हो परन्तु उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो तो वह प्रारूप 6 में अपना आवेदन संबंधित पदाभिहित स्थल पर नियुक्त पदाभिहीत आफिसर, बूथ लेविल अधिकारी के समक्ष अथवा संबंधित क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मतदाता पंजीकरण केन्द्र में प्रस्तुत कर सकता है। इसी प्रकार किसी भी सम्मिलित नाम के विरुद्ध कोई आपत्ति हो तो प्रारूप-7 पर आवेदन दिये जा सकते हैं। यदि किसी मतदाता के नाम में सम्बन्धित किसी प्रविष्टि में कोई त्रुटि हो तो उसे शुद्ध कराने या स्थान परिवर्तन के लिए प्रारूप-8 में आवेदन दे सकते हैं। आवेदन का प्रारूप, सम्बन्धित तहसीलदार कार्यालय एवं पदाभिहीत स्थलों पर नियुक्त अधिकारी, बी०एल०ओ० तथा जिला निर्वाचन कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर सकते है। ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत भी आवेदन किया जा सकता हैं।

समेकित शिक्षा के अन्तर्गत किया जागरूक

महोबा/चरखारी। समेकित शिक्षा अभियान के द्वारा संचालित समेकित शिक्षा के अंतर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों की परामर्श बैठक का आयोजन प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर, चरखारी में किया गया। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी प्रवेश कुमार वाजपई, ग्राम प्रधान नंदराम सेन, समेकित शिक्षा के विशेष शिक्षक राजकुमार मौर्य एवं सुनील कुमार गोश्वामी, नगर चरखारी के नोडल शिक्षक नीरज शुक्ला एवं विद्यालय परिवार सहित विशेष योग्यता वाले बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ, उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा समेकित शिक्षा द्वारा शासन स्तर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत कराया एवं सुनील गोश्वामी द्वारा पात्र लाभार्थियों के बारे में बताया गया। इस मौके पर सामान्य बच्चों के साथ विशिष्ट बच्चों को भी प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने को प्रेरित किया गया। ग्राम प्रधान ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करने हेतु आश्वस्त किया।

फसल अवशेष के लिए डी कम्पोजर का प्रयोग करें किसान

नवाबगंज, बरेली। नवाबगंज ब्लॉक परिसर में किसानों को कृषि सूचना तंत्र के सुद्दढ़ीकरण व जागरूक करने के लिए कृषक मेले का आयोजन किया गया। मेले में नवाबगंज विधायक व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने सरकार की किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी तो वही मौजूद वैज्ञानिकों ने पशुपालन के साथ ही खेती के बारे में जानकारी दी। वही कृषि अधिकारियों ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए डी कंपोजर के प्रयोग की जानकारी देने के साथ ही जैविक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से अवगत कराया।

निजी विक्रेताओं के जरिए खाद की बिक्री शुरू

बांदा। जिले के सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं के जरिए कृषि एवं राजस्व विभाग की निगरानी में निर्धारित दर पर 20 नवंबर से प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक खाद का वितरण किया जायेगा। जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप ने इस आशय के निर्देश दिए हैं। जिन निजी उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर डीएपी एवं अन्य फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध हैं इनमें तहसील बांदा में उमा खाद भण्डार-तिन्दवारी रोड, श्री बाला जी बीज भण्डार-बबेरू रोड, प्रकाश खाद भण्डार-क्योटरा, प्रकाश एण्ड कम्पनी-तिन्दवारी रोड, ओम खाद बीज भण्डार-आर०टी०ओ० आफिस के पीछे। तहसील बबेरू में चैहान खाद एवं कीटनाशक भण्डार बेर्राव, अड़ौली ग्राम में मिश्र एग्रो एजेन्सी-मर्का, साहू खाद बीज भण्डार-ओरन रोड, तहसील पैलानी में सदगुरू खाद बीज भण्डार-पपरेंदा, गौशाला के पास, प्रधान खाद बीज भण्डार कानाखेड़ा चैराहा, तहसील नरैनी में न्यू वर्षा खाद बीज भण्डार पैगम्बरपुर गिरवां शामिल हैं। उर्वकरों की निर्धारित दरें, डी०ए०पी० 1350 प्रति 50 किग्रा० बैग, एम०पी०के०- 12:32:16 1470 प्रति 50 किग्रा बैग, एन०पी०के०एस०- 20:20:0:13 1200 प्रति 50 किग्रा बैग। सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि पी०ओ०एस० मशीन से किसानों का विवरण दर्ज कर उसकी रसीद कृषक को उपलब्ध करायें, यदि किसी उर्वरक विक्रेता द्वारा रसीद उपलब्ध न करायी जाये या निर्धारित दर पर उर्वरक वितरण न किया जाये तो जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार गौतम के मोबाइल नम्बर-9455213794 पर अवगत करायें। उप कृषि निदेशक विजय कुमार ने किसानों से अपेक्षा की है कि वह अपने नजदीकी उर्वरक बिक्री केन्द्र में निर्धारित समय पर पहुँचकर खाद की खरीद करें।

जवाहरपुर में शुरू हुआ हजरत सैय्यद अहमद अली मियां का उर्स

बहेड़ी। हजरत सैय्यद अहमद अली शाह दादा मियाँ रहमातुल्लाह अलैह का सालाना उर्स बुधवार से शुरू हो गया। उर्स के मौके पर अकीदतमंद और जायरीनों ने दरगाह पर पहुंचकर फातिहा ख्वानी कराई ।ग्राम जवाहरपुर स्थित हजरत सैय्यद अहमद अली शाह दादा मियाँ के उर्स के मौके पर बुधवार को जोहर की नमाज के बाद पहला कुल शरीफ हुआ। कुल के बाद सज्जादानशीन हाजी जमीर अख्तर उर्फ गुड्डू मियाँ ने मुल्क में अमन चैन के लिये दुआ की। कल गुरुवार की रात आखिरी कुल शरीफ होगा। कुल के बाद सज्जादानशीन मरीजों को फूंक भी लगाएंगे।

रूस की परमाणु धमकी

रूस और यूक्रेन युद्ध को एक हजार दिन पूरे हो गये। 22 फरवरी 2022 को जब रूस के हमले के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत हुई थी, तब तमाम रक्षा विशेषज्ञ भविष्य वाणी कर रहे थे कि यह युद्ध एक-दो हफ्ते में खत्म हो जायेगा और रूस के सामने यूक्रेन को हथियार डालने पड़ेंगे। लेकिन सारी भविष्यवाणियां और अनुमानों को यूक्रेन ने गलत साबित किया है। युद्ध को पौने तीन साल से अधिक हो गया, लेकिन इसके ओर-अंत का कोई संकेत आज भी नहीं मिल रहा है। भारत सरकार व प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक रूप से पुतिन के सामने यह बात कह चुके हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है। मोदी ने युद्ध के दौरान ही रूस और यूक्रेन का दौरा किया और उन्होंने समस्याओं का समाधान कूटनीतिक प्रक्रिया के जरिए निकालने पर बल दिया। हालांकि इस दिशा में कोई ठोस प्रयास आगे बढ़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। रूस और यूक्रेन का युद्ध एक हजार दिन पूरे होने पर जिस तरह से यूक्रेन ने रूस पर पहली बार मिसाइलों से हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूक्रेन को रूस पर मिसाइल हमले की अनुमति दी और इसके बाद यूक्रेन ने रूस पर बैलेस्टिक मिसाइलें दागकर एक तरह से रूस को भड़काने का काम किया है। बाइडेन के इस कदम की अमरीका में भी आलोचना हो रही है क्योंकि बाइडेन का कार्यकाल अब महज दो महीने बचा है। नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमरीकी राष्ट्रपति का पद संभालेंगे। लेकिन अपने आखिरी बचे हुए दो महीने के कार्यकाल में जिस तरह बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर मिसाइल हमने की अनुमति दी और यूक्रेन ने अमरीका की हरी झंडी मिलते ही रूस पर मिसाइलें दाग दिया उससे रूस और यूक्रेन का युद्ध और भड़कने व विस्तारित होने की आशंका बढ़ गयी है। यूक्रेन के मिसाइल हमले के तुरंत बाद रूस ने अपनी परमाणु नीति को बदल दिया है। रूस की नयी परमाणु नीति के अनुसार रूस पर बैलेस्टिक मिसाइल से हमला करने वाले देश के खिलाफ परमाणु हमला किया जा सकता है। रूस के द्वारा परमाणु नीति में बदलाव के बाद पोलैंड, फिनलैंड, डेनमार्क जैसे देशों ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि कभी भी रूस की तरफ से हमला हो सकता है। इसलिए सभी नागरिक बचाव के लिए सतर्क रहें। दरअसल अगर इतने लंबे समय तक यूक्रेन युद्ध में रूस के खिलाफ टिका हुआ है, तो उसके पीछे अमरीका और अन्य यूरोपीय देशों से मिल रही है सैन्य मदद ही है। चूंकि रूस ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वे सभी रूस के दुश्मन हैं। इसलिए अगर रूस अपने हमलों का दायरा यूक्रेन से आगे बढ़ाता है और पोलैंड, फिनलैंड, डेनमार्क जैसे देशों पर हमले करता है, तो इससे युद्ध का दायरा बढ़ जायेगा। इससे यह टकराव महायुद्ध का रूप ले सकता है। इसलिए जो बाइडेन, पुतिन और जेलेंस्की को यह समझना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है। अगर युद्ध का दायरा बढ़ता है तो उसकी जद में पूरी दुनिया आ जायेगी। कोई देश सीधे युद्ध से प्रभावित होगा, तो कोई सप्लाई चेन प्रभावित होने से, तेल, गैस एवं उर्वरकों के दामों में बेतहाशा वृद्धि से प्रभावित होगा। इसलिए युद्ध किसी के हित में नहीं है। यह बात रूस को और यूक्रेन को भी समझना चाहिए और युद्ध को नाक की लड़ाई बनाने के बजाय इसे खत्म करने पर विचार करना चाहिए। वैसे भी रूस और यूक्रेन इतने समय से युद्ध कर रहे हैं कि इससे लाखों लोग सीधे प्रभावित हुए हैं। परोक्ष रूप से तो पूरी दुनिया प्रभावित हुई है। वैसे भी इस युद्ध को परमाणु विनाश की तरफ ले जाने में किसी का हित नहीं है। हाल ही में अमरीका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म कराने का वायदा किया था। अमरीकी जनता ने ट्रंप के इस वायदे पर भरोसा किया और उन्हें जनादेश दिया है। इससे स्पष्ट है कि अमरीकी करदाता भी अनावश्यक युद्ध को लंबा खींचने के पक्षधर नहीं हैं क्योंकि इससे उनकी गाढ़ी कमाई बम-बारूद में जाया होती है और युद्ध से पूरी मानवता घायल होती है। इसलिए न सिर्फ युद्ध की जगह शांति वार्ताएं शुरू होनी चाहिए बल्कि वैश्विक स्तर पर अब ऐसी संस्था की जरूरत भी महसूस हो रही है, जो ऐसे टकरावों में प्रभावी रूप से शांति की पहल कर सके। फिलहाल यूएनओ फेल साबित हुआ है।

रूस और यूक्रेन के बीच बीते पौने तीन सालों से जारी युद्ध को और भड़काने के बजाय दुनिया को युद्ध रोकने के लिए प्रयास करना चाहिए।

विचार

जिस दिन कोई संत अतिथि रूप में आता है, उस दिन आतिथेय को उसके दर्शन से उतना पुण्य मिलता है, जितना करोड़ों तीर्थ-स्थान से प्राप्त होता है।

-सूरदास.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रु पर विजय पायी जा सकती है।

-गेटे.

जो अपने कर्तव्य को अच्छी तरह करने की शिक्षा पा चुके हैं। वह मनुष्य से संबंध रखने वाले सभी कामों को भली-भांति करेगा।

-रूसो.

पुस्तकों का मूल्य रत्नों से अधिक है। क्योंकि रत्न बाहरी चमक-दमक दिखाते हैं जबकि पुस्तकें अंत:करण को उज्ज्वल करती हैं।

-महात्मा गांधी.

वह शासक अत्याचारी है जो स्वेच्छा के अतिरिक्त कोई नियम नहीं जानता।

-वाल्टेयर.

जनसंख्या पर समग्र दृष्टिकोण की जरूरत

संजय श्रीवास्तव

देश के दक्षिणी राज्य के नेता, लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आह्वान कर रहे हैं, तो बाकी लोग जनसंख्या को देश की सभी असुविधा, विसंगतियों का मूल मानते हैं और कम बच्चे पैदा करने के हिमायती हैं। अफ्रीकी देशों के अलावा भारत समेत सारे संसार में प्रजनन दर घट रही है। ज्यादातर देश इसे लेकर चिंतित हैं तो अपने देश में इस मामले में प्रसन्नता और चिंता की मिश्रित प्रतिक्रिया है।

कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपील की थी, देश की बड़ी आबादी देश के विकास में बाधा बन रही है। राज्य सरकारें इस समस्या से निजात के लिए जनसंख्या नियंत्रण की राष्ट्रीय नीति का कठोरता से पालन करवाएं। वर्तमान का सत्य यह है कि सरकार को समर्थन देने वाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्यवासियों से अपील की है कि वे ज्यादा बच्चे पैदा कर जनसंख्या बढाएं। यह अप्रत्याशित लगता है क्योंकि दशकों जनसंख्या वृद्धि बड़ी चुनौती मानकर केंद्र और राज्य सरकारें इसके नियंत्रण पर जोर देती रही हैं परंतु आज आंध्र ही नहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी चंद्रबाबू की तरह लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील कर रहे हैं। संभव है कल ऐसी ही अपीलें केरल, कर्नाटक तथा तेलंगाना में भी सुनी जाएं और सिक्किम, गोवा, अंडमान, लद्दाख जैसे कई दूसरे प्रदेश भी इनके साथ सुर मिलाएं और जनसंख्या नीति के प्रति अपनी दिशा बदल लें।

वे ऐसे कानून प्रस्तावित करें जिसके अनुसार दो या उससे ज्यादा बच्चे वाले लोगों को ही सरकारी लाभ मिल सकें। सच तो यह है कि दक्षिण के तमाम राज्य जो ऐसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं वे आधे दशक पहले छोटे परिवार को बढ़ावा देने की बात कर रहे थे, लोगों को परिवार नियोजन के प्रति प्रोत्साहित कर रहे थे लेकिन सहसा उनके सुर बदल गए हैं। उनकी दलील है कि प्रजनन दर में गिरावट से राज्य और देश का नुकसान है सो इसे बढ़ाने की कोशिश अभी से करनी होगी। बेशक इन राज्यों में प्रजनन दर में गिरावट सत्य है और फलतः जनसंख्या में कमी से उनके राज्य और उनकी राजनीति को नुकसान भी है। पर देश की अधिकांश जनता मानती है कि तकरीबन सारी राष्ट्रीय, स्थानीय समस्याओं की जड़ बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या ही है। आज हम चीन से बड़ी आबादी हैं और इसके चलते विकास के कैसे भी सरकारी प्रयास हों, हमको पूरे नहीं पड़ते। अनेक बड़े नेताओं का भी यही मानना है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले यानी 145 करोड़ के देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कठोर प्रयास लाजिमी है। ऐसे में कुछ राज्यों द्वारा जनसंख्या नीति की दिशा बदलना देश और देशवासियों को भ्रमित कर सकता है। देशवासियों के समक्ष यह स्पष्ट होना चाहिये कि जनसंख्या के मामले में कुछ राज्यों की अपनी डफली अपना राग क्यों है? क्या उनका यह रवैय्या राष्ट्र स्तर पर उचित है अथवा इसमें महज संबंधित राज्यों का सामयिक स्वार्थ है? कुछ राज्यों का जनसंख्या नियंत्रण के प्रति मौजूदा रवैय्या यदि देश हित के विरुद्ध है तो सरकार उनको ऐसे संदेश देने, अपील करने से रोकती क्यों नहीं? यदि घटती प्रजनन दर से वाकई दूरगामी दुष्परिणाम सामने आने वाले हैं और उनका असर राष्ट्रव्यापी हो सकता है, तो इसके लिये सरकार समय रहते जनता को सचेत करने वाले कार्यक्रम क्यों नहीं चलाती, जिससे जनमानस हर प्रकार की असुविधा और अभाव के लिए जनसंख्या को दोषी न माने। वह यह प्रचारित प्रसारित क्यों नहीं करती कि इससे होने वाले दूरगामी दुष्परिणामों की काट के लिये वह अभी से प्रयासरत है और उसके पास इस स्तर की कई योजनाए हैं।

उत्तर के राजनेता लोगों को जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए कहें और दक्षिण की आबादी बढ़ाने के लिए, उसमें एनडीए के समर्थक दल के मुख्यमंत्री भी शामिल हों तो इस विरोधाभास के बीच यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि है कि जब भारत समेत वैश्विक स्तर पर जनसंख्या दर में गिरावट की बात लैंसेट रिपोर्ट और कुछ देशी शोध अध्ययन में सालभर पहले सामने आ चुकी है तब वाकई देश की तात्कालिक जनसंख्या नीति में क्या कोई बदलाव लाया गया है या उस ओर सोचा जा रहा है? नीति आयोग अथवा संबंधित विभागों की भविष्य में इसके प्रति क्या कोई रणनीति निर्धारित की है? भविष्य में जनसंख्या नियंत्रण की नीति क्या होना चाहिये? क्या जनसंख्या नियंत्रण की एक समेकित नीति देश पर लागू होगी अथवा इसके लिये राज्यवार कार्यक्रम और उसके लक्ष्य बनाना उचित होगा।

संतुलित हो जनसंख्या

यह नीति 13 साल से लंबित जनगणना के अगले साल निबटाने और उसके अगले बरस आंकड़े आने, तथा उसके विश्लेषण के बाद बनेंगे अथवा इस मुद्दे की गंभीरता तथा इस पर आम जनता के भ्रम को समझते हुए इसके पहले ही? देश में 1950 के दौरान यह प्रजनन दर 6.18 प्रतिशत थी अर्थात प्रत्येक महिला के औसतन 6 से अधिक बच्चे थे। घटती प्रजनन दर की जो रफ्तार है, उसके चलते यह 2050 तक 1.29 रह पर और सदी बीतते बीतते 1.04 तक पहुंच सकती है। फिलहाल 2021 के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय प्रजनन दर 1.91 है। ऐसी प्रजनन दर तक पहुंचने में फ्रांस, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों को 200 और अमेरिका को 145 साल लगे। हमने यह बदलाव भीषण गति से महज 45 साल में हासिल की। निःसंदेह घटती जन्मदर पर कुछ वर्ग प्रसन्नता प्रदर्शित कर रहे हों पर अनेक कारणों से आगे चलकर यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बनेगा। जहां तक दक्षिण भारत के राज्यों की बात है तो पांच राज्य और तकरीबन तीस करोड़ आबादी वाले इस हिस्से में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से कम हो चुकी है और तेज गिरावट जारी है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में जन्म दर 2.01 से भी नीचे है। प्रजनन दर 2.1 से नीचे का मतलब जनसंख्या सिकुड़ना शुरू गई है। उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड वगैरह की 2.5 से 3.01 की दर से दक्षिण भारत में कम जन्म दर के चलते भविष्य में जनगणना के बाद जनसंख्या के आधार पर तय की जाने वाली संसद में सीटें और केंद्र सरकार से मिलने वाली निधि का घाटा हो सकता है। केंद्र सरकार के द्वारा वसूले गए आयकर, कॉर्पोरेट टैक्स का जो हिस्सा जनसंख्या, आर्थिक जरूरतों और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर मिलता है, उसमें कमी आ सकती है। कम आबादी, देश की आर्थिकी में बड़े योगदान और प्रति व्यक्ति अधिक आय की बावजूद दक्षिण के राज्य नुकसान में रहेंगे। आगत की आहट भांपकर कुछ राज्य परिवार नियोजन की दिशा में बदलाव कर रहे हैं और ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए कह रहे हैं। लेकिन जहां तक देश का प्रश्न है, इस ट्रेंड पर जश्न मनाने वालों को यह जानना चाहिये कि घटती प्रजनन दर से देश की आबादी का संतुलन गड़बड़ा जाएगा। दुनिया का कोई भी देश बरसों बरस कोशिश करके, खरबों खर्च करके भी जन्मदर वापस हासिल नहीं कर पाया।

आबादी में बच्चों, जवानों और बुजुर्गों का संतुलन बना रहे, इसके लिए प्रजनन दर का 2.1 के आसपास होना चाहिये। पर्याप्त बच्चे न होंगे जो बुजुर्गों की जगह ले सकें तो बुजुर्ग बढेंगे, जो उत्पादक न होकर भोक्ता होंगे। अभी 60 साल से ज्यादा की उम्र के चालीस प्रतिशत बुजुर्ग बेरोजगार और बुरी दशा में हैं, भविष्य में इनकी और दुर्गति आशंकित है। बुजुर्ग कम जोखिम उठाने वाले, कम रचनात्मक होंगे, नए पेटेंट कम हो जाएंगे। यह सब देश की आर्थिकी के लिए घातक होगा। आसपास बच्चों से ज्यादा दादा-दादी, नाना-नानी नजर आने लगेंगे। बुआ, मामा, चाचा, ताऊ, मौसी जैसे रिश्तों का लोप सा हो जाएगा। देश के सामने ऐसी बहुतेरी चुनौतियां कुछ दशक बाद आएंगे पर हमें उनका इंतजार करने की बजाय अभी से काम करने की जरूरत है। फिलहाल इतना तय है कि इस समस्या का समाधान बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना कतई नहीं है।

सोशल मीडिया

रियो डी जेनेरियों में आज जी20 शिखर सम्मेलन में मैंने एक ऐसे विषय पर बात की जो भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, मैंने सतत् विकास हेतु भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी.

इस साल चुनाव देखते दिखाते, लड़ते बतियाते मुझे 40 साल पूरे हो जायेंगे, एक जमाने में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव होते थे, जोखिम से भरा, आज इंवेट बन गया है। योगेन्द्र यादव.

डेयरी उद्योग भारत में रोजगार देने व ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने के साथ-साथ कुपोषण की समस्या का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अमित शाह.

यहां उमड़ते घुमड़ते बादलों के बीच दौड़ेगी 'वंदे भारत'

पर्यटन

भले दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज बनाने में चीन को महारत हासिल हो, लेकिन आजतक उसके बनाये गये दुनिया के नौ सबसे ऊंचे रेल पुलों पर हमारा एक चिनाब रेलवे ब्रिज भारी पड़ता है। क्योंकि यह चीन के बनाये गये सभी पुलों से ऊंचा है। खास क्वालिटी के स्टील और कंकरीट से बना चिनाब रेलवे ब्रिज, एक आर्च ब्रिज है, जो भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के जम्मू डिवीजन के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच चिनाब नदी पर स्थित है।

यह रेलवे ब्रिज 359 मीटर ऊंचा है, जो कि दुनिया की किसी भी रेलवे ब्रिज की अब तक की सबसे ज्यादा ऊंचाई है। इसके बाद दूसरे से दसवें तक दुनिया के सारे ऊंचे रेलवे ब्रिज चीन ने बनाये हैं। दुनिया का दूसरे नंबर का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज चीन का नजीहे रेलवे ब्रिज है, जिसकी ऊंचाई 310 मीटर है। चिनाब रेलवे ब्रिज की ऊंचाई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह एफिल टॉवर, कुतुबमीनार और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के साथ साथ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से भी ऊंचा है। एफिल टॉवर की कुल ऊंचाई 300 मीटर है और अगर इसके ऊपर लगे एंटीना को भी जोड़ लिया जाए तो यह ऊंचाई 334 मीटर तक पहुंचती है, जबकि देश की राजधानी दिल्ली में स्थित कुतुबमीनार 73 मीटर यानी 239.5 फीट तथा स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की ऊंचाई 92.96 मीटर या 305 फीट है। इसी क्रम में नर्मदा नदी पर बनाये गये सरदार सरोवर बांध के निकट सरदार पटेल की प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ऊंचाई भी सिर्फ 142 मीटर है। कल्पना करिये जब इस पुल से होकर भारत की मौजूदा समय में सबसे तेज रफ्तार ट्रेन वंदे भारत गुजरेगी तो यात्रियों को ऐसा एहसास होगा, मानो वे बादलों को चीरकर सफर कर रहे हैं।

दरअसल साल 2002 में उत्तर रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में जम्मू के पास ऊधमपुर और कश्मीर घाटी के उत्तर पश्चिमी छोर पर बसे बारामूला शहर के बीच रेलवे लाइन के निर्माण हेतु एक मेगा परियोजना बनायी, जिसे साल 2002 में राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया। दिसंबर 2003 में इस परियोजना को स्वीकृत मिली। लेकिन इसके निर्माण कार्य के शुरू होने में लगातार देरी हुई, क्योंकि लंबे समय तक यह ही नहीं तय हो पा रहा था कि चिनाब नदी पर इतनी ऊंचाई पर पुल का निर्माण कैसे हो? दर्जनों तरीके से इस पर सोचा गया, अंत में उस निर्माण तकनीकी पर अंतिम मोहर लगी, जिसके चलते 19 सालों में बनकर यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल तैयार हुआ। चिनाब रेलवे ब्रिज की डेक की ऊंचाई नदी तल से 359 मीटर है, जबकि नदी की सतह के ऊपर से यह ऊंचाई 322 मीटर है। अंतिम रूप से तैयार पुल की लंबाई 4,314 फीट या 1315 मीटर है, जिसमें उत्तर की तरफ 650 मीटर लंबा अतिरिक्त पुल भी शामिल है। पुल के मेहराब का विस्तार 467 मीटर है तथा इस मेहराब की लंबाई कुल 480 मीटर है। चिनाब रेलवे ब्रिज महज एक ब्रिज नहीं है बल्कि यह तकनीकी कुशलता का नायाब नमूना भी है। वैसे आजतक दुनिया में कुल 16 पुल ऐसे बने हैं, जो कई सौ मीटर ऊंचे हैं। उनमें सबसे ऊंचा यही है और चिनाब रेलवे ब्रिज दुनिया का 11वां सबसे लंबा आर्च ब्रिज भी है। इसके ऊपर से गुजरने वाला रेलवे ट्रैक 5 फीट 6 इंच यानी 1676 मिमी. का ब्रॉड गेज है। इस पुल के निर्माण में सिर्फ वक्त नहीं लगा बल्कि असाधारण दुस्साहस की अनेक कहानियां भी लिखी गई हैं। क्योंकि यह रेल मार्ग दर्जनों सुरंगों (कुल 63 मीटर लंबाई) तथा अनेक पुलों से सुसज्जित है।

हिमालय के सबसे दुर्गम भूगोल में इस पुल का बनना अपने आपमें एक कहानी है। यह पुल चिनाब नदी की सबसे गहरी खाईं को पार करता है, जिसके पास सलाल हाईड्रो पावर बांध स्थित है। सबसे ज्यादा वक्त इस पुल की दुर्लभ डिजाइन में लगा है। इस डिजाइन को अंतिम रूप देने के पहले सैकड़ों लंबी लंबी मीटिंगे हुईं हैं, जिनमें इंजीनियरिंग के दुर्लभ कौशल पर विस्तार से बहस हुई। सिर्फ इसकी मजबूती और भौगोलिक स्थिति को लेकर ही डिजाइन सोचने में देर नहीं हुई बल्कि इसे सौंदर्यशास्त्र की दृष्टि से भी अद्भुत रूप देना था, इसलिए भी इस पर गहन विचार विमर्श हुआ। पुल में लगने वाली सामग्री को ज्यादा से ज्यादा स्थानीय भौगोलिकता के अनुकूल रखा गया है। जिस कारण सितंबर 2008 से शुरू होकर इसका निर्माण अगस्त 2022 में पूरा हुआ। वैसे पहले इसके निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य जनवरी 2020 रखा गया था, लेकिन पहले तकनीकी रूप से और फिर कोरोना के कारण देरी हुई। जिस कारण इस पुल से होकर अभी भी रेलगाड़ियों का संचालन शुरू नहीं हुआ। लेकिन जल्द ही प्रधानमंत्री इस ट्रैक पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। **वीओएल.**

पुरुषार्थ की परीक्षा

अंतर्दृष्टि

व्यक्ति को हमेशा परीक्षाओं के बीच से गुजरना पड़ता है। मनुष्य का जीवन झंझावातों से भरा हुआ है और सबको जीवन में विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कठिनाई हर मनुष्य के जीवन में आती है। उनका आना अनिवार्य और आवश्यक है। प्रारब्ध कर्मों के भोग के बोझ को उतारने के लिए नहीं, वरन मनुष्य की मनोभूमि और अंतरात्मा को सुदृढ़, तीक्ष्ण, पवित्र, प्रगतिशील, अनुभवी और विकसित करने के लिए भी कष्टों एवं आपत्तियों की भारी आवश्यकता है। जैसे भगवान मनुष्य को दया करके नाना प्रकार के उपहार दिया करे हैं, जिससे मनुष्य का अज्ञान, अहंकार, आलस्य, अपवित्रता और व्यामोह नष्ट हो। कठिनाइयां आने पर हतप्रभ, किंकर्तव्य विमूढ़ या कायर और हाथ पैर फुलाकर रोना-झीकना शुरू कर देना, अपने को या दूसरों को कोसना सर्वथा अनुचित है। यह तो भगवान की उस महान कृपा का तिरस्कार करना हुआ। इस प्रकार तो वे कठिनाई कुछ लाभ न दे सकेंगी वरन उल्टे निराशा, कायरता, अवसाद, दीनता, आदि का काराण बन जायेगी। कठिनाई देखकर डर जाना, प्रयत्न छोड़ बैठना, चिंता और शोक करना किसी सच्चे मनुष्य को शोभा नहीं देता।

आपत्ति एक प्रकार से हमारे पुरुषार्थ की ईश्वरीय चुनौती है जिसे स्वीकार करके ही हम प्रभु के प्रिय बन सकते हैं। अखाड़े के उस्ताद पहलवान नौसिखिए पहलवानों को कुश्ती लड़ना सिखाते हैं। नौसिखिये लोग पटक खाकर शोक संतप्त नहीं हो जाते। वरन अपनी भूल को समझकर फिर उस्ताद से लड़ते हैं और धीरे-धीरे पूरे एवं पक्के पहलवान बन जाते हैं। ईश्वर ऐसा ही उस्ताद है जो आपत्तियों की पटक मार-मारकर हमारी अनेक अपूर्णताएं दूर करके पूर्णता तक पहुंचाने की महान कृपा करता है। कठिनाइयों से डरने या घबराने की कोई बात नहीं। वह तो इस सृष्टि का एक उपयोगी, आवश्यक एवं सार्वभौम विधान है। उससे न तो दुखी होने की जरूरत है, न घबराने की, न किसी पर दोषारोपण करने की। हां हर आपत्ति के बाद नये साहस और नये उत्साह के बाद उस परिस्थिति से लड़ने की और प्रतिकूलता हटाकर अनुकूलता उत्पन्न करने के लिए प्रयत्नशीलता की आवश्यकता है। यह प्रयत्न आत्मा का धर्म है, इस धर्म को छोड़ने का अर्थ अपने को अधर्मी बनाना है। प्रयत्न की महिमा अपार है। आपत्ति द्वार जो दुख सहना पड़ता है उसकी अपेक्षा उसे विशेष समय में विशेष रूप से प्रयत्न करने का जो स्वर्णिम अवसर मिला, उसका महत्व अधिक है। प्रयत्नशीलता ही आत्मोन्नति का प्रधान साधन है, जिसे अपत्तियां तीव्र गत से बढ़ाती हैं। प्रयत्न, परिश्रम एवं कर्तव्य पालन से मनुष्य के गौरव एवं वैभव का विकास होता है।

आगे से इसे मत बुलाओ

व्यंग्यलोक

गोष्ठी अपने पीक पर थी। वक्ता आलोचक बोला-ऐसा है हाजमा उसी का बिगड़ेगा-जो जागेगा। अच्छा आप भी शयन करें। रास्ता इसके सिवा और रहा भी क्या है! परन्तु आप अकेले यह सब क्यों कर रहे हैं। लाला यह साहित्यिक गोष्ठी है। इसमें सोने और जागने की परवाह नहीं की जाती। असलियत यह है कि सो कोई नहीं रहा-तमाम लोग आंखें बंद करके गंभीरता से चिंतन-मनन में डूबे हैं। एक तुम ही ऐसे हो गोष्ठियों के विधान से परिचित नहीं हो। अभी तुम कहोगे कि भाषण से क्या होगा तो इसका जवाब यह है कि देश में अब बिना भाषण के कुछ होने वाला। आप सही फरमाते हैं-बिना भाषण के नींद नहीं आती। परन्तु इस गोष्ठी का औचित्य क्या है? मैंने पूछा। औचित्य.....साहित्य अकादमी ने आयोजन के लिए पांच हजार रूपए दिये हैं। टी. ए., डी. ए. तथा खर्चे के हजार मैं ले जाऊंगा-शेष आयोजक डकारेगा, कुछ साथियों के साथ मिल-बैठकर। ऐसे में बचे सहित्यकार सोएं नहीं तो जागकर क्या लेंगे। मुझे मजबूरी में जागना पड़ा है। वर्ना इतना बेवकूफ तो मैं भी नहीं हूं। वक्ता आलोचक बोला। साहित्य अकादमी गोष्ठियों के लिए रूपया क्यों देती है? मैंने पूछा। आलोचक ने दांत पीसे और आयोजक को जगाकर बोला-यार गोष्ठियों में गैर साहित्यिक लोगों को बुलाते ही क्यों हो? मेरी ओर इशारा करके उसने कहा-यह जीव सर्वथा असाहित्यिक है। साहित्य की रट तो लगा रखी है-परन्तु उसकी गंभीरता से नावाकिफ है। यदि इसे साहित्य की गंभीरता का तनिक भी आभास होता तो यह अब तक सो गया होता। इसे तो लोगों को सोते देखकर परेशान हो रही। आयोजक ने नैन उधारे और पैर समेटे तथा मेरी ओर घूमकर देखने के बाद कहा- आप भाषण दीजिए-बन्दर को अदरक देते ही क्यों हैं। मामला साहित्य का है-इसे हल्का मत करिये-वर्ना लोग जाग जाएंगे। हमें सबको सोता छोड़कर यह स्थान तत्काल छोड़ना है-वर्ना सबको जलपान कराना पड़ेगा। मैं लपककर बोला- क्या साहित्यिक गोष्ठियों में जलपान की व्यवस्था होती ही नहीं? यहां केवल व्यवस्था होती है-इसलिए प्यारे मित्र तुम तो तुम्हारा काम करो, सहित्यकार कभी जलपान नहीं करता। मदिरापान करता है वह तो। फिर वह आलोचक से बोला- मेरी राय से तुम अपने लक्ष्य में सफल हो गए हो-गोष्ठी के सारे प्रतिभागी बेहोश हैं-हमें यह स्थल अब छोड़ देना चाहिए। आयोजक और आलोचक ने थैला उठाया और गोष्ठी स्थल पर सहित्यकारों को औंधे मुंह पड़ा छोड़कर चल दिए। मैंने सहित्यकारों को जगाया तो वे सब मुझ पर पिल पड़े कम्बख्त गैर साहित्यिक है। सारी गोष्ठी का मजा किरकिरा करता रहा है। अच्छी-भली नींद आ रही है तथा सोया न सोने दिया। आगे से इसे मत बुलाओ।

पूरन सरमा

आपकी बात

खाली पदों को भरे सरकार

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में खाली पदों पर भर्ती करने के बजाय प्रदेश सरकार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भर्तियां करती हैं। इससे जो युवा नौकरी में जाते हैं उनका दोहरा शोषण होता है। एक तो अधिकांश सरकारी सेवा प्रदाता कंपनियां युवाओं से घूस लेकर भर्तियां करती हैं, दूसरे उनको बहुत मामूली वेतन मिलता है और तीसरे उनकी नौकरी को भी हमेशा खतरा बना रहता है। यह स्थितियां इसलिए बनी हैं कि अगर सरकार सीधे संविदा पर भर्ती करे तो जो लोग एक बार भर्ती हो जायेंगे वे नौकरी में बने रहने के लिए यूनियन बनाकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, स्थायी करने की मांग करेंगे और फिर वेतन बढ़ाने और बात-बात पर हड़ताल भी करेंगे। कुछ लोगों की मनमानी के कारण आज पूरा युवा परिणाम भुगत रहा है। सरकार अपनी तरफ से संविदा नौकरियों पर भी भारी पैसा खर्च करती है, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी पूरा पैसा नहीं देती हैं। वह खुद भी मुनाफा काटती हैं, उसके कर्मचारी घूस लेते हैं और मामूली वेतन पर युवाओं को रखकर उनका शोषण करती हैं। युवाओं का शोषण रोकने और उनको अच्छा वेतन व सुविधाएं देने के लिए यह जरूरी है सरकार चाहे स्थायी नौकरी दे या संविदा पर रखे, लेकिन भर्तियां सीधे करें। भर्ती में बिचौलिया कंपनियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। हां अगर सरकार को यह डर हो कि यूनियनबाजी होगी तो पहले से ही यह बांड भरा लेना चाहिए कि संविदा नौकरी संविदा ही रहेगी। परमानेन्ट होने के लिए अन्य युवाओं के साथ आवेदन करना होगा। दरअसल आज प्रदेश में लाखों भर्तियों की जरूरत है लेकिन सरकारी नौकरी में मोटा वेतन और काम के बजाय मटरगस्ती के कारण सरकार भर्तियां नहीं करती है और लोगों का काम लटकता है। इसलिए सरकार को अपनी हैसियत के हिसाब से भर्तियां करनी चाहिए। प्राइमरी स्कूलों में कम से कम छह-सात शिक्षक और कर्मचारी होने चाहिए ताकि ठीक से पढ़ाई और अन्य प्रबंध हो सके। भले ही सरकारी वेतन कम दे। गांव में पढ़ाने वाला शिक्षक कम वेतन में काम चला सकता है। एक स्कूल में एक-दो शिक्षक रखने के बजाय सात-आठ कर्मचारी कम वेतन पर रखना चाहिए ताकि सरकार का बोझ भी न बढ़े और लोगों को रोजगार भी मिले और शिक्षा भी सुधरे।

महेश कुमार श्रीवास्तव, बहराइच.

आर्थिक विषमता चिंताजनक

देश में तेज आर्थिक प्रगति के बावजूद संसाधनों का न्यायिक बंटवारा न होने के कारण आर्थिक विषमता भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है और कोरोना काल में यह और जटिल हुई है क्योंकि तमाम गरीब जो औपचारिक रूप से किसी रोजी-रोजगार से जुड़े थे वह खत्म हो गये। इससे गरीबी बढ़ी है और गरीबों का जीवन और कठिन हो गया है। अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई समाज में अनेक तरह की विषमता उत्पन्न कर रही है। दुनिया की संपत्तियां कुछ हाथों में सिकुड़ती जा रही हैं और विकास के लाभ आमजन तक नहीं पहुंच रहे हैं। विश्व में आर्थिक विषमता का बढ़ना चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। धन के असमान वितरण से स्थिति भयावह होती जा रही है। विश्व में केवल दो प्रतिशत अमीरों के पास विश्व की आधी से अधिक सम्पत्ति है। विश्व के केवल एक प्रतिशत लोग विश्व की चालीस प्रतिशत सम्पत्ति पर कब्जा जमाये हुए हैं। विश्व की नब्बे प्रतिशत आबादी के हिस्से में कुल सम्पत्ति का सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही हिस्सा है। सम्पत्ति के मामले में बढ़ रही असमानता से गरीबों का जीवनस्तर गिरावट की ओर अग्रसर है। जमीन, जायदाद, मकान, वित्तीय सम्पत्तियां कुछ खास तबकों के पास सिमटी चली जा रही है। विकासशील देशों में आम जनता को आर्थिक असमानता से ज्यादा नुकसान हो रहा है। एक तरफ कुछ लोगों की सम्पन्नता का बढ़ना आम आदमी के लिए ही कष्टकारी होता जा रहा है। दुनिया में गैर बराबरी का बढ़ना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है।

राजीव कुमार मौर्य, लखनऊ.

संक्षेप

अवध विवि की स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षा 3 दिसम्बर से

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत संचालित स्नातक विषम सेमेटर की परीक्षा 03 दिसम्बर से तीन पालियों में शुरू होगी, जो 24 जनवरी, 2025 तक चलेगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने परीक्षा कार्यक्रम जारी किया। यह परीक्षा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सात जनपदों के 494 केन्द्रों पर होगी।

जिनमें बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर में 4 लाख 62 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुवेर्दी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति के निर्देश पर स्नातक विषम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षा 03 दिसम्बर से शुरू होकर 24 जनवरी तक चलेगी।

स्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षा तीन पालियों में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 8 से 10 बजे, द्वितीय पाली की परीक्षा 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक व तृतीय पाली की परीक्षा अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे चलेगी।

जिन गंतव्य स्थलों को मिलेगा सबसे ज्यादा वोट, वहां विकसित होंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

जिला संवाददाता(vol)

अयोध्या। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की ओर से देखो अपना देश- पीपल्स चॉइस 2024 कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसे उत्तर प्रदेश पर्यटन महाअभियान के रूप में चला रहा है। जिसका शुभारंभ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में बुधवार को किया।25 नवंबर 2024 तक चलने वाले इस कैंपेन में जनसामान्य से लेकर जनप्रतिनिधि और अफसर सहित अन्य लोग राज्य में स्थित अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल को वोट देंगे। साथ ही, सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ह्लउत्तर प्रदेश विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वर्ष 2023 में यहां 48 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे। यानी जितनी यहां की आबादी है उससे लगभग दोगुना पर्यटकों की संख्या। आंकड़े बताते हैं कि प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान बुद्ध की यह धरती देश में सबसे अधिक घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन में यह उपलब्धि हासिल करने के निरंतर प्रयास किया जा रहा है। पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन स्थलों, सड़क के किनारे होटल, ढाबे, वैवाहिक स्थलों आदि में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।इसके साथ ही कनेक्टिविटी पर तीव्र गति से कार्य हो रहा है ह्ल।भारत सरकार के कैंपेन ह्लदेखो अपना देश-पीपल्स चॉइस 2024ह्ल को प्रदेश सरकार महाअभियान के रूप में चला रही है। इसका उद्देश्य प्रदेश के धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े स्थल, ऐतिहासिक, प्राकृतिक विरासत आदि सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है। ताकि इन स्थलों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके।

- प्रदेश के पर्यटन स्थल को दीजिए वोट, सीएम ने अयोध्या से महाअभियान का किया शुभारंभ
- राज्य में पर्यटन विकास के लिए जनसामान्य, जन प्रतिनिधि और अफसर सभी दें अपनी राय

प्रत्येक जिले के प्रमुख स्थलों पर बनाए जा रहे सेल्फी प्वाइंट

-महाभियान के तहत 25 नवंबर तक विद्यार्थी, युवा पर्यटन क्लब के सदस्य, शिक्षक, अधिकारी गण, सभी जनप्रतिनिधि सहित अन्य सभी लोग क्यूआर कोड स्कैन कर पोर्टल पर फॉर्म भर कर अपने पसंदीदा पर्यटन आकर्षण को बताएंगे। इसके साथ ही हाल में कहां घूमे हैं, कहां घूमने की योजना बना रहे हैं। प्रत्येक जिले के प्रमुख स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे है। यहां सेल्फी लेकर क्यूआर कोड के माध्यम से फोटो और रील्स अपलोड कर सकते है। महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, कि ह्लमहाभियान को सफल बनाने के लिए सभी जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों को निर्देशित किया गया है। इस अभियान में इन्फ्लुएंसर, ब्लॉगर सहित अन्य लोगों को शामिल किया गया है, जो अधिक से अधिक योगदान देकर इस महाभियान को सफल बनाएंगे।

टीआरसी लॉ कॉलेज के छात्रों ने किया जिला और सत्र न्यायालय का भ्रमण

बाराबंकी। टीआरसी लॉ कालेज के विधि तृतीय सेमेस्टर एवं सप्तम्सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने विधिक सहायता प्रकोष्ठ के समन्वयक डा0 मंजय कुमार यादव व प्रवक्ता अंकित मिश्रा के साथ जिला एंव सत्र न्यायालय परिसर का भ्रमण किया। छात्र-छात्राओ ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम के न्यायालय में जाकर पत्रावलियों के बारे में समझा और आपराधिक एवं सिविल मामलों से सम्बंधित प्रश्न मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से पूंछे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए मेहनत से पढ़ाई करने और न्यायिक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने का टिप्स भी दिये। इसके उपरान्त छात्र-छात्राओं ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट, जिला परिवार न्यायालय, पाक्सो कोर्ट, अपर सत्र न्यायालय द्वितीय, एडीआर भवन लोक अदालत समेत जिला बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी, कम्प्यूटर कक्ष का भी भ्रमण किया। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष हिसाल बारी किदवाई, महामंत्री अशोक कुमार सिंह, उपाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप यादव, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार पाण्डेय, राहुल बिक्रम सिंह, दौलता कुमारी, शिव कुमार वर्मा आदि ने भी अपने विधि व्यवसाय के अनुभव साझा किए।

भागवत कथा समापन पर विशाल भण्डारे का आयोजन

बाराबंकी। खाटू श्याम जन्मोत्सव पर शुगर मिल स्थित जनेश्वर नाथ मंदिर मे चल रही भागवत कथा का समापन पर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भागवत कथा के अंतिम दिन सुबह पूजा-अर्चना के साथ हवन यज्ञ शुरू हुआ। इस दौरान यजमानों ने आहुतियां डाली। इसके उपरान्त पूड़ी, सब्जी हलुआ, बूंदी, चावल व कढ़ी का प्रसाद भक्तो द्वारा ग्रहण किया गया। इस मौके पर अशोक कुमार गुप्ता, संतोष यादव, समाजसेवी अधिवक्ता राजकुमार सिंह राजा, रिंकू गुप्ता, अजय यादव, बलराम यादव मौजूद रहे।

किशोरी ने फंदे से लटक कर दी जान

अयोध्या। परिजनों के साथ भोजन कर सोने के लिए कमरे में गई युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब पांच वर्ष पहले मां की मौत हो चुकी है जबकि पिता रोजी रोटी के चक्कर में प्रदेश में है। चाचा की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा है। मिली जानकारी के मुताबिक हैदरगंज थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बैसूपाली मजरे केवटहिया में मंगलवार की रात 16 वर्षीय निधि पुत्री सुरेश ने घर के कमरे में बडेऱ पर दुपट्टे से फंदा लगा कर जान दे दी। मृतका के चाचा महेश बुधवार की भोर में नित्य क्रिया करने उठे तो उसे लटका देख होश उड़ गए। आनन फानन में उसे नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका के मां की 5 साल पहले मौत हो गई थी जबकि पिता रोजी-रोटी के सिलसिले में दिल्ली में नौकरी करते हैं। बड़ी बहन चांदनी नें भी 7 वर्ष पहले आत्महत्या कर मौत को गले लगा लिया था। फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंच कर जांच पड़ताल की है। प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत होता है।

चौरासी कोसी यात्रा पहुंची महादेवा घाट पर पहुंची

अयोध्या। चित्रकूटधाम के भगवत आराधना आश्रम जानकी कुंड के महंत गोविन्ददास की अगुवाई में चल रही चैरासी कोसी यात्रा अपने चैथे पड़ाव स्थल महादेवा घाट पर पहुंची। जंहा उनका स्वागत महादेवा जीर्णोद्धार समिति के साथ कस्बे के लोगो ने किया।घाट पर उनके जलपान, भोजन की ब्यवस्था समिति ने किया।एक संक्षिप्त मुलाकात में यात्रा की अगुवाई कर रहे महंत गोविन्ददास ने कहाकि रामनगरी अयोध्याधाम की परिक्रमा करने से पापो का नाश होता है। कहाकि भक्तों में कोई बटवारा नही है।यात्रा में जो भी भक्त शामिल होना चाहते है उनका स्वागत है।इस यात्रा में साधु, सन्तो के साथ तमाम गृहस्थ भी यात्रा कर रहे है।यात्रा में कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, बंगाल ,नेपाल आदि जगहों के तकरीबन साढ़े चार सौ यात्री शामिल है।

अयोध्या नगर निगम की मशीनरी हुई स्मार्ट करोड़ों के सफाई मशीन की मिली सौगात

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या नगर निगम दिन दूना रात चैगुनी तरक्की कर रहा है। बुधवार को खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम में पहुंची करोड़ों की लागत की मैकेनाइज्ड व स्वीपिंग मशीनों वाली 25 वाहनों की सौगात अयोध्यावासियों को दी। उन्होंने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अयोध्या धाम में रामकथा पार्क के निकट लोकार्पण कार्यक्रम के समय महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक राम चन्द्र यादव मौजूद रहे। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि अयोध्या नगरी पहुंचने वाले किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए। उन्होंने यहां की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने का निर्देश दिया था। इसे देखते हुए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इन वाहनों की खरीद हुई है। मौके पर मौजूद नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने कहा कि इन मशीनरी के बेड़ों के नगर निगम में शामिल होने के बाद शहर की सफाई व्यवस्था और भी मजबूत हो जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 5.57 करोड़ की लागत से इस मशीन की खरीदारी की गई है। इससे सेप्टिक टैंकों की सफाई की जा सकेगी। इसमें सेप्टिक टैंकों के फ्लिकल स्लज को साइट पर ट्रीटमेंट किया जा सकेगा।

- मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत मैकेनाइज्ड व स्वीपिंग मशीनों को किया लोकार्पित

18.62 करोड़ से 6 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन मिली

राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 6 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन खरीदी गई है। सफाई व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए मानव श्रम के स्थान पर इन मशीनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

1.44 करोड़ की लागत से 18 हॉपर टिपर

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ही इनकी खरीद की गई है। इनके माध्यम से क्षेत्र की सफाई व्यवस्था और कूड़ा उठान में मदद मिलेगी।

757 दिव्यांगों को राज्यमंत्री ने बांटे एक करोड़ 80 लाख के सहायक उपकरण

जिला संवाददाता(vol)

बाराबंकी। जीआईसी ऑडिटोरियम में दिव्यांगजन लाभार्थियों मे निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का शुभारम्भ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार राज्यमंत्री बी0एल0 वर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। शिविर को सम्बोधित करते हुये राज्यमंत्री श्री वर्मा ने कहा कि आज वितरण हो रहे सहायक उपकरण से सभी लाभार्थियों को स्वावलम्बी व सशक्त करने के उद्देश्य को पूरा किया जा सकेगा। और उन्हें समाज की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जा सकेगा। अर्जुन पोर्टल के माध्यम से अब दिव्यांगजन सहायक उपकरणों के लिए सुगमतापूर्वक ऑनलाइन मोड द्वारा आवेदन कर सकते है। जिससे उपकरण वितरण में पारदर्शिता लाने में एवं दिव्यांगजनों को वांछित उपकरण प्राप्त करने में सुविधा हुई है। उन्होंने आगे कहा कि एडिप योजनान्तर्गत वर्ष 2014-15 से अब तक 17 हजार शिविर लगाए गए हैं। तथा लगभग 30 लाख दिव्यांगजनों को लगभग 2211 करोड़ की राशि के सहायक उपकरण दिए गए हैं।

इस प्रयास में 10 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाये गए हैं। उत्तर प्रदेश में 2486 कैम्प आयोजित कर लगभग 6 लाख लाभार्थियों को लगभग 457 करोड़ की राशि के उपकरणों का वितरण किया गया है। शिविर के दौरान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा, राजरानी रावत, एमएलसी अंगद सिंह, जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक अल्मिको अनुपम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

- सहायक उपकरणों के माध्यम से सभी लाभार्थियों को स्वावलम्बी और सशक्त करने का उद्देश्य पूरा होगा: बीएल वर्मा

किसानों की समस्याओं का समय से करें निस्तारणः सीडीओ

जिला संवाददाता(vol)

बहराइच। कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु विकास भवन सभागार में आयोजित किसान दिवस एवं कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि एफपीओ संतृप्तिकरण अभियान के अन्तर्गत एफपीओ को विभिन्न प्रकार के लाइसेंस दे दिये गये है। उन्हें नये-नये व्यवसाय अपनाने का सुझाव दिया। सीडीओ ने गत बैठक में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की बिन्दुवार समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि जो भी किसानों की शिकायते प्राप्त हो सम्बन्धित अधिकारी समबद्ध उसका निस्तारण सुनिश्चित करें तथा आख्या समय से उप निदेशक कृषि को संकलन हेतु उपलब्ध करा दें तथा बैठक में आख्या सहित उपस्थित रहे। सीडीओ ने जनपद के उपस्थित किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कामन सर्विस सेण्टरों पर जाकर करवाने का निर्देश दिया। उन्होनें बताया कि फार्मर रजिस्ट्री बनवाने से किसान के सभी गाटों का रिकार्ड तैयार होगा। राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में आवश्यकता के क्रम में अलग से खतौनी की समस्या समाप्त होगी। सरकारी अनुदान समय से मिल सकेगा तथा किसान क्रेडिट कार्ड, फसली ऋण, फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ सरकार को प्रदान करने में कोई समस्या नही उत्पन्न होगी। सीडीओ ने बताया कि 25 नवम्बर तक किसान स्वयं अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा सकेगें।

25 नवम्बर के बाद कृषि विभाग, राजस्व विभाग, मनरेगा, पंचायत सहायक की ड्यूटी लगाकर तथा कैम्प आयोजन कराकर शत प्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जायेगी। सीडीओ उपस्थित कृषक उत्पादक संगठनों को निर्देश दिया कि प्रत्येक एफपीओ के पास अपने सदस्यों की फार्मर रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित करे। उप कृषि निदेशक टी.पी. शाही ने सभी उपस्थित किसानों तथा एफपीओ निदेशक से फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपेक्षा की। उन्होनें किसानों को विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय वृद्धि करें। रसायनिक खादों का प्रयोग कम से कम करें इससे भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होती है प्राकृतिक खेती के तरफ विशेष ध्यान दे। जैविक खेती से जैविक उपज की बाजार में दो से चार गुने मूल्य प्राप्त होता है। उन्होनें किसानो को सलाह दी कि अपनी फसल अवशेष को जलाये नही बल्कि कम्पोस्ट खाद बनाकर अपने खेतो में डाले इससे खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। आप सभी अपने आस-पास के किसानों को पराली जलाने से रोकें। उप निदेशक कृषि ने किसानों को बताया कि जनपद में इफ्को के पास 10 ड्रोन उपलब्ध हो गये है। नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग करें। उन्होनें बताया कि डीएपी में प्रयुक्त राक फासफेट विदेशों से मंगाना पड़ता है। जिसपर भारत की मुद्रा अत्यधिक खर्च हो रही है। बैठक में उपस्थित इफ्को के क्षेत्रीय प्रबन्धक सर्वजीत कुमार वर्मा ने बताया कि नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग एक एकड़ में करें। यदि उत्पादन कम होता है तो इफ्को कम्पनी उसकी भरपाई करेगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया राजकीय कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण

बाराबंकी। कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस0 गर्ग ने राजकीय कृषि प्रक्षेत्र, मालिनपुर रामसनेहीघाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने मालिनुपर प्रक्षेत्र पर बीज उत्पादन का निरीक्षण किया। तथा सुपर सीडर के माध्यम से गेहूं की बुवाई प्रारम्भ कराई। इसके उपरान्त कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसान कल्याण केन्द्र बनीकोडर का निरीक्षण कर उपस्थित कृषकों को पाश मशीन के माध्यम से सरसो एवं चना के निःशुल्क मिनीकिट का वितरण किया।

प्रगतिशील कृषक दिलीप वर्मा के मशरूम उत्पादन प्लांट का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान श्री वर्मा द्वारा की जा रही शिमला मिर्च, गोभी, टमाटर आदि की खेती का निरीक्षण कर उनकी आधुनिक एवं विविधीकरण खेती की प्रशंसा की।

इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्थान उ0प्र0 निदेशक डा0 एस0बी0सिंह, उप कृषि निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ए0के0 श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक श्रवण कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट श्रीमती काव्या, उपजिलाधिकारी रामसनेहीघाट रामआसरे वर्मा, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विजय कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी गोमती सौरभ कुमार, भूमि सरंक्षण अधिकारी कुर्सी डा0 विनोद कुमार यादव, जिला सलाहकार कैलाशनाथ पाण्डेय समेत कृषि विभाग के क्षेत्रीय कार्मिक मौजूद रहे।

- कृषकों को सरसो और चना के निःशुल्क मिनीकिट का किया वितरण

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत हुआ ट्रेनिंग ऑफ हेल्थ प्रोफेशनल

बहराइच। बुधवार को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सीएमओ कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग ऑफ हेल्थ प्रोफेशनल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद में कार्य कर रहे आरबीएसके चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अम्बेडकर नगर से आये एनटीपीसी के सलाहकार डॉ. सर्वेश कुमार एवं यूपीवीएचए लखनऊ से रीजनल को ऑर्डिनेटर दिलीप पाण्डेय रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचनाधिकारी बृजेश सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में अब आरबीएसके टीम को भी जोड़ा जा रहा है ताकि बच्चों और वयस्कों तक आसानी से तम्बाकू उत्पादों से होने वाले दुष्प्रभावों और बीमारियों के बारे में जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अब आरबीएसके टीम अपने अपने क्षेत्र के विद्यालयों के बच्चों तक तम्बाकू और तम्बाकू उत्पादों से होने वाली बीमारियों, दुष्प्रभावों के प्रति बच्चों को सचेत करेगी तथा शिक्षण संस्थाओं को तम्बाकू मुक्त के दिशानिदेर्शों का अनुपालन भी सुनिश्चित कराया जायेगा।एनटीसीपी सलाहकार डॉ. सर्वेश कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में तम्बाकू से हो रहे रोगों, रक्तचाप, अनिद्रा, कैंसर आदि के बारे मे मौजूद चिकित्साधिकारियों एवं हेल्थ वर्करों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों एवं हानियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि तम्बाकू उत्पादों के सेवन से प्रमुख रूप से उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे मुख रोगो की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। समाज में विशेषकर बच्चे एवं युवा जानकारी के अभाव में तंबाकू उत्पाद को अपनाकर बीमारियो से ग्रसित हो रहे है। हमें हर संभव बच्चों और युवाओं को तम्बाकू जनित बीमारियों से जागरूक करना है ताकि वह खुद भी तम्बाकू उत्पादों के सेवन से बचे और दूसरों को भी इससे बचने की सलाह दे।

रीजनल को ऑर्डिनेटर दिलीप पाण्डेय ने तम्बाकू उत्पादों को छोड़ने के उपाय एवं कोटपा अधिनियम 2003 के बारे मे जानकारी दी एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के दिशानिदेर्शों का विंदुवार जानकारी दी साथ ही बताया कि तम्बाकू उत्पाद छोड़ने हेतु टोल फ्रीनंबर 1800112356 पर बात कर सकते है। तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 4 के अन्तर्गत सभी सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को प्रतिबंधित किया गया है। इस अवसर पर अपर मुख्यचिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कुमार, डॉ. संतोष राणा, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पी.के. बांदिल, एनसीडी के नोडल अधिकारी अनुराग वर्मा, आरबीएसके नोडल अधिकारी डॉ.सतीश गौतम, डॉ. विजित जायसवाल, डॉ. अंशुमान सिंह, लॉजिस्टिक ऑफिसर विवेक श्रीवास्तव, डीईओ मोहम्मद हारुन, भौतिक चिकित्सक डॉ. रियाजुल हक, काउंसलर पुनीत शर्मा, एनटीसीपी डीईओ शरद श्रीवास्तव, फहीम अहमद, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

अयोध्या। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अयोध्या की देखरेख में 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्नांकित विषयों से संबन्धित वादों का निस्तारण किया जायेगा- ह्लप्रिलिटीगेशन स्तर के विवाद-धारा 138 पराक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), बैंक वसूली वाद, श्रम विवाद वाद, विद्युत एंव जलवाद बिल (अशमनीय छोड़ कर) व अन्य (आपराधिक शमनीय, पारिवारिक एवं अन्य व्यवहार वाद) न्यायालय में लम्बित वाद (जो नेशनल जुडीशियल डाटा ग्रिड पर प्रदर्शित हो)- आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), और उच्च न्यायालय में लम्बित हों व अन्य सिविल वाद (किरायेदारी, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा वाद, विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि है।

हार्डवेयर दुकान में लगी आग, करोड़ों का नुकसान

बहराइच। शहर के लखनऊ मार्ग स्थित हार्डवेयर और प्लाई वुड की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना पाकर पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। पांच घंटे मेहनत कर दमकल के सात वाहनों ने आग पर काबू पाया। आग लगने से लगभग दो करोड़ का नुकसान हुआ है।कोतवाली देहात क्षेत्र के लखनऊ मार्ग पर गोलवाघाट के पास कृष्णा प्लाई एवं शोरूम का संचालन होता है। मंगलवार रात को शोरूम के मालिक आशीष अग्रवाल और नवनीत अग्रवाल दुकान बंद कर चले गए। बुधवार सुबह तीन बजे पड़ोसी ने दुकान में धुवां निकलने की सूचना दी। इस पर सभी मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग को आग लगने की जानकारी दी गई। 3ण्27 बजे दमकल कर्मी वाहन लेकर मौके पर पहुंचे। सभी ने आग बुझाना शुरू किया। लेकिन लपट तेज होने के चलते सीएफओ विशाल रामानुज गौड़ ने कैसरगंजए नानपारा से भी दमकल वाहन मंगवाया। जिला मुख्यालय के पांच वाहन और दो तहसील के वाहन आग बुझाने में लगे रहे। लगभग पांच घंटे बाद सभी ने आग पर काबू पाया। जिला अग्निशमन अधिकारी विशाल रामानुज गौड़ ने बताया कि आग लगने के कारण का पता नहीं चला सका है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। इस दौरान कोतवाली देहात के अपराध निरीक्षक आलोक सिंहए पंकज यादवए मुकेश यादव समेत अन्य पुलिस भी मौजूद रही। आशीष अग्रवाल और नवनीत अग्रवाल ने बताया कि तीन दिन पहले छह हजार प्लाई वुड आए थे। इसके अलावा अन्य सामान आया था। कुल दो करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

- पांच घंटे बाद दमकल की सात गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

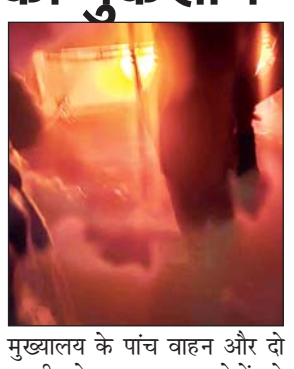

संक्षेप

अराजकतत्वों ने दुकानदार को पीटा, घायल

कादीपुर, सुलतानपुर। किराने की दुकान पर पहुंचकर हमलावरों ने दुकानदार की जमकर पिटाई की, जिससे उसका सिर पर चोटें आई हैं। दुकान के अंदर घुसकर सामानों को तोड़फोड़ दिया। कोतवाली क्षेत्र के ककना गांव के दिलीप कुमार मौर्य की गांव के चैराहे पर सड़क के किनारे किराने की दुकान है। आरोप है कि मंगलवार को दिन में तीन बजे चार लोग सेंट्रो कर से दुकान पर आए और दुकानदार को गाली-गलौज देने लगे। मना करने पर लाठी डंडे एवं लोहे के राड से मारापीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका सिर भी फट गया। दुकान में घुसकर रखे सामानों में भी तोड़फोड़ की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार की रात कोतवाली के मगरावा गांव के रोहित सिंह एवं बालमुकुंद सिंह तथा दो अज्ञात के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

अमेठी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को उनि. देवी दयाल मौर्या थाना शिवरतनगंज मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मुअसं 131/24 धारा 137(2),87,351(2),61(2) बीएनएस थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्त सूरज कुमार पुत्र श्याम सुन्दर निवासी हसनगंज महोवाबोझ थाना कमरौली जनपद अमेठी को अहोरवा भवानी तिराहे के पास से करीब 9.45 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के संबंध में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गांजा के साथ गिरफ्तार

अमेठी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशामुक्त अमेठी अभियान के तहत बुधवार को उनि. सुरेश कुमार थाना फुरसतगंज मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अरविन्द सिंह उर्फ गुन्नू सिंह पुत्र रामबरन सिंह निवासी ब्रम्हनी थाना फुरसतगंज जनपद अमेठी को रेलवे स्टेशन मोड़ फुरसतगंज के पास से करीब 9:50 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया। तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

दो साहित्यकार सम्मानित

कादीपुर, सुलतानपुर। तहसील के दो साहित्यकारों को साहित्य जगत में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। आरजे इंस्टीट्यूट हायर एजुकेशन डिबाई बुलंदशहर के संयोजन में 16 नवंबर को साहित्य अकादमी नई दिल्ली मैं आयोजित एक कार्यक्रम में संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर के पूर्व संस्कृत विभाग अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार पांडेय एवं करौदी कला के समुदा गांव के विजय शंकर भास्कर को हिंदी भाषा एवं साहित्य के उत्थान में अतुलनीय योगदान के लिए साहित्य शिरोमणि राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. राम शरण गौड़, डा अमर सिंह वधवा, डा रजनी सिंह ने साहित्यकारों को सम्मान पत्र प्रधान किया। इसके पूर्व 15 नवंबर को संकल्पना उड़ान कविता की संस्थापिका प्रख्यात कवयित्री बबीता पांडेय ने भी दोनों साहित्यकारों को सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया।

सीडीओ ने किसानों की समस्याओं का किया निस्तारण

सुलतानपुर (वीओएल)। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र में किसान दिवस का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी समस्याओं का निस्तारण किया गया। सीडीओ ने अधिकारियों को जर्जर तार और केबल बदलने तथा औरंगाबाद माइनर की जांच के लिए टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसान दिवस में दर्ज शिकायतों का 10 दिनों के भीतर समाधान कर किसानों को सूचित किया जाए। कार्यक्रम में डॉ. ए.के. सिंह ने पशुओं की बीमारियों और उपचार पर जानकारी दी, जबकि डॉ. अतुल सिंह ने रबी फसलों में होने वाले रोगों और उनके समाधान पर चर्चा की। इस मौके पर उप कृषि निदेशक रामाश्रय यादव, जिला कृषि अधिकारी सदानंद चैधरी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार तिवारी, अधिशासी अभियंता अरुण कुमार, नीतिश चित्रांश, राम कीरत, जगदीश सिंह, ओम प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

चार पहिया वाहन की टक्कर से 3 महिलाएं घायल, एक की मौत

कादीपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। चार पहिया वाहन के टक्कर मार देने से ई रिक्शा पर सवार तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसमें से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर एक महिला की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दूसरी महिला को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बुधवार की सुबह 11:00 बजे कादीपुर कोतवाली के मालापुर गांव की विमला पत्नी राजेंद्र (60) दोस्तपुर से दवा लेकर ई-रिक्शा से अपने घर आ रही थी। वह जैसे ही कोतवाली क्षेत्र के बुढ़ाना गांव के पास पहुंची तभी सामने से आ रही चार पहिया वाहन ने ई रिक्शा को टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा पर सवार तीन महिलाएं घायल हो गई। घायल महिलाओं को सीएचसी कादीपुर लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने विमला को मृत घोषित कर दिया। जौनपुर जिले के सराय मोहिनुद्दीनपुर पुलिस चैकी के गाजीपुर गांव की रंजन (30) पत्नी मुन्नीलाल के गंभीर रूप से घायल होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। तीसरी महिला सुमित्रा पत्नी रामनेवाज (35) भटपुरा थाना दोस्तपुर को हल्की चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छात्रों ने किया कृषि विवि का शैक्षिक भ्रमण

सुलतानपुर (वीओएल)। विकास खंड दूबेपुर के कक्षा 6 से 8 तक के 100 छात्रों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज (अयोध्या) का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। ये छात्र परिषदीय विद्यालयों की क्विज प्रतियोगिता में शीर्ष 100 में स्थान पाने वाले थे। एआरपी विज्ञान आलोक कुमार सिंह ने छात्रों को विश्वविद्यालय में संचालित कृषि, गृह विज्ञान, पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन, हार्टिकल्चर और डेयरी जैसे विषयों की जानकारी दी। वहीं, विश्वविद्यालय के प्रायोगिक क्षेत्र का भ्रमण एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आस्तिक झा और डॉ. अमरनाथ सिंह ने कराया। डॉ. झा ने छात्रों को प्रयोगात्मक कृषि विधियों की जानकारी दी और उन्हें भविष्य में फिर से आमंत्रित किया। खंड शिक्षा अधिकारी राम तीर्थ वर्मा ने बच्चों के लिए लंच पैकेट, नाश्ता, कैप, टी-शर्ट, चॉकलेट और कोल्ड ड्रिंक की व्यवस्था की। भ्रमण के दौरान शिक्षकों और स्टाफ में रमेश तिवारी, शिव बहादुर सिंह, कमलेश दुबे, दिव्या सिंह, रवि वेद त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। छात्रों ने इस अनुभव को बेहद उत्साहजनक बताया, और शिक्षक उमेश गुप्ता ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण बच्चों को नई जानकारियां देते हैं और उनके भविष्य के लिए प्रेरणा बनते हैं।

टैबलेट पाकर खिले छात्राओं के चेहरे

- केएनआईएमटी के नर्सिंग विभाग में 87 छात्राओं को वितरित किया गया टैबलेट

सुलतानपुर (वीओएल)। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण के तहत मंगलवार को कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 87 छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरे

खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में संस्थान के प्रबंधक विनोद सिंह और विशिष्ट अतिथि नर्सिंग संकाय के डायरेक्टर डॉ. महेश प्रसाद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. महेश प्रसाद ने कहा कि डिजिटल तकनीक के इस युग में टैबलेट जैसे उपकरण बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि गांव में हर परिवार अपने बच्चों को आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाता था। ऐसे में यह सरकारी योजना समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का एक बेहतरीन प्रयास है। टैबलेट से बच्चे न केवल तकनीकी ज्ञान अर्जित करेंगे, बल्कि सफलता का नया द्वार भी खोलेंगे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रशासक राजेश दूबे ने कहा कि छात्राएं इस टैबलेट और स्मार्टफोन की मदद से घर बैठे आय, जाति, और निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज ऑनलाइन प्राप्त कर सकती हैं।

इस मौके पर सुरभि सिंह, चन्द्रावती दूबे, अंशिका मिश्रा, खुशबू वर्मा, आर्या त्रिपाठी, हीना परवीन, दिव्यांशी शुक्ला, तारा देवी, नम्रता सिंह, आर्या मौर्या, विजया दूबे, श्वेता दूबे, खुशी पाण्डेय, सबीहा बानों आदि मौजूद रहे।

बच्चों के लिए खेल जरूरी

अमेठी। बुधवार को ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतीत के रूप में विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता अमरेश सिंह पिंटू रहे उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन कर नव निहालों को जानकारियां दी। उन्होंने कहा की बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए खेल जरूरी है इससे बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। प्राथमिक विद्यालय गूजीपुर में खेल का आयोजन चल रहा था। बच्चों का उत्साह वर्धन कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

26 को तिलक 4 दिसंबर को शादी प्रेमी के साथ फरार हुई युवती

अमेठी। जनपद में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया जहाँ तिलक के ठीक एक दस दिन पहले युवती अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. जाते-जाते युवती डेढ़ लाख रुपए नगद और लाखों रुपए की ज्वैलरी भी लेकर चली गई. परिजनों ने जब खोजबीन शुरू की तो पता चला कि युवती अपने प्रेमी के साथ फरार हुई है जिसके बाद भाई की तहरीर पर प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. मामला मोहनगंज थाना क्षेत्र के पूरे बसावन मजरे रस्तामऊ गांव का है जहाँ गांव की रहने वाली एक युवती की 26 नवंबर को तिलक थी जबकि उसकी शादी 4 दिसंबर को तय थी.परिवार शादी की तैयारी में जुटा हुआ था.तिलक के ठीक 10 दिन पहले 16 नवंबर को युवती अपने प्रेमी के साथ घर में रखें लाखों रुपए की नगदी और लाखों रुपए की जेवर लेकर फरार हो गई।युवती के गायब होते ही परिजन उसकी तलाश में जुट गए जिसके बाद पता चला की युवती अपने प्रेमी रमेश के साथ फरार हो गई है.इसके बाद भाई ने थाने जाकर तहरीर दी जिस पर पुलिस ने प्रेमी रमेश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. तहरीर के मुताबिक 16 नवंबर को युवती शौच के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं आई. काफी खोज दिन के बाद पता चला की युवती अपने प्रेमी के साथ फरार हुई है और अपने साथ डेढ़ लाख रुपए नगद और लाखों रुपए के गहने लेकर गई है. पूरे मामले पर एसएचओ राकेश सिंह ने कहा कि मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है।

कॉलेज में कवि गोष्ठी आयोजित कवियों ने सुनायी गजल

कादीपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। बुधवार को काशी विश्वनाथ डिग्री कॉलेज जफर पुर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के कवियों एवं साहित्यकारों का जमावड़ा हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में कमलेश भट्ट कमल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया और दूसरे चरण में काव्य पाठ किया गया। साहित्यकार चित्रेश ने कहा कि कमलेश भट्ट कमल बहुआयामी प्रतिभा के रचनाकार हैं। उनकी रचनाएं समाज को सार्थक संदेश देती हैं। गजलकार और कहानीकार के रूप में आपकी विशेष ख्याति है। सुरेश चंद शर्मा ने कहा कि कमलेश भट्ट कमल का सृजन साहित्य के विविध संदर्भों को धार देता है। कहानीकार चित्रेश ने कहा कि कमल जी एक सशक्त रचनाकार हैं। डॉ रामप्यारे प्रजापति ने कहा कि कमल जी एक गंभीर रचनाकार हैं। जो हिंदी साहित्य को निरंतर समृद्ध कर रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत करते हुए काव्य वर्षा की। कमलेश भट्ट कमल की खूबसूरत गजल का यह शेर लोगों को खूब पसंद आया-ओ खुद ही जान जाते हैं बुलंदी आसमानों की, परिंदों को नहीं तालीम दी जाती उड़ानों की। एक नहीं वह उसको सौ सौ बार समझता है, रचने का सुख केवल रचनाकार समझता है। कार्यक्रम के एममध्य मे संत तुलसीदास पी एमजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रो. एवं कवि डॉ करुणेश प्रकाश भट्ट की पुस्तक ह्यभारतीय काव्य शास्त्र एवं प्रमुख सिद्धांतह्न का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर कॉलेज के प्रबंधक अरविंद सिंह, अवधेश सिंह, पिंकू सिंह हरीश सिंह, श्रीचंद्र सिंह, संजय सिंह, हृदय नारायण शुक्ल, जयप्रकाश शर्मा, जसवंत यादव, जगदीश मौर्य और ग्राम प्रधान कृष्णदेव मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन

भेंटुआ, अमेठी। विकासखंड मुख्यालय पर आयोजित बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का द्वितीय और समापन दिवस पर बुधवार को ब्लॉक प्रमुख आकर्ष शुक्ल विशिष्ट अतिथि एवं श्रीमती सुमनलता शुक्ला रही। खंड शिक्षा अधिकारी डॉक्टर संतोष कुमार यादव ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण करते हुए बुके देकर स्वागत किया। उन्हें टोपी और बैज लगाया साथ में मोमेंटम प्रदान किया। बीओ ने सभी निर्णायक और खेल संपादित करवाने वाले शिक्षकों को टोपी और सीटी प्रदान की। शैलजा गोंड, सुनीता जायसवाल, पूजा सिंह व अंकिता चौधरी द्वारा मनमोहक रंगोली बनाई गई। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, रामकुमार सिंह, सतीश कुमार शुक्ल, गिरीश चंद्र पाण्डेय, खेल शिक्षक रामचन्द्र यादव, राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ शिक्षक हृदय प्रकाश सिंह,स्वप्निल किरन मौर्य, महेंद्र कुमार जायसवाल, स्वामी प्रसाद सिंह आलोक सिंह, अनुपम पाण्डेय, सुरेन्द्र कुमार सहित अनेक शिक्षक अपने परम दायित्वों का निर्वहन बड़े ही उत्साह और समर्पण के साथ करते रहे।

भारतीय संस्कृति 'हमारी धरोहर' पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

सुलतानपुर (वीओएल)। विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर जनपदीय संग्रहालय सुलतानपुर में 'हमारी धरोहर' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता के परिणाम स्वरूप दीपांशु पाल (कक्षा 10) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आयुष कुमार यादव (कक्षा 10) ने द्वितीय स्थान और हिमांशु पाल (कक्षा 9) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों ने निबंध के माध्यम से हमारे सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की आवश्यकता और उनके महत्व पर जोर दिया। इस आयोजन में पंकज वर्मा ने छात्रों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया और उनकी सक्रियता की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने छात्रों की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक सफलता की कामना की। उन्होंने छात्रों को भारतीय संस्कृति और धरोहर के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूक करने और उसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने में सफल रहा।

अहिल्याबाई समरसता की अद्वितीय प्रतिमूर्ति हैं : श्रीप्रकाश

सुलतानपुर (वीओएल)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की मानवंदना यात्रा, जो पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी के त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही है। जिसका सुलतानपुर में भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा महेश्वर (मध्य प्रदेश) से प्रारंभ होकर गोरखपुर में अभाविप के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में समापन करेगी। सुलतानपुर में यात्रा का भव्य स्वागत रामगंज, उतुरी गेट, पयागीपुर, शाहगंज चैराहा, रामराजी विद्यालय, डाकखाना चैराहा, अभाविप कार्यालय और एमजीएस कॉलेज में पुष्प वर्षा और आरती के साथ किया गया। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, अवनीश सिंह गुड्डू, प्रवीण अग्रवाल, संघ के जिला प्रचारक आशीष, रामेंद्र राणा, और नवनीत सिंह शामिल रहे।

अभिनंदन समारोह और नाट्य मंचन : एमजीएस कॉलेज में

अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति रामराजी सरस्वती बालिका विद्यालय द्वारा अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन रही। इसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि राधिका सिकरवार ने कहा कि आज इंदौर स्वच्छता में अग्रणी है, जिसका श्रेय अहिल्याबाई की दूरदर्शी योजनाओं को जाता है। हमें उनके कृतित्व को युवाओं तक पहुंचाना होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई ने राष्ट्र निर्माण में अपना अप्रतिम योगदान दिया है। नई पीढ़ी को उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। आरएसएस के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी ने कहा कि अहिल्याबाई समरसता और दूरदर्शिता की प्रतीक थीं। उनकी नीतियां आज भी प्रासंगिक हैं। प्रो. डी.के. त्रिपाठी (प्राचार्य, राणा प्रताप कॉलेज) ने कहा कि अहिल्याबाई का योगदान जनकल्याण और प्रजा हित में अमूल्य था। उनके विचारों का प्रचार-प्रसार जरूरी है।

जिला स्तरीय जूनियर भारोत्तोलन बालक वर्ग प्रतियोगिता की गयी आयोजित

अमेठी। जिला खेल कार्यालय के उपक्रीड़ाधिकारी शमीम अहमद ने बताया कि वर्ष 24-25 में आयोजित होने वाली पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर जनपद में आज डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में जिला स्तरीय जूनियर भारोत्तोलन बालक वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित की गयी तथा इस दौरान मुख्य अतिथि जिला ओलम्पिक संघ सचिव अमेठी सन्दीप कुमार सिंह द्वारा खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। इस क्रम में उन्होंने बताया कि भारोत्तोलन बालक वर्ग प्रतियोगिता के प्रत्येक इवेन्ट (भार वर्ग) क्रमशः 49 कि0ग्रा0 में शिवा, अभिषेक, आनन सिंह, 55 कि0ग्रा0 में इस्माइल रजा खॉ, राम आशीष यादव, प्रज्ञांस, 61 कि0ग्रा0 में चन्दन यादव, राज विक्रम सिंह, नैतिक, 67 कि0ग्रा0 में जुनैद, आयुष, प्रतीक, 73 कि0ग्रा0 में आर्यन, अजहान, प्रिंस, 81 कि0ग्रा0 में युवराज, रणधीर, रोहित विश्वकर्मा, 89 कि0ग्रा0 में उत्तम जायसवाल, गोविन्द बघेल, नितेश यादव, 96 कि0ग्रा0 में मो0 कामरान, मनीष कुमार, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, 102 कि0ग्रा0 में वैभव सिंह, रितिक भार्गव, आदित्य तथा +102 कि0ग्रा0 में आकाश कुमार, उपेन्द्र व अजीतराज निषाद ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि उपरोक्त आयोजित प्रतियोगिता में उपक्रीड़ाधिकारी अमेठी शमीम अहमद द्वारा मंच का संचालन किया गया तथा इस अवसर पर उपक्रीड़ाधिकारी शमीम अहमद, मो0 मोसर्रफ खॉ, जीवन रक्षक राम आसरे, मो0 आरिफ, मो0 नदीम, मोना सिन्हा, प्रशिक्षक अमेठी सहित अन्य समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

हरियाणा से बिहार ले जायी जा रही 118 पेटी अंग्रेजी शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

जिला संवाददाता (vol)

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर कब्जे से 984 बोतल व 1728 पव्वे रॉयल स्टैग हरियाणा मार्का के कुल 118 पैटी अवैध अंग्रेजी शराब जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपए बरामद की गई। बुधवार को थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना रसूलपुर के सामने से एक आयशर बंद बॉडी कैन्टर में छिपाकर बिहार ले जाई जा रही 984 बोतल व 1728 पव्वे रॉयल स्टैग ब्रांड की हरियाणा मार्का अवैध अंग्रेजी शराब अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपए सहित एक अभियुक्त संदीप कौशिक पुत्र विनोद कौशिक निवासी कुरियकियान पुरा पोस्ट तासौड़ थाना मनसुखपुरा जनपद आगरा व हाल निवासी मोहल्ला क्लीनिक रजोकरी थाना बसन्त कुंज नई दिल्ली को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियुक्त सन्दीप कन्टैनर में फिनायल की पैटियों के बीच अवैध शराब हरियाणा मार्का को छिपाकर बिहार में ले जाकर सप्लाई करता है इससे उसको अच्छे धन की कमाई होती है। थाना प्रभारी अनुज कुमार के नेतृत्व में थाना रसूलपुर पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब ले जाते हुए कंटेनर को पकड़ा है। जिसमें भारी मात्रा में 118 पेटी रॉयल स्टैग हरियाणा मार्का की अंग्रेजी शराब पकड़ी गई है। जिसकी अनुमानित कीमत 20 लाख रुपए है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस ने थाना रसूलपुर पर आबकारी अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की है।

दीपोत्सव के साथ प्रज्ञा पुराण कथा व गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति

- सैकड़ों लोगों ने लिया युग निर्माण का संकल्प

मुसाफिरखाना, अमेठी। बुधवार की शाम गायत्री प्रज्ञापीठ मुसाफि रखाना का प्रांगण घर-घर से आये हजारों दीपकों की रोशनी से जगमगा गया। छोटे-छोटे बच्चों, युवाओं व बुजुर्गों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ दीप जलाकर गायत्री दीप महायज्ञ में अपनी आहुति दी। क्षेत्रीय विधायक राकेश प्रताप सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने दोनों हाथ उठाकर युग निर्माण का संकल्प लिया।

13 नवम्बर से प्रारंभ प्रज्ञा पुराण कथा एवं गायत्री महायज्ञ के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भीड़ अधिक होने के कारण सुबह 8 बजे शुरू हुआ हवन का कार्यक्रम दोपहर बाद तक चलता रहा, हजारों लोगों ने श्रद्धा से गायत्री महायज्ञ में प्रतिभाग किया व भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण किया।

शाम के दीपयज्ञ की तैयारियां दोपहर से ही शुरू हो गई, बड़ी संख्या में कन्याएं दिये सजाने में जुट गई, कार्यक्रम स्थल पर हजारों दीप मालाएं सजाई गईं। शाम को अंतिम दिन की कथा प्रारम्भ करते हुए आचार्य श्री कैलाश नाथ तिवारी जी ने मीराबाई का जिक्र करते हुए कहा कि जब सच्चे और निर्मल मन से आस्था की जाती है तो भगवान को भी अपने भक्त के पास आना पड़ता है, जब श्रद्धा व भक्ति सच्ची होती है तब विष भी अमृत बन जाता है, मीराबाई को डसने के लिए उनके गले में डाला गया विषधर साँप भी हार बन जाता है। उन्होंने परम पूज्य गुरुदेव की मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण की परिकल्पना को साकार करने के लिए लोगों को श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने मार्च 2025 में आयोजित राष्ट्र जागरण 251 कुण्डीय गायत्री

महायज्ञ अमेठी के निमित्त प्रतिदिन कम से कम एक माला गायत्री मंत्र का जप, परम पूज्य गुरुदेव की चिट्ठी अखण्ड ज्योति एवं युग निर्माण योजना का नियमित अध्ययन, युग निर्माण की सप्त क्रांतियों को आगे बढ़ाने, समय दान एवं अंश दान करने का सभी को दोनों हाथ उठाकर संकल्प दिलाया। तत्पश्चात दीप महायज्ञ का कार्यक्रम हुआ, संगीत वाद्य यंत्रों के साथ सुनील जी की टोली के जय महाकाल- जय महाकाल गीत पर श्रोता जमकर झूमे। गायत्री मंत्र की आहुति के साथ पूणार्हुति अनूठे तरीके से दी गई। पूणार्हुति में दक्षिणा के रूप में लोगों को अपनी एक बुराई त्यागने का संकल्प दिलाया गया।

इससे पूर्व गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने देव मंच पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने उद्बोधन में उन्होंने गायत्री परिवार के सामाजिक आंदोलनों की सराहना करते हुए राष्ट्र जागरण 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ को सफल बनाने में सभी को जुट जाने का आवाहन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से क्षेत्राधिकारी मुसाफि रखाना अतुल कुमार सिंह, प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी, गायत्री परिवार के युवा समन्वयक डॉ० दीपक सिंह आदि मौजूद रहे। गायत्री प्रज्ञापीठ के व्यवस्थापक विजय बहादुर सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए महिला मण्डल की महक यादव, कोमल यादव, कुसुमलता वैश्य, सरोज तिवारी, प्रतिभा द्विवेदी, जया कौशल, मंगला द्विवेदी, व कार्यकर्ता आत्मानंद द्विवेदी, वेद प्रकाश श्रीवास्तव आदि के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले कार्यकताओं का आचार्य कैलाश नाथ तिवारी ने तिलक व पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया।

रोडवेज कर्मी की हत्या में तीन गिरफ्तार

गोसाईगंज, सुलतानपुर (वीओएल)। रिटायर्ड रोडवेज कर्मी की हत्या के मामले में गोसाईगंज पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायिक अभिरक्षा में तीनों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। गोसाईगंज थाने के नारायणपुर सहाई पांडेय का पुरवा निवासी सुरेंद्र प्रताप पांडेय की रविवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर सुदनापुर बाजार से घर जाते समय रजनपुर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पीड़ित के पुत्र अभिषेक कुमार पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व सैनिक सहित चार नामजद और तीन-चार अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। बुधवार को अपराध निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा ने टीम के सदस्यों उपनिरीक्षक गुलाब चंद्रपाल, हेड कांस्टेबल अभिषेक सिंह, कांस्टेबल सुनील कुमार, शिवम, सूर्य कुमार तिवारी, महिला कांस्टेबल सुमन चैहान के साथ हत्या में नामजद आरोपितों कैलाश नाथ मिश्र, आदित्य मिश्र उर्फ मनु और बद्री प्रसाद मिश्र निवासीगण नारायणपुर को इनायतपुर-सुदनापुर मोड से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से सभी को जेल भेजने की कार्रवाई की गई। हत्या में शामिल मुख्य आरोपी अंकित मिश्र अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है। घटना में प्रयुक्त असलहे को भी पुलिस अभी बरामद नहीं कर सकी है। पुलिस का मानना है कि मुख्य आरोपित को पकड़ने के बाद ही हत्या में शामिल अज्ञात हत्यारों का पता चल सकेगा। थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि आरोपितों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से तीनों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई है

संक्षेप

जेसीबी चालक ने की 6 साल के मासूम बच्चे की निर्मम हत्या

मथुरा। थाना छाता कोतवाली के अंतर्गत गांव गौहरी गांव में 6 साल के बच्चे की जेसीबी चालक ने जेसीबी मशीन से निर्मम हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जेसीबी चालक को मशीन सहित गिरफ्तार किया गया और बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बुधवार को थाना छाता कोतवाली के अंतर्गत गांव गौहरी में 4 साल का मासूम बच्चा देव उर्फ देबू पुत्र सुमित अपने घर के बाहर बने चबूतरे पर बैठा हुआ था तभी एक जेसीबी चलाकर रास्ते से होते हुए आ रहा था जिसने पहले से ही नशा कर रखा था और चबूतरे पर बैठे बच्चे को मशीन के लोडर से गर्दन पर वार कर दिया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाते ही इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और चालक जलसिंह को और जेसीबी मशीन को अपने साथ थाने ले आई पुलिस द्वारा बच्चे का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम किए भिजवा दिया।

बधिया टीकाकरण के लिए पकड़े कुत्ते

मथुरा। मथुरा वृंदावन नगर निगम सुबह लगभग 10: 00 बजे नगर निगम मथुरा वृंदावन के द्वारा बधिया करण को लेकर कुत्ता पकड़ो अभियान चलाया गया। आवारा कुत्तों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर आ रही शिकायतों को लेकर नगर निगम ने फिर एक बार रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। हालांकि यह अभियान पहले भी चलाया गया था जिसके चलते हुए शहर के कई स्थानों से आवारा कुत्तों का रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया और बनाए गए डॉग सेंटर पहुंचा ।वहीं हुई बातचीत में कर्मचारियों ने बताया कि नगर निगम के द्वारा आवारा जानवर कुत्तों बंदरों की जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण के लिए बधिया टीकाकरण चलाया जा रहा है जिससे कि आवारा जानवरों की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके। नगर आयुक्त के निर्देशन में यह अभियान कई जगह चलाया गया जिसमें दर्जन भर कुत्तों को पड़कर केंद्र ले जाया गया और बधिया करण किया गया।

आगरा जिला जेल की सुरक्षा में हुई बड़ी चूक

आगरा। 120 बी के मुलजिम को जिला कोर्ट से आगरा की जिला जेल में छोड़ने गई थाना खंदौली पुलिस के जवानों के साथ जिला जेल के गेट तक लूट के आरोपी सोनू उर्फ सोनिया किन्नर पहुंची जिला जेल के गेट की वीडियो 120 बी के मुलजिमों के साथ कर दी वायरल आखिर किसने दी इसको गेट तक पहुंचाने की अनुमति क्या आगरा का जिला प्रशासन ऐसे लूट के अपराधियों पर करेगा कार्रवाई बड़ा सवाल किसी भी दिन दे सकते हैं बड़ी घटना को अंजाम आखिर कब तक होगी सोनू उर्फ सोनिया किन्नर की गिरफ्तारी अगर कोई गैंगवार होता तो कौन होता जिम्मेदार।

उमा भारती बरसाना में पांच दिनी प्रवास पर

मथुरा। बरसाना मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती पांच दिवसीय ब्रज भ्रमण के लिए बरसाना में प्रवास किया। इस दौरान देर शाम उमा भारती का काफिला बरसाना पहुंचा। बरसाना कस्बे के करहला रोड पर स्थित कटारा पार्क के समीप मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती पांच दिवसीय प्रवास पर बरसाना पहुंची। मंगलवार की देर शाम उमा भारती का काफिला बरसाना पहुंचा। इस दौरान बरसाना में स्थित अपने शिविर में उन्होंने रात्रि प्रवास किया। सूत्रों की माने तो पांच दिनों तक उमा भारती बरसाना क्षेत्र में स्थित राधाकृष्ण के लीला स्थलों के दर्शन करेंगी।

मानसिक नकारात्मकता अच्छा काम करने से रोक देती है

संस्कृति विवि में मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ सेमिनार

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ नर्सिंग में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में वक्ताओं ने कार्यस्थल पर अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता और उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इस ओर प्राथमिकता से ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी का प्रारंभ परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। संगोष्ठी में स्कूल आफ नर्सिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्लेसी ने कहा कि अक्सर देखा गया कि लोग मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता नहीं बरतते। अपनी खीज, झल्लाहट और चिड़चिढेपन को सामान्य रूप से ले लेते हैं और इस कारण उनकी असली वजह सामने नहीं आ पाती। इसका बहुत बड़ा कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ होना भी है। हमारी मानसिक नकारात्मकता हमें अच्छा काम करने से रोक देती है और कार्यस्थल पर अक्षमता के रूप में सामने आती है। इस पर हम सबको ध्यान देना होगा और समझना होगा।

उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना ही इस संगोष्ठी का परम उद्देश्य है। जब हम जागरूक होंगे तो हम अपनी मानसिक स्थितियों को समझ सकेंगे और स्वस्थ हो सकेंगे।

संस्कृति स्कूल आफ नर्सिंग के प्राचार्य डा. केके पाराशर ने कहा कि हमको अपना मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखना होगा। अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही हम कार्यस्थल पर अपना शत-प्रतिशत दे सकते हैं। अगर हम मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होते हैं तो हमारा न तो काम में मन लगता है और न ही हम अपने काम को अच्छी तरह से कर पाते हैं।

उन्होंने कहा कि जब तक हम अपनी मानसिक दशा को अच्छी तरह से ध्यान नहीं देंगे तब तक हम अपने बिगड़े मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जान नहीं सकेंगे। संगोष्ठी में छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखे और मानसिक स्वास्थ्य को तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए सभी को जागरूक किया। अंत में मेडिकल एवं सर्जिकल विभाग के प्रो. विनीत रावत ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए आशा व्यक्त की कि संगोष्ठी अपने उद्देश्यों पर पूरी तरह से सफल साबित होगी। संगोष्ठी में विवि के अनेक शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीआरएम टीम पहुंची आगरा जिला अस्पताल में की जांच

आगरा। आगरा के स्वास्थ्य विभाग को जिस टीम का इंतजार था, आखिरकार वह मंगलवार की देर शाम यहां पहुंच गई। बुधवार सुबह करीब 11:40 पर 16 सदस्यों की टीम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सीआरएम टीम जिला अस्पताल में निरीक्षण के लिए पहुंची। केंद्र द्वारा भेजी गई इस टीम में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ चिकित्सक व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। बीते 8-10 दोनों जिला अस्पताल, एसएन मेडिकल कॉलेज सहित जिले की सभी सीएचसी और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा था। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम जिला अस्पताल पहुंची। जहां बीते कई दिनों से व्यवस्थाओं को छुपाया जा रहा है।

बताते चलें कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सीआरएम यानी कि कॉमन रिव्यू मिशन की केंद्रीय टीम जो कि दिल्ली से लखनऊ होते हुए आगरा में जिला अस्पताल के निरीक्षण के लिए पहुंची है, यह टीम जिला अस्पताल की सेवाओं का आंकलन करेगी। जिसमें टीम के सदस्यों द्वारा बारीकी के साथ जिला अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले उपचार, चिकित्सकों का आंकलन, दवाइयां, जिला अस्पताल का स्टोर ग्रह, फार्मासिस्ट विंग, आपातकाल सेवा, सफाई व्यवस्था आदि के साथ गहनता से निरीक्षण करेगी। उत्तर प्रदेश में आगरा और कुशीनगर को सीआरएम के लिए चुना गया है। अगर टीम द्वारा अस्पताल को अच्छे अंक दिए जाते हैं तो निश्चित तौर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत यहां पर स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए फंड जारी किया जाएगा। यही कारण है कि सुर्खियों और विवादों में रहते जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.राजेंद्र अरोड़ा पिछले कई दिनों से अस्पताल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में दिन रात जुटे हुए हैं।

सीआरएम की एक टीम आगरा पहुंची है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए जांच कर रही है कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य सरकार को दिए गए करोड़ों रुपये के फंड का सही उपयोग हो रहा है या नहीं। टीम ने जिला अस्पताल के सभी वार्डों, चिकित्सकों के चेंबर, सकुर्लेटिंग एरिया और ओपीडी सहित अस्पताल के विभिन्न हिस्सों की रंगाई, पुताई और सफाई का कार्य देखा। इसके साथ ही, दवाइयों की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल के स्टोर या फार्मासिस्ट विभाग को अप-टू-डेट रहने की हिदायत दी गई है और किसी भी तरह की खामी की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है।

गौ माता सेवा महासंघ के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया

टूंडला। अंतरराष्ट्रीय गौमाता सेवा महासंघ के तत्वाधान में गांव मोहम्मदाबाद में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 180 लोगों का स्वास्थ परीक्षण कर दवाइयां दी और दर्जनों वृद्धों को छड़ी भी बांटी गई। स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी डॉ गजेन्द्र पाल सिंह रहे। इस दौरान उपजिलाधिकारी डॉ गजेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गौमाता सेवा महासंघ द्वारा समय समय इस तरह के सामाजिक कार्य किए जाते है।जो कि बहुत ही प्रशंसनीय हैं। गौमाता महासंघ के पदाधिकारी निराश्रित गौ वंश के लिए चौबीस घंटे तत्पर रहते हैं।और हर देशवासी का परम कर्तव्य है कि वो गौ हित में हर संभव कार्य करें।आज के इस स्वास्थ्य शिविर में अनेकों ग्रामीणों ने अपना स्वास्थ परीक्षण करा दवाई भी लीं। महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन लोकेंद्र सिंह पोनियां ने बताया है हम सभी गौ भक्त गौ सेवा के लिए संकल्पित हैं अतिशीघ्र हमारा संगठन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र के माध्यम से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग करेंगे। कार्यक्रम में सीएचसी अधीक्षक डॉ वी डी अग्रवाल,प्रदेश महामंत्री संगठन रामतीर्थ सिंह चक,रितेश कुमार एडवोकेट चौ.उदय प्रताप सिंह,शरद पोनियां,सुधीर कुमार सिंह,जितेन्द्र पचौरी,डॉ.सुनील पवार,राजीव मल्होत्रा,सुधांशु पचौरी,राजीव लोधी,सुनील गुप्ता,जितेन्द्र पंजवानी, कुलदीप पोनियां,गोपाल शर्मा, सुरेन्द्र सिंह,आदि लोग मौजूद रहे।

2 आदतन अपराधियों को किया 3 माह के लिए जिलाबदर

फिरोजाबाद। जनपद पुलिस द्वारा आदतन अपराधियों के विरुद्ध लगातार कड़ी कार्यवाही की जा रही है ।एसएसपी सौरभ दीक्षित के निर्देशन में आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए थाना एका के जिलाबदर अभियुक्त टीटू पुत्र कमलेश निवासी ग्राम वाहनपुर थाना एका फिरोजाबाद व थाना उत्तर के जिलाबदर अभियुक्त पिन्टू उर्फ स्वदेश कुमार पुत्र भीकम निवासी सविता नगर थाना उत्तर फिरोजाबाद को 03 माह के लिए जिलाबदर किया गया है ।03 माह के लिए जिलाबदर हुए दोनों अभियुक्तों को थाना एका पुलिस टीम द्वारा थाना एका के टीटू पुत्र कमलेश निवासी ग्राम वाहनपुर थाना एका जनपद फिरोजाबाद को जनपद एटा की सीमा में व थाना उत्तर पुलिस टीम द्वारा थाना उत्तर के जिलाबदर अभियुक्त पिन्टू उर्फ स्वदेश कुमार पुत्र भीकम निवासी सविता नगर थाना उत्तर फिरोजाबाद को जनपद आगरा की सीमा में छोड़ा गया है। जिलाबदर अवधि के दौरान जनपद की सीमा में पाये जाने पर अभियुक्तों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

बंदूक के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने वाले को किया गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए वीडियो का संज्ञान लेतु हुए एक अभियुक्त को लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक सहित किया गिरफ्तार किया है। बुधवार को थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा वायरल वीडियो व मुखबिरखास की सूचना पर नैनी ग्लास चौराहे से अभियुक्त इरशाद पुत्र बुन्दू कुरैसी निवासी पुराना रसूलपुर चौकी बजरंग वाटिका के पास थाना रसूलपुर फिरोजाबाद को डबल बैरल लाइसेन्सी बंदूक सहित गिरफ्तार किया गया है। युवक द्वारा सोशल मीडिया पर बंदूक के साथ रील बना वीडियो पोस्ट की थी वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध थाना पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया है।

विकास प्राधिकरण ने दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

मथुरा। मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण द्वारा विगत दिवस को दो अवैध कालोनियों पर अपना शिकंजा कसा। प्राधिकरण के अधिकारियों के निर्देशन में प्रर्वतन की टीम द्वारा बुल्डोजर से अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया। कालोनी निर्माण करने वालों को नोटिस जारी किए गए हैं। मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध कालोनी विकसित करने वालों में हड़कंप मच गया है। मंगलवार की दोपहर मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह के आदेश के बाद विप्रा के सचिव अरविंद कुमार द्विवेदी के निर्देशन में सहायक अभियंता अशोक चैधरी और अवर अभियंता दिनेश गुप्ता मय पुलिसबल के साथ वृन्दावन के देवी आटस पहुंचे। यहां अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी हरे कृष्णा सूट एंड रिसोर्ट पर कार्रवाई की। विप्रा की टीम के द्वारा कालोनी में लगाई गई बाउंड्री बोर्ड बैनर को बुल्डोजर के माध्यम से ध्वस्त करा दिया। इसके बाद विप्रा की टीम ने सकराया रोड पर हरे कृष्ण धाम कॉलोनी की और रुख किया। यहां भी अवैध रूप से कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण की टीम के द्वारा बाउंड्री के बाहर लगे हुए बोर्ड को ध्वस्त कराकर कालोनाईरज के खिलाफ नोटिस काटा गया है।

दो लाख की पराली जलकर हुई खाक

मथुरा। छाता बरसाना रोड पर स्थित किसान द्वारा खरीदी गई पराली में आग लग गई। अचानक लगी आग से करीब दो लाख रुपए की पराली जलकर स्वाह हो गई। मंगलवार को छाता रोड पर स्थित श्रीनगर मोड के समीप किसान ईश्वर निवासी आजनोख ने दो लाख रुपए की पराली खरीद कर रखी थी। देर शाम अचानक पराली के ढेर में आग लग गई। आग की सूचना पर पुलिस व फायर बिग्रेड के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन जबतक पराली जलकर स्वाह हो गई। पीड़ित किसान में थाना बरसाना में आग की तहरीर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि अचानक किसान के लाखों रुपए की पराली जलकर स्वाहा हो गई।

मां ही नहीं, पिता भी दे सकते हैं नवजात को केएमसी

आगरा। समय से पहले बच्चे का जन्म हुआ हो , जन्म के वक्त कम वजन हो या हाइपोग्लेसिमिया से बचाव हेतु चिकित्सक मां के स्पर्श को औषधि के रूप में उपयोग करते हैं। इसे कंगारू मदर केयर कहा जाता है। लेकिन जब मां ही कठिन परिस्थिति में हो तो पिता भी केएमसी दे सकते हैं। जिला महिला चिकित्सालय (लेडी लॉयल) स्थित केएमसी यूनिट में वर्ष 2024 में अब तक 896 से ज्यादा बच्चों को केएमसी के जरिए स्वस्थ किया गया है। इनमें से 25 बच्चों को उनके पिता, ताऊ, चाचा इत्यादि ने केएमसी दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि कंगारू मदर केयर एक नर्सिंग तकनीक है, विशेष रूप से समय से पहले जन्मे शिशुओं सहित विभिन्न परिस्थितियों में नवजात की जान बचाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। जिला महिला चिकित्सालय में अलग से केएमसी यूनिट बनाई गई है, जहां पर नवजात को केएमसी दी जाती है और इसका प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

- नवजात शिशु देखभाल सप्ताह में विशेष

इस प्रक्रिया में नवजात को उसकी मां के साथ सीधे त्वचा से त्वचा संपर्क में रखा जाता है, जिससे शारीरिक और भावनात्मक समर्थन मिलता है। यह तकनीक शिशु के स्वास्थ्य और विकास को बढ़ाने में मदद करती है। जब मां कठिन परिस्थिति में होती हैं तो पिता भी इसे दे सकते हैं। जिला महिला चिकित्सालय (लेडी लॉयल) की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. खुशबू केसरवानी बताती हैं कि जिला महिला अस्पताल में जन्म लेने वाले औसतन 15 से 18 प्रतिशत बच्चे कम वजन के होते हैं। इन्हें केएमसी यूनिट में रखा जाता है। कंगारू मदर केयर ऐसी प्रक्रिया है, जिसके जरिये, बच्चों के वजन को बढाया जा सकता है, साथ ही यह शरीर का तापमान व श्वास प्रक्रिया को स्थिर रखने में सहायक होता है। इसमें मां बच्चे को अपने से इस तरह से चिपकाकर रखती हैं जैसे कंगारू अपने बच्चे को अपने शरीर से चिपकाकर रखता है। केएमसी में मां बच्चों को कम से कम छह से आठ घंटे तक अपनी त्वचा से लगाकर रखती हैं और धीरे धीरे इस समय को बढ़ाना होता है। इससे बच्चे और मां का जुड़ाव बढ़ता है। बच्चा मां की खुशबू को पहचानने लगता है।

दूधिया की हत्याकांड का खुलासा बाल अपचारी निकला आरोपित

- मां से छेड़छाड़ करने पर बेटे ने की थी दूधिया की हत्या

मथुरा। मां के साथ छेड़छाड़ से तंग किशोर द्वारा दूधिया की गई हत्या का खुलासा आज पुलिस द्वारा किया गया। मृतक दूधिया का रक्त रंजित शव चार दिन पूर्व यमुना एक्सप्रेस वे के माइलस्टोन 115 के पास अंडर ब्रिज से सिहोरा कारब मार्ग पर मिला था।

पुलिस लाइन में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि शनिवार रात्रि यमुना एक्सप्रेस वे के माइलस्टोन 115 के अंडर ब्रिज के पास सिहोरा कारव मार्ग पर एक 25 वर्षीय युवक दूधिया का शव मिला था। स्वाट टीम सहित महावन पुलिस को खुलासे की जिम्मेदारी दी गई। मृतक की पहचान गांव करील थाना मुरसान जनपद हाथरस निवासी 25 वर्षीय पंकज पुत्र पवन के रूप में हुई। मृतक गांव से दूध लाकर शहर के कंसखार स्थित कृष्णा दुग्धालय में सप्लाई देता था। पुलिस को छानबीन में पता चला कि गांव का एक किशोर इस हत्या में शामिल है। पुलिस ने किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या करना कबूल किया। हत्या के पीछे का कारण उसने बताया मृतक पंकज दूध देने के दौरान उसकी मां से छेड़छाड़ करता था जिससे वह काफी तनाव में था। जिसके चलते उसने पंकज को सबक सिखाने का मन बना लिया था। शनिवार को जब पंकज शहर में दूध देकर वापस अपने गांव जा रहा था। तभी यमुना पार लक्ष्मी नगर में पहले से इंतजार कर रहे किशोर ने उसे रोक लिया। वहां दोनों ने शराब पी और एक साथ गांव को चल दिए। यमुना एक्सप्रेस वे की अंडरपास पर लघुशंका के बहाने वह रुके साथ ही गये। जब पंकज लघु शंका कर रहा था तभी पीछे से किशोर ने छोटी सी कुल्हाड़ी बांक से उसकी गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दूधिया की हत्या करने वाला बाल अपचारी है। साथ ही खुलासा करने वाली टीम को 25000 का इनाम देने की भी घोषणा की। पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण त्रिगुण विषेन सीओ महावन भूषण वर्मा थाना प्रभारी निरीक्षक राया अजय कौशल थानाध्यक्ष महावन डेजी पवार स्वाट टीम प्रभारी अभय शर्मा आदि उपस्थित थे।

समाज सेवी अमर पाल सिंह की पुण्य तिथि पर विराट कवि सम्मेलन आयोजित

टूंडला। नगर के समाज सेवी ठा. अमर पाल सिंह नेताजी की 25 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर एम.एल.एस.जूनियर हाईस्कूल के प्रांगण में अमर पुष्पांजलि एवं विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया ।समारोह के अध्यक्ष दिनेश कांत दोषी तथा मुख्य अतिथि डॉ. चेतन बिहारी सक्सेना. विशिष्ट अतिथि प्रमोद शर्मा,सुनील टैगोर ने माँ सरस्वती तथा नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये उनके समक्ष दीप प्रज्जवलित करते हुये समारोह का शुभारम्भ किया। तदोपरांत कार्यक्रम अध्यक्ष दिनेश कांत दोषी ने नेताजी अमर पाल सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये उनके बहु आयामी कृतित्व से प्रेरणा लेते का आव्हान किया। इस अवसर पर कवि प्रणव कुलश्रेष्ठ तथा कवयित्री साकेत ओकल को वैश्विक काव्य समारोह एटा में ₹काव्य श्री₹ सम्मान से अलंकृत किये जाने पर ज्ञान भारती संस्था द्वारा अध्यक्ष ने शाल व फूल माला पहना कर सम्मानित किया।

आयोजित विराट कवि सम्मेलन में हास्य कवि लटूरी ₹लटठर₹, ओज के यशस्वी कवि सुबोध सुलभ.कवयित्री अनुराधा रावत.साकेत कुलश्रेष्ठ₹ओकल डॉ, अनिल उपाध्याय,डॉ.चेतन बिहारी सक्सेना.सुरेन्द कुमार झा,धर्मेद शर्मा.मृदुल पाराशर.प्रणव कुलश्रेष्ठ.नवीन गुप्ता.दिलीप गौड.ब्रजेश कुमार आर्य.प्रधानाचार्या कुमकुम झा. राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा.सुनील टैगौर आदि ने अपनी ओजस्वी कविताओं द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया ।कार्यक्रम में लक्ष्य टैगोर,मोक्ष्य टैगौर.आराध्या टैगौर.सुनील टैगोर.टिंकल टैगोर.बीना टैगोर,धैर्य टैगोर.रजत अमर आदि ने उपस्थित रह कर नेताजी ठा.अमर पाल सिंह को श्रद्धांजलि दी,कार्यक्रम का संचालन कवि व गीतकार दिलीप गौड द्वारा किया गया।

भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए नीतियां और रणनीति विषय पर गोष्ठी

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम द्वारा पशुपालन एव डेयरी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से ह्न अमृत काल में भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए नीतियाँ और रणनीतियाँह्न विषय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

- मखदूम में किया गया राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

इस संगोष्ठी का आयोजन भारतीय सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग के सहयोग से किया गया। संगोष्ठी में देशभर के नीति निमार्ता, विशेषज्ञ, शोधकर्ता, और बकरी पालन से जुड़े किसान एवं उद्योग के 150 प्रतिनिधि शामिल हुए। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बकरी क्षेत्र में अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के आधार पर नीतियाँ तैयार करना था, ताकि 'अमृत काल' में इस क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य अतिथि सुश्री अल्का उपाध्याय, आईएएस, सचिव (डीएएचडी) और विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिजीत मित्र, एनिमल हसबेंड्री कमिश्नर, और डॉ. आर. भट्टा, डीडीजी (एनिमल साइंस) जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह संगोष्ठी बकरी पालन को लाभकारी व्यवसाय में बदलने की रणनीतियों पर केंद्रित रही।

विशेषज्ञों ने बकरी स्वास्थ्य में सुधार, टीकाकरण कवरेज बढ़ाने और उत्पादन में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए ठोस नीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस संगोष्ठी के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए समग्र दृष्टिकोण और नीति निर्धारण से किसानों की।

सड़क सुरक्षा जीवन सुरक्षा : रंगेश उपाध्याय

टूंडला। यातायात माह को लेकर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई कृषक इण्टर कॉलेज पचोखरा फिरोजाबाद के छात्र एवं छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर यातायात नियमों के पालन करने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य रंगेश कुमार उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यातायात सुरक्षा के तहत रैली के माध्यम से व लोगो को पुष्प भेंट करते हुए यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा को लेकर सन्देश दिया। दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने,चार पहिया चालकों को सीट वैल्ट लगाने नियमानुसार वाहनों में सवारियों को बैठाना आदि महत्वपूर्ण यातायत जानकारी आमजन को देते हुये नारों के द्वारा बताया कि यातायात नियमों को मत समझो लगाम, होते हैं जीवन रक्षा के पैगाम। नियंत्रित गति में वाहन चलायें,जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभायें।कार्यक्रम प्रभारी सुनील कुमार जैन ने सभी स्वयंसेवकों से कहा कि वे अधिक से अधिक यातायात के प्रति लोगों को जागरूक करें,एवं उन्हें नियमों का पालन करने के लिए आग्रह करे इस अवसर पर गोकुल चंद्र गौतम,एनसीसी अधिकारी अमित उपाध्याय जितेंद्र शर्मा, अमर तिवारी, ऋषि शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राधा रानी ब्रज यात्रा का आनंद के साथ समापन

मथुरा। मान मंदिर से 15 अक्टूबर को शुरू हुई राधा रानी ब्रजयात्रा 36 दिन तक ब्रज में भ्रमण करने के बाद विगत दिवस आनंद और उल्लास के साथ बरसाना लौटी। बरसाना में ब्रज यात्रियों का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा और आरती उतार कर स्वागत किया गया। माताजी गौशाला पहुंचकर सभी यात्रियों ने अपने संकल्प का विसर्जन कर संत रमेश बाबा का आशीर्वाद लेकर अपने-अपने घरों के लिए वापसी की। हर वर्ष की तरह राधा रानी वार्षिक ब्रज यात्रा में 15 अक्टूबर को माता जी गौशाला में देश विदेश विदेश से हजारों की संख्या में आए ब्रज यात्रियों ने यात्रा का नियम संकल्प लिया। और उसके बाद ठाकुर बिहारी लाल के डोला के पीछे-पीछे 36 दिन तक ब्रज के गांव-गांव, वन-उपवन में जाकर राधा माधव की दिव्य लीला स्थलियो के दर्शन कर एक अद्भुत आनंद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान संत नरसिंह दास महाराज, राधाकांत शास्त्री और भक्त शरण महाराज ने लीला स्थलियो की महिमा और महत्व से सभी ब्रज यात्रियों को अवगत कराया। इस दौरान 30 स्थानों पर यात्रा ने पड़ाव डालने के बाद मंगलवार को हरि नाम संकीर्तन करते हुए काम वन से चलकर सभी ब्रजयात्री राधा रानी का जय घोष करते हुए बरसाना पहुंचे। बरसाना में जगह-जगह पर यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में बरसाना के चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी, रसिक गोस्वामी, दान विहारी गोस्वामी, भाजपा नेता रणवीर ठाकुर आदि प्रमुख रहे। बरसाना से चलकर सभी यात्री राधा नाम की मस्ती में नाचते गाते चिकसोली, मानपुर होते हुए माताजी गौशाला पहुंचे। जहाँ ठाकुर बिहारी लाल का भव्य स्वागत व आरती उतारी गई। इसके उपरांत आचार्य महेश पंडित के निर्देशन में सभी यात्रियों ने अपने यात्रा के नियम संकल्प का विसर्जन किया। संकल्प विसर्जन के बाद सभी यात्रियों ने ठाकुर महान बिहारी लाल को प्रणाम कर रमेश बाबा महाराज से आशीर्वाद लिया। इस दौरान रमेश बाबा महाराज ने कहा कि 36 दिन तक सभी यात्री राधा माधव की दिव्य लीला भूमि में हरि नाम संकीर्तन करते हुए रहे हैं, अब सभी लोग बृजवासियों का प्रेम व राधा कृष्ण की भक्ति लेकर जाएं और उसे जीवन पर्यंत तक निभाते रहे। रमेश बाबा महाराज ने कहा कि बृजवासियों का प्रेम मिल गया तो समझो श्री कृष्ण की कृपा मिल गई। बृजवासियों के समान उदार कोई नहीं है। इसके बाद सभी यात्रियों ने एक दूसरे से गले लगा कर विदा ली। विदाई के समय वातावरण बड़ा मार्मिक हो उठा। दूर-दूर से आए यात्रियों की आंखों से अश्रु धारा रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। दिल्ली से आई साक्षी में बताया 36 दिन इस माहौल में रहीं, अब जाने का मन ही नहीं हो रहा। यात्रा की अमिट छाप उनके मन में बस गई है। उड़ीसा से आई दमयंती महापात्रा कहना था की राधा गोविंद की कृपा से ये सुख मिला है, वो रमेश बाबा की जीवन भर ऋणी रहेगी।

संक्षेप

शैफलर इंडिया सोशल इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम 2024 के विजेताओं की घोषणा

बंगलुरु। प्रमुख मोशन टेक्नोलॉजी कंपनी शैफलर इंडिया ने बडी4स्टडी फाउंडेशन के सहयोग में शैफलर इंडिया सोशल इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम के 2024 संस्करण के विजेताओं की घोषणा कर दी है। शीर्ष दस विजेताओं में, सिद्धांत निषाद को एडवांस्ड फिल्ट्रेशन सिस्टम्स का इस्तेमाल करने में किए गए परियोजना नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। इस सिस्टम का उपयोग ब्लैक कार्बन और बारीक कणों को पकड़ने और उन्हें संग्रहित करने में किया जाता है जोकि हानिकारक उत्सर्जन को कम करता है। शैफलर इंडिया में हम ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जो स्थायी हो, अच्छी तरह काम करे और बदलते हालातों के साथ ढल जाए। इस साल के सोशल इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम को मिली उल्लेखनीय प्रतिक्रिया भारतीय युवाओं की यह क्षमता दिखाती है वह बदलाव के वाहक बन सकते हैं।

उदयती फाउंडेशन ने नये डेटा और जानकारी का खुलासा किया

नई दिल्ली। भारत में महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध उदयती फाउंडेशन ने आज अपने क्लोज द जेंडर गैप पहल के तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नए डेटा और जानकारी का खुलासा किया। जारी किया गया डैशबोर्ड निम्नहलिखित लैंगिक परिदृश्यों में अत्यंकत महत्वुपूर्ण और ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान करता है: शीर्ष पदों पर महिलाएँ (निदेशक मंडल और प्रमुख प्रबंधन पद), लैंगिक वेतन असमानता (कामगार, कर्मचारी, केएमपी, बीओडी), प्रतिधारण संकेतक - प्रतिधारण दर, काम पर वापसी और टर्नओवर दर। कर्मचारियों और श्रमिकों दोनों के लिए कंपनी की मातृत्व हितलाभ, पितृत्व हितलाभ, डे केयर सुविधा जैसी कल्याण नीतियों तक पहुँच संबंधी डेटा। लैंगिक समानता केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि इसे संगठनात्मक विकास के हर भाग में शामिल किया जाना चाहिए।

श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के गेहूं किसानों में लोकप्रिय

कानपुर। उत्तर प्रदेश में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और श्रीराम सुपर 3-एसआर-72 गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और श्रीराम सुपर 3-एसआर-72 इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं।

यातायात रडार उपकरण सत्यापन के लिए नये नियम लाने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली। सरकार यातायात रडार उपकरणों के अनिवार्य सत्यापन तथा मुहर लगाने संबंधी नए नियमों को लागू करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य देश भर में सड़क सुरक्षा में सुधार करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के विधिक माप विज्ञान प्रभाग ने भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशालाओं, निर्माताओं और वाहन प्रमाणन संगठनों सहित हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद मसौदा नियमों को अंतिम रूप दिया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, विभिन्न परामर्श के दौरान प्राप्त सुझावों पर गौर किया गया और नियमों को शीघ्र ही अधिसूचित किया जाएगा। नए नियम विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के अंतर्गत आते हैं। यह सड़कों पर वाहनों की गति मापने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले माइक्रोवेव डॉपलर रडार उपकरण के लिए लागू होंगे। नए ढांचे के तहत सभी गति माप उपकरणों को सत्यापन से गुजरना होगा और इन्हें लगाए जाने से पहले इन पर आधिकारिक मुहर लगी होनी चाहिए। इस प्रक्रिया का मकसद गति और दूरी माप के लिए सटीक रीडिंग सुनिश्चित करना है, जो यातायात कानून प्रवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। ये नियम ऐसे समय में लागू किए गए हैं जब सरकार सड़क सुरक्षा रिकॉर्ड में सुधार करना चाहती है। उल्लंघनों की पहचान करने और खतरनाक ड्राइविंग को रोकने के लिए सटीक गति पहचान को महत्वपूर्ण माना जाता है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था बढ़ाने का लक्ष्य

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार अगले पांच साल में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना कर 350 अरब डॉलर करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। वे यहां सचिवालय में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान को अगले पांच वर्षों में 180 अरब से दोगुना करके 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुसार हम भी विकसित राजस्थान-2047 के लिए काम कर रहे हैं और सिंगापुर इसमें हमारा बहुत महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है। आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने सिंगापुर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति अतिथि देवो भवः की रही है तथा राजस्थान अपने अद्वितीय संस्कृति और विरासत के लिए दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का सिंगापुर बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है तथा सिंगापुर ने अपने आर्थिक मॉडल से विश्व को प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य, जल संचय, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहा है। राज्य के लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए हमनें कुल बजट का 8.26 प्रतिशत बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया है। वहीं, कैच द रैन तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन 2.0 के माध्यम से राज्य में जल संचय को बढ़ावा दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य में विश्वभर के लिए निवेश के नए अवसर खोलने के लिए हम आगामी नौ से 11 दिसम्बर को राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के तहत अब तक 20 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। शर्मा ने इसमें सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल को भी आमंत्रित किया। बैठक में सिंगापुर के डिजिटल विकास और सूचना मंत्रालय वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, प्रधानमंत्री कार्यालय से वरिष्ठ राज्यमंत्री डेसमंड टैन कोक मेंग, शिक्षा और जनशक्ति राज्य मंत्री गेन सियो हुआंग, शिक्षा और वित्त मंत्रालय से वरिष्ठ संसदीय सचिव शॉन हुआंग एवं संसद सदस्य जी याओ क्वान, राचेल ऑग एवं सक्तियादी सुपाट शामिल थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा डॉ. प्रेम चंद बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद थे।

ट्रम्प प्रशासन के दबाव को कम करने के लिए भारत से संबंध सुधारने की कोशिश

वाशिंगटन। अमेरिका-भारत सामरिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि अमेरिका में आगामी ट्रम्प प्रशासन का दबाव कम करने के लिए चीन अब भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका में हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने जीत दर्ज की है और वह जनवरी में देश की बागडोर संभालेंगे। ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चीन से माल पर 60 प्रतिशत शुल्क और हर दूसरे अमेरिकी आयात पर 20 प्रतिशत तक के शुल्क का प्रस्ताव रखा था।

उन्होंने आगे कहा कि इसलिए हम ट्रम्प प्रशासन के आने का प्रारंभिक प्रभाव देख रहे हैं, जिसने चीन पर भारत के साथ व्यवहार को आसान बनाने का दबाव बनाया है। इसीलिए सीमा पर गश्त पर सहमति बनी है। सीधी उड़ानों पर सहमति बनी है। अघी ने कहा कि वे भारत आने वाले चीन के लोगों के लिए अधिक वीजा भी जारी करेंगे। आप देख रहे हैं कि ट्रम्प की जीत का भारत-चीन संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ समझौता कर लिया है, जिससे चार साल से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध समाप्त हो गया। अघी ने साक्षात्कार में कहा कि चीन की ओर से यह अनुमान लगाया जा रहा था कि ट्रम्प आ रहे हैं। अमेरिका के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो जाएंगे। इसलिए कई मोर्चों पर तनाव क्यों रखें.. कम से कम भारत के साथ साझेदारी या संभावित रिश्ते को आसान बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में नया प्रशासन विनिर्माण को चीन से दूर ले जाने और अमेरिका में ही रोजगार सृजन की योजना बना रहा है। इस बीच, समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की एक खबर के अनुसार, अमेरिका में कांग्रेस की एक समिति ने सिफारिश की है कि चीन के साथ अपने व्यापार संबंधों को अमेरिका कड़ा करे और लगभग 25 साल पुराने उस फैसले को वापस लेने पर जोर दे जिसने चीन की तीव्र आर्थिक वृद्धि में मदद की थी।

सिद्धरमैया ने नाबार्ड ऋण कटौती पर चर्चा के लिए वित्त मंत्री से मांगा समय

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से राज्य को मिलने वाली ज्‍ण राशि में इस साल की गई कटौती पर चर्चा के लिए उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री आज (बुधवार) रात राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होंगे।

सिद्धरमैया ने कहा कि दिल्ली में नंदिनी उत्पादों को पेश किया जा रहा है, इसलिए मैं वहां जा रहा हूं। मैंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मिलने का समय मांगा है, क्योंकि इस साल राज्य को नाबार्ड से मिलने वाला कर्ज कम कर दिया गया है। पिछले साल 5,600 करोड़ रुपये दिए गए थे, इस साल 2,340 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें 58 प्रतिशत की कटौती की गई है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नाबार्ड वित्त मंत्रालय के अधीन आता है और मैं उनसे अनुरोध करूंगा। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे कल शाम तक (राज्य में) लौटना होगा। अगर मुझे समय मिला तो मैं उनसे मिलूंगा। सिद्धरमैया बृहस्पतिवार को दिल्ली में नंदिनी दुग्ध उत्पादों को पेश करने वाले हैं। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन अपने दुग्ध उत्पादों को नंदिनी ब्रांड के तहत बेचता है।

गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात 9.83 प्रतिशत घटकर 6.32 करोड़ टन

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में गैर-विनियमित क्षेत्रों (एनआरएस) का कोयला आयात 9.83 प्रतिशत घटकर 6.32 करोड़ टन रह गया है। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयता आयात पिछले साल समान अवधि में 7.02 करोड़ टन रहा था।

घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा मिश्रण प्रयोजन के लिए कोयले का आयात भी अप्रैल-सितंबर अवधि में 8.59 प्रतिशत घटकर 97.9 लाख टन रह गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 1.07 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा, यह इन क्षेत्रों के लिए घरेलू कोयला आपूर्ति पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। हालांकि, इस्पात उद्योग के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले तथा आयातित कोयला-आधारित (आईसीबी) बिजली संयंत्रों के लिए कोयले के आयात में वृद्धि हुई है। इन संयंत्रों के लिए आयात जरूरी हो जाता है और घरेलू कोयले से इसे पूरा नहीं किया जा सकता। अप्रैल-सितंबर, 2024 के दौरान कुल कोयला आयात 1.36 प्रतिशत बढ़कर 12.95 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 12.77 करोड़ टन था। मूल्य के संदर्भ में, अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल आयातित कोयला ।,38,763.50 करोड़ रुपये का रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के ।,52,392.23 करोड़ रुपये से कम है। बयान के अनुसार, इस कटौती के परिणामस्वरूप 13,628.73 करोड़ रुपये की भारी बचत हुई है। जो कोयला खरीद के लिए अधिक किफायती दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कागज और पेपरबोर्ड का आयात 3.5 प्रतिशत बढ़कर 9.92 लाख टन पर

नयी दिल्ली। चीन से आयात खेप में तेज वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में कागज और पेपरबोर्ड का आयात 3.5 प्रतिशत बढ़कर 9,92,000 टन हो गया है। भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए) ने यह जानकारी दी है।

आईपीएमए ने बयान में कहा कि देश में पर्याप्त उत्पादन क्षमता के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 44 प्रतिशत बढ़ा है। एसोसिएशन ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि आसियान देशों से अधिक आयात खेप के कारण वर्ष 2023-24 में इन उत्पादों का आयात 34 प्रतिशत बढ़कर 19.3 लाख टन रहा था। आईपीएमए के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा, कोविड के दो वर्षों के दौरान कुछ नरमी के बाद, भारत में कागज़ के आयात में वृद्धि जारी रही है, जिससे घरेलू विनिर्माण उद्योग के विकास को नुकसान पहुंचा है, जो कम क्षमता उपयोग और कमज़ोर लाभ की स्थिति से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि चीन, चिली और हाल ही में इंडोनेशिया से बढ़ते आयात के मद्देनजर वर्जिन फाइबर पेपरबोर्ड के घरेलू निर्माताओं के लिए स्थिति बेहद गंभीर है, जिसका आयात वर्ष 2020-21 से तीन गुना से अधिक बढ़ गया है।

देश की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि घटने के आसार

मुंबई। भारी बारिश और कमजोर कॉर्पोरेट प्रदर्शन के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि घटकर 6.5 प्रतिशत रहने के आसार हैं। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही (अक्टूबर 2024-मार्च 2025) में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद के बीच समूचे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

यह अनुमान और टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शहरी मांग में कमी जैसे अनेक कारकों के कारण वृद्धि में मंदी की चिंताएं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2023-24 के 8.2 प्रतिशत से कम है। दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधि के आधिकारिक आंकड़े 30 नवंबर को जारी होने की उम्मीद है। पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी वृद्धि 6.7 प्रतिशत रही थी। इक्रा ने कहा कि दूसरी तिमाही में गिरावट भारी बारिश और कमजोर कॉर्पोरेट प्रदर्शन जैसे कारकों के कारण होगी। उसने कहा कि हालांकि सरकारी व्यय और खरीफ की बुवाई से सकारात्मक रुझान हैं, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र खासकर खनन तथा बिजली में मंदी आने के आसार हैं। रेटिंग एजेंसी की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में आम चुनाव के बाद पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ-साथ प्रमुख खरीफ फसलों की बुवाई में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। भारी वर्षा के कारण कई क्षेत्रों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, जिससे खनन गतिविधि, बिजली की मांग और खुदरा ग्राहकों की संख्या प्रभावित हुई और व्यापारिक निर्यात में भी कमी आई। उन्होंने कहा कि अच्छे मानसून का फायदा आगे मिलेगा तथा खरीफ उत्पादन में वृद्धि तथा जलाशयों के पुनः भरने से ग्रामीण मांग में निरंतर सुधार होने की संभावना है। मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि हम निजी उपभोग पर व्यक्तिगत ऋण वृद्धि में मंदी के प्रभाव के साथ-साथ जिंस की कीमतों और बाह्य मांग पर भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रभाव पर भी नजर रख रहे हैं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के डिजिटलीकरण से 5.8 करोड़ फर्जी राशन कार्ड हटाये गये: सरकार

नयी दिल्ली। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार के व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण के प्रयास से देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में काफी बदलाव आया है और 5.8 करोड़ फर्जी राशन कार्ड को रद्द किया गया है।

इससे वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए नये मानक स्थापित हुए हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि 80.6 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान करने वाली पीडीएस प्रणाली में सुधार के तहत आधार के जरिये सत्यापन और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपने ग्राहक को जानें (ई-केवाईसी) की व्यवस्था से 5.8 करोड़ नकली राशन कार्ड हटाए जा सके हैं। बयान के अनुसार, इन प्रयासों के परिणामस्वरूप गड़बड़ी में काफी कमी आई है और लक्षित लोगों तक पहुंच में वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार, लगभग सभी 20.4 करोड़ राशन कार्ड को डिजिटल कर दिया गया है। इनमें से 99.8 प्रतिशत आधार से जुड़े हैं और 98.7 प्रतिशत लाभार्थियों की पहचान का सत्यापन बायोमेट्रिक माध्यम से किया गया है। बयान के अनुसार, देशभर में उचित मूल्य की दुकानों पर 5.33 लाख ई-पीओएस (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल) उपकरण लगाये गये हैं। इसके जरिये खाद्यान्न वितरण के दौरान आधार के जरिये सत्यापन करने के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि राशन का वितरण सही व्यक्ति तक हो। मंत्रालय ने कहा कि आज कुल खाद्यान्न में से लगभग 98 प्रतिशत खाद्यान्न के वितरण में आधार के जरिये सत्यापन का उपयोग किया जा रहा है। इससे पात्रता नहीं रखने वाले लाभार्थियों को अलग करने और कालाबाजारी के जोखिम को कम करने में मदद मिली है। सरकार की ई-केवाईसी पहल के जरिये पहले ही कुल पीडीएस लाभार्थियों में से 64 प्रतिशत का सत्यापन हो चुका है। शेष लाभार्थियों के लिए देशभर में राशन दुकानों पर प्रक्रिया जारी है। मंत्रालय ने आपूर्ति मामले में कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने खाद्य आपूर्ति की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए रेलवे के साथ एकीकृत वाहन निगरानी प्रणाली सहित सही जगह खाद्यान्न भेजने के लिए आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली लागू की है।

पेज एक का शेष

मिर्जापुर के

पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 9 सामान्य प्रेक्षक, 5 पुलिस प्रेक्षक तथा 9 व्यय प्रेक्षक तैनात किये गये थे। उक्त के अतिरिक्त 350 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 56 जोनल मजिस्ट्रेट, 60 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 745 माइको ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये थे। चुनाव में सभी 3718 मतदेय स्थलों के लिए मतदान के लिए आवश्यक ईवीएम एवं वीवीपैट तथा अलग-अलग जिलों में पर्याप्त मात्रा में रिजर्व ईवीएम एवं वीवीपैट की व्यवस्था की गई थी एवं मतदान के दौरान जहां कहीं भी शिकायत प्राप्त हुई है, वहां तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए ईवीएम एवं वीवीपैट को बदलने की कार्यवाही की गई है। मतदान के दिन विभिन्न राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों से प्राप्त शिकायतों का तत्परता से जांच कराकर निस्तारण कराया गया। शिकायतों के आधार पर प्रदेश में 5 पुलिस कार्मिकों को निलम्बित किया गया। गौरतलब है कि उपचुनाव में से आठ सीटें मौजूदा विधायकों के लोकसभा का सदस्य चुने जाने के कारण खाली हुई हैं, जबकि सीसामऊ सीट पर मौजूदा सपा विधायक इरफान सोलंकी को आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण उपचुनाव हो रहा है। उपचुनाव में बुधवार कुल 90 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद हो हो गया। सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र से हैं, जबकि सबसे कम 5-5 उम्मीदवार खैर (सुरक्षित) और सीसामऊ सीट पर हैं। पिछले विधानसभा चुनाव (2022) में, सपा ने सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा ने फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर सीटों पर कब्जा जमाया था।

महाराष्ट्र में

रहा है और महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन को सत्ता में वापसी की उम्मीद है। मतदान शाम छह बजे तक जारी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस बार महाराष्ट्र में कुल 1,00,186 मतदान केंद्र हैं, जबकि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में 96,654 मतदान केंद्र थे। गढ़चिरौली जिले में 50.89 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले की अहेरी विधानसभा सीट पर 52.84 फीसदी मतदान हुआ, जबकि अरमोरी में 51.05 फीसदी मतदान हुआ। मुंबई शहर जिले में 27.73 प्रतिशत मतदान हुआ और मुंबई उपनगरीय जिले में 30.43 प्रतिशत मतदान हुआ। महानगर के कोलाबा विधानसभा क्षेत्र में 24.16 प्रतिशत, माहिम में 33.01 प्रतिशत और वर्ली में 26.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शिवडी में 30.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि मालाबार हिल में 33.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मुंबई के उपनगर भांडुप में 38.75 प्रतिशत, दहिसर में 35.60 प्रतिशत और बांद्रा पूर्व में 25.03 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे के कोपरी-पचपखाड़ी विधानसभा क्षेत्र में दोपहर एक बजे तक 32.21 प्रतिशत मतदान हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि नागपुर दक्षिण-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र, जहां से उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस मैदान में हैं, में सुबह 11 बजे तक 31.12 प्रतिशत मतदान हुआ।

झारखण्ड में

पात्र थे, जिनमें 60.79 लाख महिलाएं और 147 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे। इससे पहले निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अपराह्न तीन बजे तक के मतदान के आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक 69.31 प्रतिशत मतदान पाकुड़ जिले में हुआ, इसके बाद जामताड़ा में 68.24 प्रतिशत, रामगढ़ में 66.02 प्रतिशत तथा रांची जिले में 65.84 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, दुमका में 64.79 प्रतिशत, देवघर में 64.55 प्रतिशत, गोड्डा में 62.91 प्रतिशत, साहेबगंज में 60.08 प्रतिशत, हजारीबाग में 58.16 प्रतिशत और बोकारो में 56.38 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। तीन बजे तक सबसे कम मतदान धनबाद जिले में 56.32 फीसदी दर्ज किया गया। वहीं, जहां तक विधानसभा क्षेत्रों का सवाल है, महेशपुर सीट पर सबसे अधिक 74 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद नाला क्षेत्र में 72.34 प्रतिशत और सिल्ली में 71.26 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा की सहयोगी आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो सिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। सबसे कम मतदान धनबाद निर्वाचन क्षेत्र में 45.14 प्रतिशत दर्ज किया गया। बरहेट सीट, जहां से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुनाव लड़ रहे हैं, वहां 59.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

ज्यादातर एग्जिट

को 125-140 सीट तथा अन्य को 18-23 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। पी-मार्क के एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि महायुति को 137-157 तथा एमवीए को 126-146 सीट हासिल हो सकती हैं। पीपुल्स प्लस के सर्वेक्षण का आकलन है कि महायुति 175-195 सीट हासिल करके प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी। वहीं, एमवीए को 85-112 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है।

मैट्रिज के एग्जिट पोल में कहा गया है कि झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 42-47 सीट हासिल करके अपनी सरकार बनाएगा तथा सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन को 25-30 सीट से संतोष करना पड़ेगा। पीपुल्स प्लस के सर्वेक्षण के अनुसार, झारखंड में राजग को 44-53 सीट तथा इंडिया गठबंधन को 25-37 सीट हासिल हो सकती हैं। एक्सिस माई इंडिया के सर्वेक्षण में झारखंड में झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन को 53 सीट जबकि भाजपा नीत राजग को 25 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है।

यूपी : पांच

की जांच के दौरान आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के कारण दो उप-निरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मुरादाबाद में पुलिसकर्मियों द्वारा मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच के संबंध में प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर गहन जांच की गई। उन्होंने बताया कि ये मामले भीकनपुर कुलवाड़ा और मिलक सिरी गांवों से संबंधित थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक उप-निरीक्षक, दो हेड कांस्टेबल और दो महिला कांस्टेबल को चुनाव ड्यूटी से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस कर्मी के मतदान केन्द्र में प्रवेश करने से संबंधित एक अन्य शिकायत की जांच में पाया गया कि वह मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन के बारे में पूछताछ करने के लिए मतदान केन्द्र के भीतर गया था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि चूंकि यह उसके दिशा-निर्देशों के विरुद्ध है, इसलिए दोषी पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है और विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी। इसी तरह का निलंबन आदेश कानपुर जिले के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में भी दिए गए हैं। उपचुनाव के दौरान कुछ समुदायों को मतदान करने से रोके जाने के संबंध में सपा द्वारा सोशल मीडिया पर की गई शिकायतों का संज्ञान लेते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचन अधिकारियों को निष्पक्ष एवं सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। अधिकारियों को कहा गया कि वे सभी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लें और त्वरित कार्वाई करें तथा शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया के माध्यम से भी टैग करके सूचित करें। उन्हें कहा गया कि किसी भी पात्र मतदाता को मतदान करने से नहीं रोका जाना चाहिए तथा किसी भी प्रकार का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन अधिकारियों को कहा गया है कि शिकायत मिलने के बाद अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी है।

उपचुनाव के

है कि युवती का मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अपहरण किया गया।

पुलिस के अनुसार, महिला का शव बुधवार सुबह कंजारा गांव के पास एक खेत में मिला। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद कुमार ने बताया, प्राथमिकी में नामजद दोनों आरोपी डॉ. मोहन कठेरिया और प्रशांत यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

इस घटना पर चिंता जताते हुए भाजपा ने समाजवादी पार्टी पर अपने गढ़ में आतंक का माहौल बनाने का आरोप लगाया। प्रदेश भाजपा ने एक्स पर कहा, जनपद मैनपुरी की विधानसभा करहल में सपाई प्रशांत यादव व उसके साथियों ने मिलकर एक दलित बेटी की नृशंस हत्या कर दी। हत्या सिर्फ इसलिए की गई, क्योंकि दलित बेटी ने साइकिल पर वोट देने से मना कर दिया था। मतदान करने से पहले एक पिता की असहनीय पीड़ा आप भी जरूर सुनें[8230] प्रदेश भाजपा ने एक्स पर शोकाकुल पिता का वीडियो भी साझा किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने भी सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर सपा पर निशाना साधा।

इस बीच, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में एक प्रेस वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा द्वारा उपचुनावों को अपने पक्ष में करने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग पर उनकी पार्टी की ओर से की जा रही शिकायतों पर आंखें मूंद रहा है। सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह भाजपा द्वारा समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की साजिश है, जो अक्सर ऐसी गतिविधियों में लिप्त रहती है। इसका सपा से कोई लेना-देना नहीं है।

महाराष्ट्र चुनाव

गुप्ता (पूर्व पुणे पुलिस आयुक्त) तथा गिरफ्तारी के समय पुणे में पुलिस उपायुक्त (साइबर) रहीं भाग्यश्री नवटेके की कथित ऑडियो क्लिप थीं।

ईडी के सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने क्रिप्टो (बिटकॉइन) संपत्ति पोंजी घोटाले में जारी धनशोधन जांच का दायरा बढ़ा दिया है और मेहता तथा राजनीतिक नेताओं के साथ कुछ अन्य लोगों और नौकरशाहों के संबंधों की जांच की जा रही है।

समाज को

हुआ है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है। आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों की एकता ही इस सफलता का आधार है।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में धर्म और समाज को कमजोर करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या जो समाज और राष्ट्र को कमजोर करती हो, हमें उससे खुद को अलग करना होगा। ऐसे तत्वों को बेनकाब कर समाज से अलग-थलग करना धर्म का कार्य होना चाहिए।

आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास की योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन चुका है जो अयोध्या को वैश्विक स्तर पर जोड़ने में मदद करेगा। उन्होंने अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने का संकल्प दोहराया और इसे अयोध्यावासियों की जिम्मेदारी बताया।

मुख्यमंत्री ने

चरणों में हाजिरी लगाई। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया।

संक्षेप

नयनिका ने एक शॉट की बढ़त की हासिल

हैदराबाद। भारतीय गोल्फर नयनिका सांगा ने बुधवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 15वें और अंतिम चरण के पहले दिन चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलकर एक शॉट से बढ़त हासिल की। डब्ल्यूपीजीटी पर अपने पहले खिताब की कोशिश में जुटी 20 साल की नयनिका ने पहले दिन सात बर्डी लगाई जिसमें से तीन बैक नाइन में 11वें से 13वें होल में रहीं। इस तरह नयनिका ने पिछले हफ्ते की विजेता हिताशी बख्शी (69) और जैस्मीन शेखर (69) पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है। चार गोल्फर अमनदीप द्राल, गौरिका बिश्नोई और स्नेहा सिंह के साथ श्रीलंका की काया दौलुवाटे दो अंडर 70 के कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

अमरदीप ने 67 का कार्ड खेलकर बढ़त हासिल की

डिगबोई (असम)। नोएडा के अमरदीप मलिक ने बुधवार को यहां इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स के पहले दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेलकर बढ़त हासिल की। दिल्ली के पूर्व चैम्पियन हनी बेसोया, पुणे के दिव्यांश दूबे, बांग्लादेश के गोल्फर जमाल हुसैन, बेंगलुरु के सैयद साकिब अहमद और पंचकुला के अभिषेक कुमार सभी चार अंडर 68 के कार्ड से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। स्थानीय पेशेवर गोल्फरों में देवेन भूमिज संयुक्त 50वें स्थान से सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने 73 का कार्ड खेला। पिछले हफ्ते जयपुर में विजेता रहे दिल्ली के सचिन बेसोया 69 के कार्ड से पांच खिलाड़ियों के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

विश्व एथलेटिक्स सदस्य महासंघ पुरस्कार के लिए नामित एएफआई

मोनाको। कोच शिक्षा और बच्चों के एथलेटिक्स कार्यक्रम में प्रगति के लिए भारत को बुधवार को विश्व एथलेटिक्स के सदस्य महासंघ पुरस्कार 2024 के लिए नामित छह महासंघ में शामिल किया गया। यह पुरस्कार उस सदस्य महासंघ को मान्यता देता है जिसने पूरे साल काफी उपलब्धियां हासिल की हों तथा खेल के विकास में सकारात्मक योगदान दिया हो। विजेता महासंघ की घोषणा विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 के तहत विश्व एथलेटिक्स के मंच पर की जाएगी। पुरस्कार समारोह यहां एक दिसंबर को होगा। विश्व संस्था ने अपनी वेबसाइट पर कहा, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 में अपने कोच शिक्षा कार्यक्रम को और विकसित किया है। देश भर में एथलेटिक्स कोचिंग की गुणवत्ता के बढ़ाने के लिए तीन कोर्स की पेशकश की गई। लांच के बाद से 3000 से ज्यादा कोचों ने एएफआई प्री लेवल एक कोर्स पूरा किया जो जमीनीं स्तर की कोचिंग के लिए अहम है।

भारतीय महिला टीम के मैनेजर भट्टाचार्जी

शिलांग। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को मेघालय क्रिकेट संघ के अध्यक्ष नबा भट्टाचार्जी को ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए भारतीय सीनियर महिला क्रिकेट टीम का मैनेजर नियुक्त किया। दौरे का पहला और दूसरा वनडे क्रमशः चार और सात दिसंबर को ब्रिस्बेन में होगा जबकि तीसरा वनडे 10 दिसंबर को पर्थ में खेला जायेगा। भट्टचार्जी ने पीटीआई से कहा, दौरा समिति ने मुझे और सभी संबंधितों को मैनेजर के रूप में मेरे चयन के बारे में सूचित किया है। यह एक सम्मान की बात है और मैं इस पद के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं राज्य के स्वदेशी समुदाय के युवाओं के बीच खेल को और बढ़ावा देने का प्रयास करूंगा। मैं इस पद के लिए जय शाह का आभारी हूं। बीसीसीआई के नये क्षेत्र विकास कार्यक्रम में काम करने के बाद भट्टाचार्जी पिछले 15 साल से मेघालय में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 2018 में बोर्ड में राज्य की स्थायी सदस्यता हासिल की और बीते समय में वह बीसीसीआई के कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं।

टी-20 : ऑलराउंडरों में शीर्ष पर हार्दिक

वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के बाद तीसरे स्थान पर

एजेंसी

दुबई। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बुधवार को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए जबकि उभरते हुए स्टार खिलाड़ी और टीम के उनके साथी तिलक वर्मा भी 69 स्थान की लंबी छलांग के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। हार्दिक ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 श्रृंखला के दौरान गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने चार मैच की श्रृंखला के दूसरे मैच में नाबाद 39 रन की पारी खेली जबकि चौथे और अंतिम मुकाबले में आठ रन देकर एक विकेट चटकाया जिससे भारत को 3-। से श्रृंखला जीतने में मदद मिली।

हार्दिक दूसरी बार टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में नंबर एक बने हैं। वह इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। पंड्या आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे वर्मा ने दो शतक की मदद से 280 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 69 स्थान की लंबी

छलांग लगाई है। वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। वह भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से चौथे पायदान पर हैं। भारत के संजू सैमसन भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दो शतक की बदौलत बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा और नाथन एलिस को टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे अधिक फायदा हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत तीन स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ नौवें स्थान पर हैं।

पुजारा की तरह लंबी पारी खेलना चाहते हैं लाबुशेन

पर्थ। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन भारतीय तेज आक्रमण को थकाने के लिये लंबी पारी खेलना चाहते हैं जिस तरह से पिछली दो बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में चेतेश्वर पुजारा ने खेली थी। पुजारा ने 2018 . 19 में चार टेस्ट की सात पारियों में 1258 गेंदें खेलकर तीन शतक जमाये थे। वह भारत की जीत के सूत्रधारों में से एक थे। उन्होंने 2020 . 21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में अहम योगदान दिया। लाबुशेन ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, यह श्रृंखला हम सभी के लिये अहम है।

लक्ष्य, सिंधू व मालविका चाइना मास्टर्स के दूसरे दौर में

शेनजेन (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू सहित लक्ष्य सेन और फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ ने बुधवार को यहां अपने मुकाबले जीतकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। महिलाओं के वर्ग में सिंधू ने अपने से उंची रैंकिंग वाली थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरूंगफान को 50 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 21 . 17, 21 . 19 से मात दी। वहीं मालविका (36वीं रैंकिंग) ने डेनमार्क की लिने होजमार्क जाएर्सफेल्ट (21वीं रैंकिंग) पर 20-22, 23-21, 21-16 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग में लक्ष्य ने मलेशिया के सातवे वरीय ली जि जिया पर 57 मिनट में 21-14, 13-21, 21-13 की जीत से ओलंपिक कांस्य पदक मुकाबले में मिली हार का बदला चुकता किया। लक्ष्य का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके और जापान के केंटा निशिमोटो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। लक्ष्य पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में बढ़त बनाने के बावजूद ली से हार गये थे। दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू की विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज बुसानन के खिलाफ 21 मुकाबलों में सिंधू की 20वीं जीत थी। दोनों ने बराबरी से शुरूआत की और सिंधू की दो सहज गलतियों का फायदा उठाकर बुसानन ने 14 . 10 की बढत बना ली। सिंधू ने अगले नौ अंक बनाकर 19 . 14 की बढत हासिल की और पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में बुसानन ने मजबूती से शुरूआत की और बढत भी बनाई लेकिन सिंधू ने वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया।

पेरिस में मिली हार के बाद लक्ष्य ने अपनी पहली भिड़ंत के पहले गेम में 11-4 से बढ़त बनाकर इसें जीत लिया। दूसरे गेम में ली वापसी करते हुए 7-। से आगे थे और इसे 17-8 तक ले गये और इसे जीतकर स्कोर।-। से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में शुरू में लक्ष्य हावी रहे और 5-। से आगे चल रहे थे। पर कुछ ही देर में ली 5-5 तक पहुंच गये। लेकिन ब्रेक तक लक्ष्य इसे 11-8 तक पहुंचाने में सफल रहे। फिर 18-11 तक पहुंचकर मैच जीत लिया।

लक्ष्य को अब भी है ओलंपिक में पदक से चूकने का मलाल, फिटनेस और लय पर है ध्यान

शेनझेन (चीन)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया कि ओलंपिक पदक से चूकने का दर्द अब भी बरकरार है लेकिन उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान पूरी तरह से फिट होने और बाकी बची प्रतियोगिताओं में मजबूत प्रदर्शन के साथ अगले सत्र से पहले लय हासिल करने पर है।

उत्तराखंड के इस खिलाड़ी को अगस्त में बड़ा झटका लगा था जब पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के प्लेऑफ में मलेशिया के दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली जी जिया के खिलाफ बेहतर स्थिति में होने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। तब से उन्हें जूझना पड़ रहा है और वह पिछले तीन टूर्नामेंट में वह जल्दी बाहर हो गए। मंगलवार को लक्ष्य ने हालांकि ली को तीन गेम में हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर राहत की सांस ली होगी।

उड़ीसा में बैडमिंटन प्रतियोगिता में उप्र की बालक खिलाड़ियों की टीम ने जीता रजत पदक

लखनऊ। उड़ीसा में योनेक्स सनराइज 47वां इंटर-स्टेट, इंटर जोनल तथा जूनियर नेशनल बैडमिंटन प्रतियोगिता भुवनेश्वर, उड़ीसा में उत्तर प्रदेश की बालक खिलाड़ियों की टीम जिसमें प्रभास कुमार कुशवाहा, भुमेश उतरानी, आराध्य शर्मा, अतुल कुमार, प्रदीप कुमार, अर्चित सिन्हा, शिवम वर्मा, उज्जवल तोमर, आदित्य यादव, मो.अर्श एवं कोच मुकुल भारद्वाज, इंद्रा मुल्याज्या तथा मधु अवस्थी, के नेतृत्व में बालक टीम ने रजत पदक जीतकर वर्षो बाद ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के चेयरमैन विराज सागर दास, अध्यक्ष डा. नवनीत सहगल एवं सचिव डा. सुधर्मा सिंह द्वारा इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों एवं कोच और मैनेजर को बधाई दी है।

खुश है कि पुजारा भारतीय टीम में नहीं है : हेजलवुड

पर्थ। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने प्रसन्नता जताई है कि शुक्रवार से यहां शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में उन्हें भारत के अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का सामना नहीं करना होगा। पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो दौरों पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पुजारा ने 2018 . 19 में चार टेस्ट की सात पारियों में 1258 गेंदें खेलकर तीन शतक जमाये थे। वह भारत की जीत के सूत्रधारों में से एक थे। उन्होंने 2020 . 21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में अहम योगदान दिया। हेजलवुड ने पहले टेस्ट से पूर्व पत्रकारों से कहा मुझे खुशी है कि पुजारा उनकी टीम में नहीं है। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका विकेट आप हमेशा लेना चाहते हैं।

आखिरी मैच में हारे नडाल, स्पेन का डेविस कप समाप्त

एजेंसी

मालागा (स्पेन)। पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर रफेल नडाल को अपने आखिरी मैच में दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी बोटिच वान डे जैंडस्कल्प ने 6 . 4, 6 . 4 से हरा दिया और इसके साथ ही डेविस कप क्वार्टर फाइनल में स्पेन भी नीदरलैंड से हार गया। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल के टूर पर 20 साल से अधिक के सफर का यह आखिरी टूर्नामेंट था। स्पेन को नीदरलैंड ने 2 .। से हराया। दर्शक राफा, राफा, राफा चिल्ला रहे थे। उनके शानदार कैरियर के सम्मान में सेंटर कोर्ट पर एक समारोह का भी आयोजन किया गया था।

उनके कैरियर की झलकियां दिखाता वीडियो जब चलाया गया तो नडाल की आंखें भर आई। उन्होंने कहा , असलियत यह है कि कोई भी कैरियर में यह पल नहीं चाहता। मैं टेनिस खेलने से थका नहीं हूं लेकिन मेरा शरीर अब खेलना नहीं चाहता और मुझे हालात को स्वीकार करना होगा। मैं खुशकिस्मत हूं कि अपने शौक को कैरियर बना सका और इतने लंबे समय तक खेला जो मैने कभी सोचा भी नहीं था। मैं आजीवन उन लोगों का आभारी रहूंगा जो इस सफर में मेरे पीछे रहे। समारोह के बाद नडाल ने अपने साथी खिलाड़ियों को गले लगाया और दोनों हाथों से उनका अभिवादन स्वीकार करते हुए बाहर चले गए। स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने कहा मैं स्पेनिश टेनिस और विश्व टेनिस की ओर से बोल रहा हूं। आपको भली भांति पता है कि टेनिस जगत में आपकी क्या अहमियत है। हमें आपकी कमी खलेगी। राफा , राफा का शोर हमेशा इतिहास का हिस्सा रहेगा। कार्लोस अल्काराज ने दूसरे एकल मैच में टालोन ग्रीकस्पूर को 7 . 6, 6 . 3 से हराया लेकिन अल्काराज और मार्शेल ग्रानोलेर्स की जोड़ी युगल में 7 . 6 . 7 . 6 से हार गई। नीदरलैंड का सामना अब जर्मनी या कनाडा से होगा। नीदरलैंड 2001 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है।

करण सिंह आईटीएफ कलबुर्गी ओपन के दूसरे दौर में

कलबुर्गी (कर्नाटक)। चौथे वरीय भारत के करण सिंह ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए बुधवार को यहां हमवतन आदित्य बालसेकर को हराकर आईटीएफ कलबुर्गी टेनिस ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। करण को पहले सेट में आदित्य से कड़ी टक्कर मिली लेकिन वह टाईब्रेकर में 7-6 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने हालांकि दूसरे सेट में तीन बार आदित्य की सर्विस तोड़ी और इसे 6-0 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। स्थानीय खिलाड़ी एसडी प्रज्जवल देव ने कल शाम युगल में मिली हार से उबरते हुए एकल वर्ग में जापान के काजुकी निशिवाकी को 6-2, 6-3 से हराया। दूसरे दौर में उनका समना दूसरे वरीय रूस के बोगडेन बोबरोव से होगा। तीसरे वरीय इगोर एगाफोनोव को टखने की चोट के कारण सिद्धार्थ रावत के खिलाफ मुकाबले के दूसरे सेट के बीच से हटना पड़ा। उनके अलावा अन्य सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे।

भारत को पहले टेस्ट तक गिल का रहेगा इंतजार , रेड्डी पर नजर रहेगी : मोर्कल

एजेंसी

पर्थ। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चोटिल शुभमन गिल की उपलब्धता पर अंतिम फैसला मुकाबले के दिन सुबह को ही लिया जायेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला (बीजीटी) के शुक्रवार से यहां ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होने वाले पहले मैच में गिल के खेलने को संदेह बना रहेगा क्योंकि कुछ दिन पहले यहां भारत के इंट्रा-स्काड (भारतीय टीम को विभाजित कर अभ्यास मैच कराना) ट्रेनिंग मैच में अंगूठे में चोट लग गई थी।

मोर्कल ने कहा शुभमन की स्थिति में हर दिन सुधार हो रहा है। उन्हें स्काड गेम में चोट लग गई। उनकी स्थिति पर हर दिन नजर रहेगी, यह प्रतिदिन की प्रक्रिया है। न्होंने कहा हम उनकी स्थिति में सुधार की उम्मीद लगाये हैं। शुरूआती टेस्ट मैच के पहले दिन की सुबह तक उनके खेलने पर फैसले का इंतजार करेंगे। मोर्कल ने कहा कि नीतिश रेड्डी के हरफनमौला कौशल को देखते हुए श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर नजरें लगी होंगी। उन्होंने कहा वह (रेड्डी) युवा खिलाड़ियों में शामिल है जिनके बारे में हमने जिक्र किया था कि उनमें बल्लेबाजी हरफनमौला कौशल है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो एक छोर पर डटे रह सकता है। यहां की परिस्थितियों में वह अच्छा गेंदबाज हो सकता है जो सटीक विकेट टू विकेट गेंदबाजी करता है।

भारत के गेंदबाजी कोच ने कहा, उसके पास आल राउंडर स्थान हासिल करने का यह अच्छा मौका है। दुनिया की कोई भी टीम हमेशा ऐसा आल राउंडर चाहेगी जो आपके तेज गेंदबाज पर से भार थोड़ा कम कर सके। मोर्कल ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजी के अगुआ की जिम्मेदारी उठानी होगी क्योंकि भारत मोहम्मद शमी को टीम में शामिल करने में जल्दबाजी नहीं करेगा। उन्होंने कहा जस्सी ऐसा खिलाड़ी है जो हमेशा जिम्मेदारी उठायेगा। वह बीते समय में यहां काफी सफल हो चुका है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो हमेशा अगुआई करता है और युवा खिलाड़ी उसका अनुकरण करते हैं। मोर्कल ने कहा हम निश्चित रूप से शमी पर निगाह लगाये रखेंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराया

एजेंसी

राजगीर। गोल्डन गर्ल दीपिका के टूर्नामेंट में 11वें गोल की मदद से भारत ने ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को। . 0 से हराकर महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखा। पिछले साल रांची में और 2016 में सिंगापुर में यह खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने जबर्दस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा।

पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पर पहला शॉट चूक गया लेकिन गेंद सर्कल के भीतर ही थी और नवनीत की स्टिक से डिफ्लैक्ट होकर दीपिका के पास पहुंची जिसने शानदार फ्लिक से उसे गोल के भीतर डाला। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढत दुगुनी करने का सुनहरा मौका था लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को चौथे क्वार्टर में भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वैरिएशन का कोई नतीजा नहीं निकला। इससे पहले चीन ने शुरूआती मिनट से गेंद पर नियंत्रण के मामले दबदबा बनाये रखा। पहले हाफ में हालांकि भारतीय टीम आठ बार चीन के सर्कल में घुसी और चीनी टीम पांच बार ही हमले बोल सकी लेकिन उसने भारतीय खिलाड़ियों को गेंद आसानी से नहीं लेने दी।

वहीं भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर फिनिशंग टच के लिये जूझते रहे। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में 16 पेनल्टी कॉर्नर में से एक भी तब्दील नहीं कर सकी भारतीय टीम की कमजोरी फाइनल में पहले 30 मिनट में फिर देखने को मिली जब उसे मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। भारत के पास चौथे मिनट में गोल करने का मौका था जब सुनेलिटा टोप्पो दाहिने फ्लैंक से अकेले गेंद लेकर आगे बढी लेकिन उनके प्रयास को चीन की गोलकीपर ने नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में तीसरे ही मिनट में चीन को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन तान झींझुयांग के शॉट को भारतीय गोलकीपर बिछू देवी ने दाहिने ओर डाइव लगाकर बचाया और रिबाउंड पर भी गोल नहीं होने दिया। इस बीच भारत को 20वें से 21वें मिनट के भीतर मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। पहले पर दीपिका का शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया जबकि दूसरा गोलकीपर ने और तीसरा डिफेंडर ने बचाया। चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर वैरिएशन भी असफल रहा। चीन को 23वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका। ब्रेक से तीन मिनट पहले भारत के पास खाता खोलने का मौका था लेकिन लालरेम्सियामी के पास पर शर्मिला का शॉट बार से टकराकर निकल गया। तीसरे स्थान के मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 4 .। से हराया।

विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना ने पेरू को हराया

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। लौतारो मार्तिनेज के गोल के दम पर अर्जेंटीना ने विश्व कप फुटबॉल 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में पेरू को। . 0 से हराकर क्वालिफिकेशन की ओर अगला कदम बढा दिया। वहीं ब्राजील ने सल्वाडोर में उरूग्वे से। . । से ड्रॉ खेला। उरूग्वे के लिये फेडरिको वाल्वेर्डे ने पहला गोल दागा जबकि गेरसन ने ब्राजील के लिये बराबरी का गोल किया।

अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि उरूग्वे उससे पांच अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। इक्वाडोर और कोलंबिया के 19 अंक हैं। ब्राजील 18 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि पराग्वे उससे दो अंक पीछे है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर से छह टीमें विश्व कप में जगह बनायेंगी। सातवें नंबर की टीम बोलिविया अंतरराष्ट्रीय प्लेआफ खेलेंगी जबकि वेनेजुएला (12), चिली (नौ) और पेरू (सात) क्वालीफाइंग दौड़ से बाहर हैं। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर अगले दौर के मुकाबले मार्च में होंगे।

विश्व कप एशियाई क्वालीफायर : जापान क्वालीफिकेशन के करीब, इंडोनेशिया से हारा सउदी अरब

शियामेन। चीन को 3 . 1 से हराकर जापान लगातार आठवीं बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है जबकि उससे नौ अंक पीछे दूसरे स्थान पर काबिज आस्ट्रेलिया ने एशियाई क्वालीफाइंग दौर में बहरीन से 2 . 2 से ड्रॉ खेला।

चीन को सितंबर में अपनी धरती पर 7 . 0 से हराने के बावजूद जापान को इस मैच में पहला गोल करने में 39 मिनट लगे। कोकी ओगावा ने हेडर पर यह गोल दागा जबकि दूसरा गोल को इताकूरा ने किया। चीन के लिये लिन लियांगमेन ने दूसरे हाफ में गोल किया लेकिन ओगावा ने इसके तुरंत बाद दूसरा गोल दाग दिया। जापान के छह मैचों में 16 अंक है जबकि ग्रुप सी के चार मैच बाकी है। आस्ट्रेलिया सात अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इंडोनेशिया ने जकार्ता में खेले गए मैच में मार्शेलिनो फर्डिनन के दो गोल के दम पर सउदी अरब को 2 . 0 से हराया। आखिरी बार इंडोनेशिया ने 1938 में विश्व कप खेला था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने फलस्तीन से। . 1 से ड्रॉ खेला लेकिन इसके बावजूद वह 14 अंक लेकर शीर्ष पर है। इराक तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। ग्रुप ए में ईरान ने किर्गीस्तान को 3 . 2 से हराया। ईरान 16 अंक लेकर शीर्ष पर और उजबेकिस्तान तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

लाओस में चीनी समकक्ष से मिले राजनाथ

भारत-चीन संबंधों को मिलेगी मजबूती, हो रही आसियान के रक्षामंत्रियों की बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ विएंतियाने में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब कुछ सप्ताह पहले ही भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो स्थानों से सैनिकों को पीछे हटा लिया था। यह बैठक लाओस की राजधानी में 10 देशों के आसियान समूह और इसके कुछ संवाद साझेदारों के सम्मेलन से इतर हुई। सिंह के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लाओ पीडीआर के विएंतियाने में चीनी रक्षा मंत्री दोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक कर रहे हैं। भारतीय और चीनी सेनाओं ने पिछले महीने के अंत में डेमचोक और देपसांग में वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए कई वार्ताओं के बाद समझौता हुआ था। दोनों पक्षों ने लगभग साढ़े चार वर्ष के अंतराल के बाद दोनों क्षेत्रों में गश्त भी शुरू कर दी। सिंह की विएंतियाने की तीन दिवसीय यात्रा बुधवार से शुरू हुई जिसका मुख्य उद्देश्य आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेना है। एडीएमएम-प्लस एक मंच है जिसमें 10 देशों का आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) और इसके आठ संवाद साझेदार - भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। लाओस एडीएमएम-प्लस के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में इस बैठक की मेजबानी कर रहा है।

सेना अध्यक्ष जनरल द्विवेदी नेपाल की चार दिवसीय यात्रा के लिए रवाना

नयी दिल्ली। सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए, ताकि क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं रणनीतिक संबंधों को और मजबूत किया जा सके। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल 1950 में शुरू हुई एक पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को जनरल द्विवेदी को नेपाल सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित करेंगे। यह परंपरा दोनों सेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है। भारतीय सेना ने कहा कि 20 से 24 नवंबर तक सेना अध्यक्ष की नेपाल यात्रा का उद्देश्य भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना है, साथ ही दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के नए रास्ते तलाशना है। काठमांडू में जनरल द्विवेदी अपने नेपाली समकक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल के साथ व्यापक वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति पौडेल, प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय से मुलाकात करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को साझा हित के मुद्दों पर नेपाली सेना के महानिदेशक सैन्य संचालन (डीजीएमओ) द्वारा भी जानकारी दी जाएगी।

नेपाल इस क्षेत्र में अपने समग्र रणनीतिक हितों के लिहाज से भारत के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों देशों के नेता अक्सर सदियों पुराने रोटी बेटी रिश्तों का जिक्र करते रहते हैं। चारों ओर से जमीनी क्षेत्र से घिरा नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर काफी ज्यादा निर्भर है। नेपाल की समुद्र तक पहुंच भी भारत के माध्यम से ही संभव है और वह अपनी जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा भारत से और भारत के माध्यम से आयात करता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल के मस्तंग क्षेत्र में श्री मुक्तिनाथ मंदिर भी जा सकते हैं। ऐसा समझा जाता है कि भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत भी इस मंदिर में जाना चाहते थे।

संक्षेप

भारत ने अमीर देशों से अनुकूलन वित्त प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आह्वान

बाकू (अजरबैजान)। भारत ने विकसित देशों से विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन के लिए वित्तीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि चरम मौसमी घटनाओं की बढ़ती संख्या एवं तीव्रता लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है, खास तौर पर गरीब देशों में। जलवायु अनुकूलन पर मंगलवार को एक मंत्रिस्तरीय संवाद में भारत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विकासशील देश जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अधिक सामना कर रहे हैं, जो काफी हद तक विकसित देशों में ऐतिहासिक रूप से बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का नतीजा है। भारतीय वार्ताकार राजश्री रे ने कहा, चरम मौसमी घटनाओं की बढ़ती संख्या और तीव्रता विकासशील देशों के लोगों के जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। भारत ने याद दिलाया कि पिछले साल संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी28) में वैश्विक जलवायु लचीलेपन के लिए अपनाई गई यूएई रूपरेखा विकसित देशों के आर्थिक सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है। रे ने कहा, यह पहल आगे बढ़नी चाहिए और इसके तहत देशों की उभरती जरूरतों और अद्वितीय परिस्थितियों का सम्मान करते हुए।

पाकिस्तान के साथ बातचीत का पहला मुद्दा आतंकवाद

एजेंसी

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत में पहला मुद्दा आतंकवाद पर रोक लगाना है।

उन्होंने रेखांकित किया कि भारत लंबे समय से सीमापार से जारी आतंकवाद और वैश्विक आतंकवाद का शिकार रहा है तथा आतंकवाद के प्रति उसकी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने मंगलवार को यहां बातचीत के दौरान कहा, पाकिस्तान के साथ हमारा मुख्य मुद्दा आतंकवाद का है।

हरीश ने कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स (एसआईपीए) में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का जवाब : भारत का तरीका विषय पर मुख्य भाषण दिया। मुख्य भाषण के बाद एक संवाद सत्र के दौरान पाकिस्तान पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में हरीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान से संपर्क साधने का प्रयास किया था।

मणिपुर हिंसा एक हफ्ते के लिए स्थगित

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों द्वारा नागरिकों की हत्या में शामिल संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान का आह्वान करने वाले प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद द कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी ने अपना आंदोलन बुधवार को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया।

सीओसीओएमआई इंफाल घाटी के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक नागरिक समाज संगठन है। इंफाल में संवाददाताओं को फैसले की जानकारी देते हुए सीओसीओएमआई के संयोजक सोमोरेंद्रो थोकचोम ने उन क्षेत्रों से सशस्त्र बल अधिनियम को हटाने का आह्वान किया, जहां इसे हाल ही में फिर से लागू किया गया था। थोकचोम ने कहा हम देखेंगे कि विधायकों द्वारा पारित प्रस्ताव का कियान्वयन कैसे होता है। आगे की कार्वाई पर इसके बाद ही फैसला लिया जाएगा। एक बयान के मुताबिक, मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी नीत राजग के विधायकों की बैठक में जिरीबाम जिले में सात दिनों के भीतर तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का प्रस्ताव पारित किया गया। सोमवार रात हुई इस बैठक में 27 विधायक शामिल हुए। बयान में कहा गया है, सात दिन के भीतर छह बेकसूर महिलाओं और बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान शुरू किया जाएगा।

अमेरिका ने रूस में यूक्रेन के मिसाइल दागने को लेकर अपनी सोच क्यों बदली

एजेंसी

कैनबरा। (द कन्वरसेशन) यूक्रेन द्वारा आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) बैलिस्टिक मिसाइलों के उपयोग पर अमेरिकी प्रतिबंध हटने से उसे इस वर्ष की शुरुआत में कब्जे में लिए गए रूसी क्षेत्र को वापस लेने की कोशिश कर रहे रूस के बलों को पीछे हटाने में मदद मिल सकती है।

यह जनवरी में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के कामकाज संभालने से पहले यूक्रेन को मजबूत भी कर सकता है। हालांकि, यह यूक्रेन के लिए पश्चिम के समर्थन में बहुत कम, बहुत देरी से का एक और मामला हो सकता है।

इस सप्ताह अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन के लिए एटीएसीएमएस नाम वाली उन मिसाइलों के उपयोग पर से प्रतिबंध हटा दिया जिनकी आपूर्ति अमेरिका ने की थी। एटीएसीएमएस की मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर है। इससे पहले, अमेरिका ने यूक्रेन से कहा था कि वह इनका उपयोग केवल यूक्रेनी क्षेत्र में रूसी बलों के खिलाफ करे।

भारत व ऑस्ट्रेलिया ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी मजबूत

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी पर मुहर लगाने के साथ ही एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने समग्र द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ने का संकल्प जताया है।

यहां जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मंगलवार देर रात आयोजित दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक सम्मेलन में रक्षा और सुरक्षा संबंधों, गतिशीलता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों सहित कई मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। एक संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नेता सामूहिक ताकत को बढ़ाने, दोनों देशों की सुरक्षा में योगदान करने और क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए रक्षा और सुरक्षा सहयोग के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को लेकर आशान्वित हैं। नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण, संबंधित परियोजनाओं और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग के लिए रूपरेखा प्रदान करेगी।

अल्बनीज के साथ शिखर वार्ता के बाद मीडिया को दिये बयान में मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष रक्षा उद्योग, महत्वपूर्ण खनिज, नवीकरणीय ऊर्जा, जहाज निर्माण, अंतरिक्ष और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाओं पर काम करेंगे। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की पूरी क्षमता को महसूस करने के लिए महत्वाकांक्षी, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की दिशा में आगे काम करने का स्वागत किया।

बुकर पुरस्कार विजेता रिचर्ड फ्लानागन को बेली गिफर्ड पुरस्कार से भी नवाजा

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के लेखक रिचर्ड फ्लानागन ने कथा साहित्य (फिक्शन) के लिए बुकर पुरस्कार प्राप्त करने के एक दशक बाद मंगलवार को कथेतर साहित्य (नॉन फिक्शन) के लिए भी ब्रिटेन का शीर्ष साहित्य पुरस्कार बेली गिफर्ड अपने नाम कर लिया और अभूतपूर्व दोहरी उपलब्धि हासिल की। फ्लानागन को उनके संस्मरण क्रेश्चन 7 के लिए 50,000 पाउंड की राशि वाला यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस किताब में उनकी आत्मकथा, परिवार का इतिहास और परमाणु बम के विकास की कहानी है। उन्हें उनके उपन्यास द नैरो रोड टू द डीप नॉर्थ के लिए 2014 के बुकर पुरस्कार से नवाजा गया था। यह किताब द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना के कैदी के रूप में उनके पिता के अनुभवों पर आधारित थी।

उत्तर कोरिया ने रूस को और अधिक पारंपरिक हथियार भेजे : कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के मध्य रूस को सहयोग देने के वास्ते और तोपें भेजी हैं, साथ ही रूस में मौजूद हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों में से कुछ ने युद्ध में भाग लेना शुरू कर दिया है। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने बुधवार को देश के सांसदों को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया का यह आकलन रूस की ओर से सोमवार को दी गई उस चेतावनी के बाद आया है जिसमें उसने कहा था कि यूक्रेन को अमेरिका द्वारा दी गईं लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने की जो बाइडन की अनुमति युद्ध में आग में घी डालने का काम करेगी। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बाइडन ने यह निर्णय उत्तर कोरिया के लगभग पूरी तरह से युद्ध में भाग लेने के कारण लिया था।

अंतरराष्ट्रीय दबाव को अनदेखा कर ईरान यूरेनियम का बढ़ा रहा भंडार

विएना। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था की गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने की अंतरराष्ट्रीय मांगों की अवहेलना की है तथा उसने अपने यूरेनियम संवर्द्धन भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक बढ़ा लिया है।

यह रिपोर्ट मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को मिली। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 26 अक्टूबर तक ईरान के पास 60 प्रतिशत तक संवर्धित 182.3 किलोग्राम यूरेनियम है, जो अगस्त की अंतिम रिपोर्ट से 17.6 किलोग्राम अधिक है।

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी** (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com